रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:84 | रविवार,30 नवम्बर | ₹5 | Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 12 बांग्लादेशी और एक भारतीय गिरफ्तार

एजेंसी

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में पुलिस ने 12 बांग्लादेशी नागरिकों को कथित रूप से भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनके साथ एक भारतीय नागरिक को भी हिरासत में लिया गया है, जिस पर इन लोगों की गैरकानूनी घुसपैठ में मदद करने का आरोप है। यह कार्रवाई शुक्रवार रात की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार भारतीय की पहचान सेबर अली के रूप में हुई है, जो बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से शरण देता था। गुप्त सूचना के आधार पर इसलामपुर इलाके के हुरशी ग्राम पंचायत के गोपालपुर गांव में छापेमारी की गई और सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों के पास भारत में रहने का कोई वैध दस्तावेजनहीं मिला।

नेशनल हेराल्ड केस पर फैसला तीसरी बार टला

एजेंसी

नई दिल्लीः नेशनल हेराल्ड केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला तीसरी बार टल गया है। कोर्ट का यह तय करना है कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लें या नहीं। चार्जशीट में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और दूसरे कई सीनियर कांग्रेसी नेताओं के नाम हैं। ईडी ने इन नेताओं पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटलिमिटेड (एजेएल) से जुड़ी फाइनेंशियल गड़बडि ?ों का आरोप लगाया है। यह कंपनी ही असल में नेशनल हेराल्ड अखबार पब्लिश करती थी। कोर्ट ने 14 जुलाई को बहस पूरी होने के बाद फैसला 29 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रखा था। इसके बाद 8 अगस्त और 29 नवंबर को फैसला टला। अब कोर्ट 16 दिसंबर को फैसला सुनाएगी।

बीएलओ का वेतन हुआ दोगुना

एजेंसी

नई दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने शनिवार को बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का वेतन दोगुना करने और इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (ईआरओ) तथा असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (एईआरओ) को मानदेय देने का ऐलान किया। बीएलओ का पारिश्रमिक 6,000 रुपये से बढ़ाकर 12,000 रुपये कर दिया गया है। मतदाता सूची संशोधन के लिए मिलने वाला बीएलओ प्रोत्साहन भी 1,000 रुपये से दोगुना करके 2,000 रुपये कर दिया गया है। ईआरओ को पहली बार 30,000 रुपये का मानदेय दिया जाएगा जबकि एईआरओ को भी पहली बार 25,000 रुपये का मानदेय दिया जाएगा। बीएलओ पर्यवेक्षक के पारिश्रमिक में भी वृद्धि।

जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों टीमों ने मैदान में जमकर बहाया पसीना

भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे क्रिकेट मैच आज

संवाददाता

रांची। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले पहले वनडे मैच को लेकर काफी उत्साह है। दोनों टीमों ने शनिवार को भी मैदान पर जमकर पसीना बहाया और अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दिया।खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज और नेट प्रैक्टिस देखकर साफ है कि दोनों ही टीमें जीत के साथ वनडे सीरीज की शुरूआत करना चाहती हैं। शनिवार को फुल टीम प्रैक्टिस के

बाद भारतीय टीम के कप्तान केएल राहुल ने प्रेस वार्ता कर मैच से जुड़ी कई अहम बातों पर खुलकर चर्चा की।केएल राहुल ने कहा कि रांची में खेलना हमेशा खास रहा है, क्योंकि यह शहर क्रिकेट की धड़कनों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह महेंद्र सिंह धौनी का शहर है। यहां क्रिकेट नस-नस में दौड़ता है। अगर माही भाई स्टेडियम में मैच देखने आते हैं, तो वह पल हमारे लिए बहुत खास होगा। यहां दर्शकों का समर्थन हमेशा जबरदस्त रहता है। पत्रकारों द्वारा किए गए सवालों का जवाब देते हुए राहुल ने टीम संयोजन, विकेट कीपिंग विकल्प और स्पिनर्स के खिलाफ टीम की चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। ऋषभ पंत की भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में राहुल ने कहा कि अंतिम निर्णय मैच के दिन ही होगा। पंत भी टीम में है। वह शानदार फॉर्म में हैं। यह कल ही तय हो पाएगा कि वह विकेट कीपिंग करेंगे या सिर्फ बैटिंग पर ध्यान देंगे। टीम उन्होंने कहा कि मैनेजमेंट इस पर विचार कर रहा है। टीम इंडिया हाल के दिनों में स्पिनर्स के खिलाफ कमजोर नजर आई है। इस पर राहुल ने साफ कहा कि टीम इस चुनौती को अच्छी तरह समझती है और इसे सुधारने के लिए निरंतर काम कर रही है। पुराने और अनुभवी बैट्समैन से हम लगातार सीख रहे हैं कि स्पिन को बेहतर कैसे खेलें।

विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए आंतरिक सुरक्षा अपरिहार्य : प्रधानमंत्री

संवाददाता

डीजीपी -आइजी कॉन्फ्रेंस में कानून व्यवस्था और आतंकवाद पर रोडमैप तैयार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर के आईआईएम परिसर में डीजीपी-आइजी कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि विजन 2047 के तहत विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए आंतरिक सुरक्षा अपरिहार्य है। दूसरे दिन शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की मौजूदगी में कानून व्यवस्था व आतंकवाद पर रोडमैप तैयार किया गया। इसमें नक्सलवाद, काउंटर टेररिज्म, महिलाओं की सुरक्षा, एआई जांच पर फोकस किया गया। विजन 2047 के तहत सुरक्षा की चर्चा और थानों की रैंकिंग घोषित हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने डीजीपी- आईजीपी को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है। हमारी पुलिस बल को आधुनिक तकनीक से लैस करना होगा ताकि अपराध और आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई

जा सके।कॉन्फ्रेंस में 16,000 से अधिक थानों की उत्कृष्टता रैंकिंग भी घोषित की गई, जिसमें मध्य प्रदेश के मंदसौर थाने को टॉप-10 में स्थान मिला। महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष सत्र में पीएम ने मिशन शक्ति को मजबूत करने का आह्वान किया। छत्तीसगढ़ नवा रायपुर में आयोजित 60वीं अखिल भारतीय डीजीपी- आईजीपी कॉन्फ्रेंस में देश की सुरक्षा का रोड मैप पेश किया। देश की कानून व्यवस्था को मजबूत करने और आतंकवाद से निपटने के लिए व्यापक चर्चा हुई। कॉन्फ्रेंस में गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष देश की चुनौतियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। जिसमें लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म (नक्सलवाद), काउंटर टेररिज्म, आपदा प्रबंधन, महिलाओं की सुरक्षा और फॉरेंसिक साइंस के उपयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आतंकवाद के हर मोर्चे पर करारा जवाब दिया जाएगा। चाहे वह पारंपरिक हो या व्हाइटकॉ लर टेरर। साथ ही एआई और डिजिटल टूल्स के जरिए जांच को तेज करने पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने कहा कि रोडमैप से पुलिस सुधारों को गति मिलेगी और 2047 तक आतंकमुक्त भारत का लक्ष्य हासिल होगा। कॉन्फ्रेंस के निष्कर्षों को जल्द ही नीतिगत रूप दिया जाएगा।

पीएम मोदी आज मन की बातकार्यक्रम को करेंगे संबोधित

एजेंसी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सुबह 11 बजे आकाशवाणी समेत कई अन्य प्लेटफॉम पर मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यह इस मासिक रेडियो कार्यक्रम का 128वां एपिसोड होगा। यह कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूज ऑनएयर मोबाइल ऐप पर प्रसारित किया जाएगा। इसका सीधा प्रसारण आकाशवाणी समाचार, डीडी न्यूज, प्रधानमंत्री कार्यालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चैनलों पर भी किया जाएगा। आकाशवाणी हिंदी प्रसारण के तुरंत बाद क्षेत्रीय भाषाओं में भी कार्यक्रम का प्रसारण करेगा।127वें एपिसोड में पीएम मोदी ने चर्चा की शुरूआत छठ महापर्व से की थी। पीएम मोदी ने देशवासियों को छठ महापर्व का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि अगर मौका मिले तो सभी लोग छठ उत्सव में एक बार जरूर भाग लें। छठ महापर्व भारत की एकता का सबसे बड़ा और सुंदर उदाहरण है। इसके अलावा पीएम मोदी ने कोरापुट कॉफी, ऑपरेशन सिंदूर, जीएसटी बचत उत्सव और भारतीय नस्ल के कुत्तों समेत कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की थी।बता दें कि पीएम मोदी का मन की बात कार्यक्रम पिछले कुछ वर्षों में मन की बात कार्यक्रम जमीनी स्तर के प्रेरणादायक प्रयासों को उजागर करने तथा विभिन्न विकासात्मक और सामाजिक कार्यों में नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के एक मंच के रूप में उभरा है।

लोकतंत्र में जिहाद की जगह नहीं: भाजपा

● मदनी के बयान पर भाजपा नेताओं ने दी तीखी प्रतिक्रिया

एजेंसी

नई दिल्ली: जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी के बयान पर सियासत गरम है। भाजपा नेताओं ने मौलाना महमूद मदनी के बयान को बांटने वाला करार दिया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में जिहाद की कोई जगह नहीं है।जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुचा मौलाना महमूद मदनी के बयान पर सियासी माहौल गरमा गया है। भाजपा नेताओं ने मौलाना महमूद मदनी के बयान को बांटने और गुमराह करने वाला करार दिया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि ये व्हाइ कॉलर टेरर टाइकून हैं जिनकी साजिशों से सावधान रहना होगा। ऐसे लोग ना तो मुल्क और ना ही मानवता के हितैषी हैं। ऐसे लोग किसी किसी मजहब के भी हितैषी नहीं हैं। लोकतंत्र में जिहाद की कोई जगह नहीं है।भाजपा नेता नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि जुल्म कौन कर रहा है, मदनी यह तो देखें। बम विस्फोट कौन कर रहा है? जिहाद कौन कर रहा है? जिहादी मानसिकता को कुचल देगा अब वह भारत है। ऐसी मानसिकता अब भारत बर्दाश्त नहीं करेगा। मदनी अदालतों पर सवाल उठा रहे हैं, वे वंदे मातरम पर सवाल उठा रहे हैं। यह कौन सी मानसिकता है? यह तो टुकड़े-टुकड़े वाली गैंग की मानसिकता है। इन सब चीजों को यह देख अब बर्दाश्त नहीं करेगा।भाजपा नेता और लोकसभा सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को जमीयत उलेमा-ए-हिंद के चीफ मौलाना महमूद मदनी के बयानों की आलोचना करते हुए इसे बांटने और गुमराह करने वाला करार दिया। संबित पात्रा ने कहा कि मदनी का बयान न सिर्फ भड़काऊ है वरन देश को बांटने की कोशिश भी है। हमने देखा है कि कैसे जिहाद के नाम पर कुछ लोगों ने न सिर्फ भारत में वरन भारत के बाहर भी आतंकवाद फैलाया है।भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- ये जो वाइट कॉलर टेरर टाइकून हैं, इनके साजिशी संक्रमण से हमें सावधान रहना होगा। ऐसे लोग न मानवता और ना ही मुल्क और ना तो किसी मजहब के हितैषी हैं। ऐसा बयान देश के प्रति विकृत मानसिकता को प्रदर्शित करता है।

भारतीय खिलाड़ियों ने नेट्स में जमकर पसीना बहाया

रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे मुकाबला होने वाला है। तीन साल बाद दोनों टीमें फिर इसी पिच पर आमने-सामने होंगी। इस मैच को लेकर जेएससीए की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इधर, शनिवार को मैच से पहले दोनों टीमें पूरी तरह मैदान पर दिखीं। भारतीय खिलाड़ियों ने नेट्स में जमकर पसीना बहाया तो साउथ अफ्रीका की टीम भी अपने प्लान को धार देने में जुटी रही।

न्यूज स्टडी

भारत के स्वभाव में झगड़ा नहीं भाईचारा है: भागवत

भारत के स्वभाव में झगड़ा नहीं भाईचारा है: भागवत

एजेंसी

नई दिल्लीः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा, 'झगड़ों में पड़ना भारत के स्वभाव में नहीं है, देश की परंपरा ने हमेशा भाईचारे और सामूहिक सद्भाव पर जोर दिया है।उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद का कॉन्सेप्ट पश्चिमी व्याख्याओं से पूरी तरह अलग है। हमारी किसी से कोई बहस नहीं होती। हम झगड़ों से दूर रहते हैं। दुनिया के दूसरे हिस्से संघर्ष से भरे हालात में बने हैं।नागपुर में नेशनल बुक फेस्टिवल में भागवत ने कहा- एक बार जब कोई राय बन जाती है, तो उसके अलावा

कुछ भी मंजूर नहीं होता। ऐसी राय दूसरी बातों के लिए दरवाजा बंद कर देती हैं। उन बातों को बहस कहा जाता है।भागवत ने कहा कि पश्चिम देश नेशनहुड के बारे में हमारे विचार नहीं समझते, इसलिए उन्होंने इसे नेशनलिज्म कहना शुरू कर दिया। राष्ट्र का हमारा कॉन्सेप्ट वेस्टर्न देशों के नेशन के आइडिया से अलग है। हमारे बीच इस बारे में कोई मतभेद नहीं है कि यह नेशन है या नहीं, यह एक राष्ट्र है और यह पुराने समय से है। संघ प्रमुख ने कहा कि पश्चिम देश नेशनहुड के बारे में हमारे विचार नहीं समझते, इसलिए उन्होंने इसे नेशनलिज्म कहना शुरू कर दिया। राष्ट्र का हमारा कॉन्सेप्ट वेस्टर्न देशों के नेशन के आइडिया से अलग है। हमारे बीच इस बारे में कोई मतभेद नहीं है कि यह नेशन है या नहीं, यह एक राष्ट्र है और यह पुराने समय से है।उन्होंने कहा कि अगर हम वेस्टर्न कॉन्टेक्स्ट में नेशन की डेफिनिशन पर विचार करें, तो इसमें आमतौर पर एक नेशन-स्टेट होता है, जिसमें एक सेंट्रल गवर्नमेंट होती है जो इलाके को मैनेज करती है। हालांकि, भारत हमेशा से एक राष्ट्र रहा है, यहां तक कि अलग-अलग सरकारों और विदेशी शासन के समय में भी।उन्होंने कहा कि भारत का नेशनहुड घमंड या गर्व से नहीं बल्कि लोगों के बीच गहरे जुड़ाव और नेचर के साथ उनके को-एग्जिस्टेंस से पैदा हुआ है। सच्ची संतुष्टि दूसरों की मदद करने से मिलती है, यह एहसास जिंदगी भर रहता है, न कि कुछ समय की सफलता से।

पतंजलि घी के सैंपल जांच में फेल,खाने लायक नहीं

एजेंसी

देहरादूनः उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि के घी के सैंपल जांच में फेल पाए गए हैं। जिसके बाद कंपनी समेत 3 कारोबारियों पर 1 लाख 40 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। साथ ही खाद्य विभाग का कहना है कि ये खाने लायक भी नहीं है।उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में घी का सैंपल लिया गया था, इसकी जांच प्रदेश स्तर (रूद्रपुर) और राष्ट्रीय स्तर (गाजियाबाद) की लैब में कराई गयी थी। जांच में घी स्टैंडर्ड पर खड़ा नहीं उतरा।खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन पिथौरागढ़ के असिस्टेंट कमिश्नर आरके शर्मा ने बताया कि अगर किसी ने भी यह घी खाया तो उसके साइड इफेक्ट हो सकते हैं, साथ ही लोग बीमार हो सकते हैं। असिस्टेंट कमिश्नर आरके शर्मा के मुताबिक, खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम के अधिकारी दिलीप जैन ने रूटीन चेकिंग के दौरान 20 अक्टूबर 2020 को पिथौरागढ़ के कासनी स्थित करन जनरल स्टोर से पतंजलि गाय के घी का नमूना लिया था। इसके बाद नमूने को राज्य सरकार की राजकीय प्रयोगशाला रुद्रपुर में भेजा गया, जहां इसे मानकों से नीचे पाया गया।इसके बाद पतंजलि के अधिकारियों को 2021 में इसकी जानकारी दी गई। लेकिन काफी समय तक कंपनी की तरफ से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद कंपनी के अधिकारियों की तरफ से 15 अक्टूबर 2021 को दोबारा जांच की अपील की। कंपनी ने नमूनों की जांच सेंट्रल लैब से करानी की बात कही।इसके लिए पतंजलि की तरफ से 5 हजार रुपए की निर्धारित फीस भी ली गई थी।इसके बाद अधिकारियों की एक टीम 16 अक्टूबर 2021 को नमूनों की जांच के लिए राष्ट्रीय खाद्य प्रयोगशाला गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) पहुंची,

ट्रैफिक जागरूकता अभियान में छात्रों ने दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

रांची, संवाददाता ।

सोना सोभरन मेमोरियल सोसाइटी और रांची जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को आयोजित ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम उत्साहपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. कार्यक्रम की शुरूआत फर्स्ट मार्क पब्लिक स्कूल के छात्रों द्वारा न्यूक्लियस मॉल परिसर में प्रस्तुत एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक से हुई. जिसमें सड़क सुरक्षा, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, तेज रफ्तार से बचाव और यातायात नियमों के महत्व पर सशक्त संदेश दिया गया. नाटक देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे और छात्रों की प्रस्तुति की सराहना की. नुक्कड़ नाटक के बाद न्यूक्लियस मॉल से करमटोली चौक तक एक जागरूकता प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें छात्रों, स्वयंसेवकों, ट्रैफिक पुलिस के कर्मियों और समाज के विभिन्न वर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. फेरी के दौरान प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा से जुड़े नारों और संदेशों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया.

रांची एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का दायित्व है और इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम दुर्घटनाओं को कम करने में बेहद प्रभावी साबित होते हैं. उन्होंने युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की और इसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया. सोना सोभरन मेमोरियल सोसाइटी की ओर से प्रमोद कुमार ने कहा कि रांची को सुरक्षित और अनुशासित यातायात का मॉडल शहर बनाने के लक्ष्य को लेकर समाज के हर वर्ग को आगे आना आवश्यक है. उन्होंने जिला प्रशासन के सहयोग और छात्रों की ऊर्जा को इस प्रयास की सबसे बड़ी मजबूती बताया. कार्यक्रम को सफल बनाने में DTO रांची, DSP ट्रैफिक और एसएसपी रांची सहित पूरे ट्रैफिक विभाग का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ. ट्रैफिक पुलिस टीम ने पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा और मार्गदर्शन की ज़िम्मेदारी निभाई, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्वक और प्रभावी तरीके से संपन्न हो सका.

रांची में भारत-दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट मैच आज, ट्रैफिक प्लान किया गया जारी

रांची, संवाददाता ।

30 नवंबर को झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अंतरराष्ट्रीय एक दिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन होना है. ऐसे में संभावित भीड़ और सुगम यातायात के लिए रांची पुलिस की ओर से ट्रैफिक प्लान जारी किया गया है. इस संबंध में ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने आदेश जारी कर दिया है.

ट्रैफिक में बदलाव

रांची ट्रैफिक एसपी कार्यालय ने भारत और साउथ अफ्रीका मैच के दौरान यातायात प्रबंधन और पार्किंग व्यवस्था के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ताकि शहरवासियों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े.

पार्किंग व्यवस्था

सामान्य वाहनों के लिए कई वैकल्पिक पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं, जिनमें सखुआ बागान, महाराणा प्रताप सिंह स्कूल मैदान, धुर्वा गोलचक्कर मैदान, डीएवी स्कूल मैदान, जवाहर लाल स्टेडियम, मियां मार्केट तीन मुहाना, संत थॉमस स्कूल, प्रभात तारा मैदान, शहीद मैदान और हेलीपैड मैदान शामिल हैं. वहीं सांबो कैंप मोड़ और धुर्वा बस स्टैंड से आने वाले वाहन सखुआ मैदान या महाराणा प्रताप मैदान में वाहन पार्क कर सकते हैं, जबकि शहीद मैदान, नया सराय रिंग रोड और सीआईएसएफ कैंप से आने वाले हेलीपैड मैदान का उपयोग करेंगे. वहीं वीआईपी-वीवीआईपी वाहन शालीमार बाजार, प्रभात तारा मैदान और पारस अस्पताल होते हुए नॉर्थ गेट से प्रवेश करेंगे, जबकि मीडिया वाहन धुर्वा गोलचक्कर या बस स्टैंड से दक्षिण गेट का रास्ता अपनाएंगे.

वैकल्पिक मार्ग और अपील

मैच समाप्ति के बाद शालीमार बाजार से सुजाता चौक तक भारी ट्रैफिक को देखते हुए रिंग रोड आधारित वैकल्पिक रूट सुझाए गए हैं. रातू, मांडर, चान्हो के लिए तिरिल कुटे-नयासराय-रिंग रोड, नगड़ी, ईटकी, बेड़ो के लिए नगड़ी होते हुए. कांके, पिठौरिया, ओरमांझी के लिए तिलता चौक और नामकुम, टाटीसिल्वे, सिल्ली, मुरी के लिए झारखंड मंत्रालय-तुपुदाना-रिंग रोड. रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने रांचीवासियों से अपील की है कि मैच रूट पर चारपहिया वाहनों का उपयोग न करें और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें. आवश्यकता अनुसार अन्य मार्गों पर अस्थायी डायवर्जन या स्टॉप लगाए जा सकते हैं.

क्या है ट्रैफिक प्लान

30 नवंबर की सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक भारी मालवाहक वाहनों का शहर में प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा, हालांकि वाहन चालक रिंग रोड का उपयोग कर सकेंगे.

शालीमार चौक से स्टेडियम नॉर्थ गेट तक सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहेगा. हालांकि एंबुलेंस और चिकित्सा वाहनों को छूट दी गई है.

सुजाता चौक, बिग बाजार कटिंग, राजेंद्र चौक, मैकॉन चौक, एजी मोड़, पीएस मोड़, आइलेक्स कटिंग, हिनू चौक, बिरसा चौक, एचईसी गेट, पुराना विधानसभा, धुर्वा गोलचक्कर, शहीद चौक, देवेंद्र मांझी चौक, कडरू ब्रिज, कडरू कटिंग और अरगोड़ा चौक के बीच सभी प्रकार के मालवाहक वाहन, ऑटो, टोटो और सवारी वाहनों का प्रवेश सुबह 6 बजे से मैच समाप्ति तक प्रतिबंधित रहेगा.

ग्रामीण स्कूल में कार्यशाला, बच्चों व अभिभावकों को दी गई सलाह

रांची, संवाददाता ।

पारसनाथ पब्लिक स्कूल, राज नगर, हजाम गांव में आज कॉसमॉस यूथ क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट, रांची की ओर से मानसिक स्वास्थ्य पर एक उपयोगी कार्यशाला आयोजित की गई.इस कार्यशाला में बच्चों और अभिभावकों को मानसिक, भावनात्मक और व्यवहार से जुड़ी समस्याओं के बारे में समझाया गया. कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेनू गहलोत (नैदानिक मनोवैज्ञानिक, सीआईपी रांची), जिनके पास 21 साल का अनुभव है, उन्होंने किया. डॉ. रेनू ने बच्चों को बताया कि तनाव, चिंता, डिप्रेशन और गलत खाने की आदतों जैसी समस्याओं से कैसे बाहर निकला जा सकता है. बच्चों के मन में कई तरह की गलतफहमियां थीं, जिन्हें उन्होंने सरल तरीके से दूर किया. जिन बच्चों में कुछ मानसिक परेशानी के लक्षण दिखाई दिए, उनका अलग से काउंसलिंग किया गया और उनके माता-पिता को भी समाधान समझाए गए. कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों में बढ़ती मोबाइल की आदत को कम करना, पढ़ाई में कमजोर बच्चों की मदद करना, स्कूल में अनियमित आने वाले बच्चों में रुचि जगाना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और परिवार की समस्याओं से आने वाले मानसिक दबाव को कम करना था. ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे अक्सर ऐसे माहौल से आते हैं, जहां घर पर उनकी पढ़ाई या मानसिक समस्याओं को समझने वाला कोई नहीं होता. इसलिए ट्रस्ट का प्रयास है कि ऐसे बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ सही मार्गदर्शन भी मिले. कार्यक्रम में स्कूल के ट्रस्टी अमित लाल, निदेशक राजू उरांव और प्राचार्य रीना कच्छप भी मौजूद रहे.

आईएएस विनय चौबे के ससुर नहीं बता पाए कहां से उनके अकाउंट में आए तीन करोड़ रुपए

रांची, संवाददाता ।

शराब घोटाला और हजारीबाग में विनय चौबे के डीसी रहते हुए लैंड स्कैम की जांच में एसीबी को विनय चौबे और उनके पारिवारिक सदस्यों के विरुद्ध करोड़ों रुपए के लेनदेन के ठोस साक्ष्य मिले हैं. उन्ही साक्ष्यों के आधार पर एजेंसी ने पिछले दिनों विनय चौबे के ससुर सत्येंद्र नाथ त्रिवेदी और साले शिपीज त्रिवेदी से अकाउंट ट्रांजैक्शन के संबंध में सवाल भी किए थे. लेकिन दोनों ही एसीबी के सवालों का सटीक जवाब नहीं दे पाए.

विनय चौबे के ससुर के खाते में आए तीन करोड़

एजेंसी ने अपनी जांच में यह पाया है कि सिर्फ विनय चौबे की पत्नी स्वप्ना संचिता, साले शिपीज त्रिवेदी और उसकी पत्नी प्रियंका त्रिवेदी ही नहीं, बल्कि विनय चौबे के ससुर सत्येंद्र नाथ त्रिवेदी के अलग-अलग बैंक अकाउंट में भी पिछले कुछ वर्षों में अज्ञात खातों से करीब तीन करोड़ रुपए आए हैं. यह पैसा सत्येंद्र नाथ त्रिवेदी के बैंक ऑफ इंडिया के खाते में आए हैं. लेकिन सत्येंद्र नाथ त्रिवेदी एसीबी को इन पैसों का हिसाब नहीं दे पाए हैं.

साले व उनकी पत्नी को भी लाखों का भुगतान

इससे पहले एसीबी यह जानकारी जुटा चुकी है कि विनय चौबे के साले शीपीज त्रिवेदी और उनकी पत्नी प्रियंका त्रिवेदी को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की रांची स्थित मेन रोड शाखा से वर्ष 2011 से 2014 के बीच कई बार लाखों रूपए का भुगतान किया गया है. इसके अलावा एजेंसी के हाथ कैश लेनदेन के सबूत भी लगे हैं. जिस अकाउंट में पैसों का लेनदेन हुआ है, उसका नंबर 918010070663782 है.

चौबे की पत्नी को नेक्सजेन से करोड़ों रुपये का भुगतान

इससे पहले यह तथ्य भी सामने आ चुका है कि विनय चौबे के करीबी विनय सिंह की कंपनी नेक्सजेन से कभर विनय चौबे की पत्नी स्वप्ना संचिता को करोड़ों रुपए दिए गए हैं. जिसे कंसल्टेंसी फीस के रूप में दिखाया गया है. उक्त सभी लोगों को एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति से जुड़े केस में नामजद अभियुक्त बनाया है. सभी पर एसीबी ने सोमवार को कांड संख्या 20/2025 दर्ज की है. जिसकी जांच की जा रही है.

एसआईआर के विरोध में 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में देशव्यापी रैली का आयोजन

रांची। कांग्रेस पार्टी ने एसआईआर (सारांशिक मतदाता पुनरीक्षण) के नाम पर पूरे देश में मचे हंगामे के खिलाफ आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में देशव्यापी रैली का आयोजन करने का फैसला किया है. इस रैली में कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे. प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि एसआईआर के नाम पर पूरे देश में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है, जिसमें 16 बीएलओ की जान चली गई है और 6 से अधिक बीएलओ तनाव में आत्महत्या करने को मजबूर हुए हैं. उन्होंने कहा कि एसआईआर कोई सुधार नहीं है, बल्कि यह एक जुल्म है जो सत्ता के संरक्षण में लोकतंत्र की हत्या कर रहा है. सिन्हा ने आरोप लगाया कि अगर चुनाव आयोग की नियत साफ होती, तो लिस्ट डिजिटल सर्चेबल और मशीन रीडेबल होती और चुनाव आयोग 30 दिनों की हड़बड़ी नहीं दिखाता, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान देता. 2 दिसंबर को दिन के 11 बजे से प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यसमिति की बैठक प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में होगी, जिसमें प्रदेश से अधिक से अधिक संख्या में पार्टी कार्यकर्ता की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की जाएगी.

जस्टिस सुजीत प्रसाद ने ओल्ड ऐज होम में मदर टेरेसा क्लिनिक का किया उद्घाटन

रांची, संवाददाता ।

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय विधिक जागरुकता शिविर कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में पिस्का नगड़ी में मदर टेरेसा क्लिनिक का उद्घाटन हाईकोर्ट के न्यायाधीश और झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने किया. इस क्लिनिक का उद्देश्य वृद्धाश्रम के निवासियों को आवश्यक चिकित्सीय सहायता एवं समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है. इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सभी वृद्धाश्रमों को वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जोड़ा गया, जहां संबंधित जिलों के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे. कार्यक्रम में झालसा की सदस्य सचिव रंजना अस्थाना, रांची डीसी एवं ग्रामीण एसपी मौजूद रहे. कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम के निवासियों को सरकारी योजनाओं के लाभों के साथ-साथ स्वेटर, चप्पल, कंबल तथा हियरिंग एड मशीन वितरित किए गए, जिससे उन्हें सर्दी के मौसम में राहत एवं स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित हो सके.

रांची में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार का सबसे बड़ा जनसेवा अभियान सफलतापूर्वक संपन्न

रांची, संवाददाता ।

झारखंड राज्य के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर रांची जिले में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को पूरे जिले में बड़े पैमाने पर जनसेवा शिविर आयोजित किए गए. इन शिविरों में लाखों लोगों ने एक ही जगह पर सरकारी योजनाओं का लाभ लिया. उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे. उन्होंने इसे सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति का उदाहरण बताया.

एक दिन में पूरे जिले में बनी ऐतिहासिक तस्वीर

झारखंड के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित इस कार्यक्रम में जिलेभर के ग्रामीण इलाकों से लेकर शहर के विभिन्न वार्डों तक लोगों की भारी भीड़ उमड़ी. सुबह 10 बजे से शुरू हुए शिविर देर शाम तक चलते रहे. लगभग 20 से अधिक विभागों ने अपनी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराईं. जिला प्रशासन, वरीय अधिकारी, सभी प्रखंड व अंचल अधिकारी पूरे दिन शिविरों में मौजूद रहे और मौके पर ही लोगों की समस्याएं हल कीं.

कहां-कहां लगाए गए शिविर

शिविर जिले के लगभग सभी प्रखंडों और रांची नगर निगम के कई वार्डों में लगे. इनमें अनगड़ा, बेड़ो, बुढ़मू, बुण्डू, चान्हो, ओरमांझी, राहे, रातु, सिल्ली, सोनाहातु, तमाड़ जैसे प्रखंड शामिल थे. शहर में वार्ड 11 से लेकर वार्ड 53 तक कई सामुदायिक भवनों और वार्ड कार्यालयों में शिविर लगाये गये.

शिविर में दी गई सुविधाएं

- बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांग पेंशन की स्वीकृति और वितरण
- सोना-सोभरन धोती-साड़ी-लुंगी योजना के तहत हजारों लोगों को वस्त्र वितरण
- दिव्यांगजन को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र का वितरण
- जाति, आय, आवासीय प्रमाण-पत्र, दाखिल-खारिज, लगान रसीद का तुरंत निपटारा
- आधार-पैन कार्ड बनवाने और सुधार की सुविधा
- प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला गैस, किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के आवेदन और स्वीकृति
- स्वास्थ्य विभाग द्वारा फ्री हेल्थ चेकअप, दवा वितरण और आयुष्मान भारत गोल्डेन कार्ड बनवाना

जन-आकांक्षाओं पर खरी उतरी हेमंत सोरेन सरकार : केशव महतो कमलेश

रांची, संवाददाता ।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार के दूसरे चरण का एक वर्ष जन-सेवा, पारदर्शिता और जवाबदेही के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार ने गांव, गरीब, किसान, महिला और युवा हित में कई अहम फैसले लिए हैं. कमलेश ने बताया कि मंईयां सम्मान योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी मॉडल के रूप में पहचान बनाई है. उन्होंने कहा कि इस योजना ने महिलाओं में सम्मान और आत्मनिर्भरता की नई भावना जगाई है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत दी है. कृषि ऋण माफी से किसानों को आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिली है. उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट है. हाल ही में 10,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं. पिछले एक वर्ष में रोजगार सृजन के प्रयासों में भी तेजी आई है. कानून व्यवस्था को लेकर कमलेश ने कहा कि सरकार अपराध पर अंकुश लगाने में सफल रही है. उन्होंने दावा किया कि झारखंड में संगठित अपराध को जड़ नहीं जमाने दिया गया है और अपराधियों में कानून का भय बढ़ा है. केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र ने झारखंड के 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपये रोक दिए हैं, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि इस राशि का उपयोग स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और सड़क जैसी परियोजनाओं में हो सकता था.

रांची विश्वविद्यालय में दो दिवसीय रुनु झुनु इंटर पीजी डिपार्टमेंट यूथ फेस्टिवल संपन्न

रांची, संवाददाता ।

रांची विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रुनु झुनु इंटर पीजी डिपार्टमेंट यूथ फेस्टिवल का आर्यभट्ट सभागार में संपन्न हो गया. कार्यक्रम में करीब 27 विभागो के विद्यार्थी शामिल हुए. सभी ने अपनी कला का प्रदर्शन किया. इसमें लोक नृत्य, फाइन आर्ट, सांस्कृतिक, रंगोली, संगीत समेत, वाद विवाद समेत अन्य प्रतियोगिता शामिल थे. इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने छात्रों को संबोधित किया. कहा कि जो अपने भीतर सर्वश्रेष्ठ हैं, वही जीवन की दौड़ में असली विजेता बनते हैं. इस फेस्टिवल में शामिल होना ही अपने आप में विजेता होने का प्रमाण है. विद्यार्थियों से मुस्कान को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की.

विश्वविद्यालय की कला और संस्कृति, क्षेत्र की सबसे बेहतरीन संस्कृति

उन्होंने कहा कि 99 प्रतिशत सफलता पाने के लिए चेहरे पर मुस्कान और मन में सकारात्मकता जरूरी है. जब तक जीवन में रुचि जीवित रहती है, तब तक ऊर्जा और उत्साह बने रहते हैं. रुचि खत्म होते ही इंसान समय से पहले बूढ़ा महसूस करने लगता है. 21वीं सदी है. आधुनिक समय में गान, ज्ञान और ध्यानह्न तीनों का समन्वय सफलता का मूल मंत्र है. विश्वविद्यालय की कला और संस्कृति, क्षेत्र की सबसे बेहतरीन संस्कृति है, जो युवाओं को नई दिशा देती है.

टीआरएल संकाय के नागपुरी विभाग ने जीता गोल्ड मेडल

यूथ फेस्टिवल रुनु झुनु 2025-26 में स्नातकोत्तर नागपुरी विभाग के छात्रों ने लोक नृत्य प्रतियोगिता में कढ़सा नृत्य प्रस्तुत किए और प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया. मौके पर नृत्य दल के सभी प्रतियोगियों को रांची विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति प्रो धर्मेन्द्र कुमार सिंह और डीएसडब्ल्यू प्रो सुदेश कुमार साहू ने गोल्ड मेडल व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया. टीम मैनेजर डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो और डॉ रीझू नायक ने कहा कि छात्रों की उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि लगन और अनुशासन से हर मंच जीता जा सकता है.

झारखंड में कार्बन क्रेडिट परियोजना को गति : वन विभाग ने नियमों में किए बड़े बदलाव, किसानों को होगा सीधा लाभ

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए वन विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं. राज्य में हरित क्षेत्र बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि लाने वाली इन परियोजनाओं को अब मूर्त रूप देने की दिशा में विभाग तेजी से काम कर रहा है. कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं के तहत गांवों में बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने को बढ़ावा दिया जाएगा. पेड़ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करते हैं. इससे कार्बन क्रेडिट बनते हैं, जिन्हें बाद में कंपनियों को बेचा जा सकता है. इससे खास तौर पर बिरसा हरित ग्राम योजना के किसानों को अतिरिक्त आय का लाभ मिलेगा. राज्य सरकार ने हाल ही में कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं के लिए तकनीकी एजेंसी के चयन के लिए निविदा जारी की थी. इसके बाद कंपेंसेटरी अफॉरेस्टेशन फंड मैनेजमेंट एंड प्लानिंग अथॉरिटी द्वारा संभावित परियोजनाओं के आकलन के लिए जारी निविदा में कई संशोधन किए गए हैं, जो प्री-बिड क्वेरी के आधार पर तैयार किए गए हैं.

कंसोर्टियम और ज्वाइंट वेंचर को मिली मंजूरी

पहले जारी शर्तों में कंसोर्टियम या ज्वाइंट वेंचर को अनुमति नहीं थी. लेकिन अब वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि दोनों की अनुमति होगी. हालांकि, शर्त यह है कि लीड पार्टनर सभी योग्यताएं पूरी करे और पूरे प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी भी वही संभाले. इसके लिए औपचारिक समझौता पत्र अनिवार्य किया गया है. यह संशोधन बड़े और अनुभवी संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करेगा.

अनुभव से जुड़े मानकों में राहत

कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं से संबंधित अनुभव के मानदंडों में भी ढील दी गई है. अब बोलीदाता के लिए न्यूनतम 2 वर्ष का अनुभव अनिवार्य होगा. इसके साथ ही पहले 5 पंजीकृत परियोजनाएं एक निश्चित अवधि में पूरी करनी होती थीं.

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ी

बिडर्स द्वारा समय मांगने पर विभाग ने निविदा जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है. अब निविदा 11 दिसंबर तक जमा की जा सकती है. जबकि तकनीकी बिड 12 दिसंबर को खोली जाएगी. इससे इच्छुक संस्थानों को तैयारी करने का अधिक समय मिलेगा .इन संशोधनों के बाद उम्मीद की जा रही है कि झारखंड में कार्बन क्रेडिट परियोजनाएं तेजी से धरातल पर उतरेंगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी.

देश में बढ़ते नफरत भरे कैंपेन और इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए सुझाव

29 नवंबर, 2025 को भोपाल में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की एग्जीक्यूटिव काउंसिल की मीटिंग के मौके पर

संवाददाता । रांची

जमीयत उलेमा-ए-हिंद की एग्जीक्यूटिव काउंसिल की यह मीटिंग देश में मुसलमानों के खिलाफ बढ़ती नफरत, इस्लामोफोबिया और भेदभाव पर गंभीर चिंता जाहिर करती है। यह स्थिति न सिर्फ. देश के संवैधानिक सिद्धांतों, बराबरी, सेक्युलरिज्म, धार्मिक आजादी और इंसानी इज्जत का साफ उल्लंघन है, बल्कि देश की एकता, पब्लिक ऑर्डर और सोशल जस्टिस के लिए भी गंभीर खतरा है। अलग-अलग रिसर्च स्टडीज, ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट और जाने-माने अंदरूनी और बाहरी संस्थानों की लिखाई से यह साफ होता है कि पिछले कुछ सालों में मुसलमानों के खिलाफ नफरत पर आधारित हिंसा, भड़काने, नेगेटिव प्रोपेगैंडा, भेदभाव वाला बर्ताव और उनकी पहचान और विश्वासों का सिस्टमैटिक मजाक उड़ाने और बेइज्जती करने में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही, मीडिया और नेता भी माहौल के इस बिगड़ने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसलिए, यह हाउस मांग करता है कि

(1) केंद्र और राज्य सरकारें, कानून लागू करने वाली एजेंसियां, न्यायपालिका और मीडिया रेगुलेटरी संस्थाएं हेट स्पीच और हेट क्राइम को रोकने के लिए एक ठोस पॉलिसी बनाएं और उसे असरदार तरीके से लागू करें।(2) केंद्र और राज्य चुनाव कमिश्नर यह पक्का करें कि जिन पार्टियों की तरफ से चुनाव के दौरान हेट स्पीच दी जाती है, उनका लीगल स्टेटस खत्म कर दिया जाए और ऐसे बयान देने वाले कैंडिडेट का चुनाव कैंसल कर दिया जाए।

(3) सुप्रीम कोर्ट के साफ निर्देशों को ध्यान में रखते हुए, लापरवाही करने वाली एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और ऐसा करने वालों को सजा दी जाए।(4) लॉ कमीशन की सिफारिशों के मुताबिक, धर्म के आधार पर हेट स्पीच और क्राइम को रोकने के लिए एक अलग कानून बनाया जाए और सभी माइनॉरिटी, खासकर मुस्लिम माइनॉरिटी को अलग-थलग करने की कोशिशों को रोका जाए।(5) यह मीटिंग जमीयत उलेमा के नेताओं से अपील करती है कि वे धार्मिक नेताओं, सिविल सोसाइटी, मीडिया और राजनीतिक पार्टियों के साथ मिलकर इस खराब माहौल को खत्म करने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखें और इसे अपनी राष्ट्रीय, नैतिक और सांप्रदायिक जिम्मेदारी समझें।

भोपाल में जमीयत उलेमा-ए-हिंद ऑर्गनाइजिंग कमेटी की अहम मीटिंग

धर्मांतरण कानून, लव जिहाद, इस्लामोफोबिया, वक्फ एक्ट, फिलिस्तीन और यूनिफॉर्म सिविल कोड पर अहम प्रस्तावों को मंजूरी

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रेसिडेंट मौलाना महमूद असद मदनी ने अपने ऐतिहासिक भाषण में कहा कि एक खास वर्ग का दबदबा और मुसलमानों को बेइज्जत करने वाले कदम कभी मंजूर नहीं हैं। सिख गुरु तेग बहादुर की शहादत की सालगिरह पर सिख भाइयों के साथ एकजुटता दिखाई गई। दारुल उलूम देवबंद के प्रमुख समेत देश भर से 10,000 से ज्यादा विद्वानों ने हिस्सा लिया। नई दिल्ली, 29 नवंबर, 2025: जमीयत उलेमा-ए-हिंद की मैनेजमेंट कमेटी की मीटिंग आज बरकतुल्लाह एजुकेशन कैंपस, भोपाल में जमीयत प्रेसिडेंट मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में शुरू हुई, जिसमें वक्फ अमेंडमेंट एक्ट, इस्लामोफोबिया, कथित लव जिहाद, धार्मिक स्कूलों की सुरक्षा, इस्लामिक माहौल में आज की शिक्षा, यूनिफॉर्म सिविल कोड और फिलिस्तीन में चल रहे नरसंहार जैसे जरूरी मुद्दों पर साफ राय रखी गई। मीटिंग में देश भर से मैनेजमेंट कमेटी के 1500 सदस्यों ने हिस्सा लिया। सुबह के पहले सेशन में अपने मुख्य प्रेसिडेंशियल भाषण में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रेसिडेंट मौलाना महमूद असद मदनी ने कहा कि देश के मौजूदा हालात बहुत सेंसिटिव और चिंताजनक हैं।

सीसीएल ने सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गरिमामयी विदाई

संवाददाता । रांची

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय, राँची में आज एक भव्य ॑सम्मान समारोह॑ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवंबर 2025 में मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले 6 कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। साथ ही सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सेवानिवृत्त साथियों को भी उनके-अपने क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में ससम्मान विदा किया गया। सीसीएल मुख्यालय एवं क्षेत्रों से कुल मिलाकर आज 129 कर्मियों को गरिमापूर्ण तरीके से विदाई दी गई।कार्यक्रम के दौरान सीसीएल मुख्यालय में एक शॉर्ट फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने अनुभव, भावनाएँ और यादें साझा कीं। मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के नाम इस प्रकार हैं- अमल कुमार पाठक, मुख्य प्रबंधक (ई एंड एम), ईएंडएम, जेएसएसपीएस विभाग; संजय कुमार सरकार, कार्यालय अधीक्षक, सुरक्षा विभाग; उबोध राम, वरीय डी.ई.ओ., सुरक्षा विभाग; मीना देवी, लिपिक ग्रेड-क्क्क प्रणाली विभाग; मो. आबुल अंसारी, सहायक पर्यवेक्षक, ट्रांसपोर्ट, सामान्य प्रशासन विभाग एवं श्रीमती कारी देवी, सफाई मेट, कल्याण एवं सेवा विभाग। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीईओ, जेएसएसपीएस नवीन कुमार झा उपस्थित रहे। जेएसएसपीएस के सीईओ, नवीन कुमार झा ने अपने संबोधन में कहा कि ॑सीसीएल परिवार के लिए यह अत्यंत गर्व का क्षण है कि हमारे 129 साथियों ने अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और ईमानदारी से कंपनी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हम उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ हैं और जीवन के इस नए अध्याय के लिए अच्छे स्वास्थ्य, सुख और सक्रियता की शुभकामनाएँ देते हैं॑ समारोह में विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, अधिकारीगण, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी सेवानिवृत्तजनों को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

वरदान हॉस्पीटल के सौजन्य से समर्पणदीप बीएड कॉलेज में स्वास्थय जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता । रांची

रातू। वरदान हॉस्पीटल के सौजन्य से शनिवार को समर्पणदीप बीएड कॉलेज में जांच शिविर का आयोजन किया गया। वरदान हॉस्पीटल के डॉ दीपेश दुबे ,वर्षा कुमारी ,सीमा कुमारी,सोनू उरांव के द्वारा विद्यार्थियों के ब्लड सुगर,ब्लडप्रेशर, पल्सरेट हर्ट रेट,ऑक्सीजन लेवल,वजन ,स्वास्थय संबधी जागरूकता, इत्यादि का जांच किया गया। डॉ दीपेश दुबे ने उपचार के लिए सुझाव भी दिए गए। शिविर में लगभग 150 विद्यार्थियों और कॉलेज प्रबंधन समितियों के सदस्यों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों का भी जांच किया गया। मौके पर अध्यक्ष अभिषेक सिंह,सचिव नवल किशोर गुप्ता, विकाश पोद्दार,जितेन्द्र प्रसाद,विशाल सिंह,शैलेन्द्र सिंह, प्राचार्य डॉ दशरथ महतो, सहायक प्राध्यापकों में डॉ आनन्द कुमार भगत, शैलेश कुमार दास, डॉ कुमारी कुसुम, डॉ नमिता साहू,डॉ मधु रंजन,अंकित कुमार, और कन्हाई महतो,दिनेश महतो, शिवराज ,कमलेश महतो,जॉन,सत्यभामा सहित कई अन्य थे। स्वास्थय शिविर को सफल बनाने में डॉ दशरथ महतो और डॉ नमिता साहू का सराहनीय योगदान रहा।

आर्थिक पिछड़े तथा दिव्यांग के लिए निःशुल्क सरकारी नौकरी की तैयारी एनआईबीएम

संवाददाता । रांची

श्री साईं टावर चौथी मंजिल स्थित सर्कुलर रोड रांची ल्लु पिछले 27 वर्षों से झारखंड, बिहार ,पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा के इंटर, स्नातकऔर बीटेक युवा को बैंकिंग ,एसएससी ,रेलवे में सरकारी नौकरी में अंतिम रूप से चयनित होने में मदद करवाते आ रही है तथा समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े तथा दिव्यांग को भी निःशुल्क तथा वह जितना देने में सक्षम है उतना में ही तैयारी करवाते आ रही है ।पूर्व में ऐसे युवा अंतिम रूप से सरकारी नौकरी प्राप्त कर अपने तथा अपने परिवार और समाज को मजबूती प्रदान कर रहे हैं, इसी कार्यक्रम को आगे भी जारी रखते हुए निदेशक श्री एम के गुप्ता ने इस वर्ष भी लगभग ऐसे 125 युवा को तैयारी करवाने की घोषणा की है ।

उन्होंने बताया कि लॉकडाउन के बाद अनेकों युवा ऑनलाइन तथा लाइब्रेरी और घर में बैठकर पिछले चार-पांच साल से तैयारी कर रहे हैं लेकिन उनका किसी कारणवश अंतिम रूप से चयन नहीं हो रहा है उनके लिए भी 2 से 3 महीने का टारगेट कोर्स प्रारंभ की जा रही है जिसमें उनके लेवल से उनको तैयारी करवाई जाएगी कि उनका भी जल्द से जल्द चयन हो जाए ।

इंटर पास और स्नातक युवा के लिए फाउंडेशन कोर्स हिंदी और अंग्रेजी माध्यम में 1 तथा 5 दिसंबर से प्रारंभ की जा रही है। संस्थान के सभी शिक्षक काफी अनुभवी ,परमानेंट है, तथा निदेशक स्वयं मैथ और रीजनिंग का क्लास लेते हैं।

एनआईबीएम की अपनी बिल्डिंग है जहां निशुल्क लाइब्रेरी रीडिंग रूम तथा सभी शिक्षक प्रतिदिन डाउट क्लियर करवाते हैं,

प्रत्येक वर्ष नई मैटेरियल तथा किताब प्रिंट होते हैं,

इच्छुक युवा एनआईबीएम श्री साईं टावर चौथी मंजिल सर्कुलर रोड रांची स्थित कार्यालय में तथा डबल 8825250625 और 9334726278 पर संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

पारस एचईसी हॉस्पिटल रांची में 56 वर्षीय महिला का लिगामेंट रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी कर घुटने की प्रत्यारोपण की जरूरत को टाला

संवाददाता । रांची

रांचीः पारस एचईसी हॉस्पिटल रांची अस्पताल में एक 56 वर्षीय महिला मरीज की आर्थ्रोस्कोपिक पोस्टीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (पीसीएल) रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी कर घुटने प्रत्यारोपण टाला गया। ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. निर्मल कुमार और उनकी टीम ने महिला का सफल सर्जरी कर उसकी महीनों से छिनी गतिशीलता को वापस दिला दी। डॉ निर्मल ने कहा कि महिला की उम्र को देख डॉक्टरों ने नी प्रत्यारोपण कराने की सलाह दिया था। महिला लगातार दर्द, सूजन और घुटने की अस्थिरता से परेशान थी। राज्यभर के कई डॉक्टरों से परामर्श में बताया गया कि उसकी समस्या उम्र और ॑ऑस्टियोआर्थराइटिस॑ से संबंधित है। उपचार न मिलने की निराशा में वह महानगर में इलाज के लिए जाने की तैयारी कर चुकी थी। इसके बाद महिला ने पारस एचईसी हॉस्पिटल में डॉक्टर्स से संपर्क किया। डॉ. निर्मल कुमार ने मरीज को आर्थ्रोस्कोपिक पोस्टीरियर क्रूसिएट लिगामेंट रिकंस्ट्रक्शन की सलाह दी। सर्जरी के बाद मरीज को नई जिंदगी मिल गई है। ऑपरेशन के बाद मरीज के दर्द में भारी कमी आई और घुटने की स्थिरता में सुधार देखा गया।डॉ निर्मल ने कहा कि जब वह मेरे पास आई, वह भावनात्मक रूप से टूट चुकी थी। कई दवाएं ले चुकी थीं। फिजियोथेरेपी करा चुकी थीं, लेकिन कोई सुधार नहीं था। उम्र किसी भी मरीज के सही उपचार में बाधा नहीं बननी चाहिए। 50 के उम्र के बाद हर घुटने का दर्द ऑस्टियोआर्थराइटिस नहीं होता। कई मामलों में सही निदान ही बदलाव ला सकता है। डॉ निर्मल ने आम लोगों से अपील किया है कि चोट के बाद 1झ2 सप्ताह में दर्द या सूजन में सुधार न होने पर विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें। सही समय पर सही निदान कई अनावश्यक पीड़ाओं को रोक सकता है। मरीज ने कहा कि कई महीनों से दर्द और भ्रम में जी रही थी कि अब मेरा इलाज नहीं हो पाएगा। लेकिन पारस हॉस्पिटल एचईसी में आकर मेरा सफल सर्जरी की गई है।पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हॉस्पिटल में आथोर्पेडिक से संबंधित सभी प्रकार के बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। यह केस भी पारस हॉस्पिटल के लिए एक चुनौती था, लेकिन अनुभवी और विशेषज्ञ डॉक्टरों ने इसका सफल इलाज कर उस महिला को एक नई जिंदगी दी है।

झारखंड के औद्योगिक भविष्य, संसाधन नीति और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर सार्थक संवाद वित्त आयोग के साथ झारखंड के मुद्दों पर बैठक सुनिश्चित करेंगे : सुरेश प्रभु

संवाददाती

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आज चैम्बर भवन में आयोजित विशेष सत्र में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सुरेश प्रभु बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों ने झारखंड की आर्थिक दिशा, प्राकृतिक संसाधनों और नीतिगत प्राथमिकताओं पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। संगोष्ठी का संचालन चैम्बर की कार्यकारिणी सदस्य पूजा ढाढा द्वारा किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन के दौरान चैम्बर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि झारखंड चैंबर यह दृढ़ता से मानता है कि पूर्वी भारत के विकास का समय अब है। पारदर्शी नीतियों, उद्योगझ्रसरकार समन्वय, आधारभूत संरचना में तेजी से सुधार और संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग से यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन बनेगा। हम केन्द्र और राज्य सरकारों से आग्रह करते हैं कि झारखंड के विकास मॉडल को ईस्टर्न ग्रोथ कॉरिडोर की दृष्टि से प्राथमिकता दें ताकि यहां के उद्योग, खनन, एमएसएमई, स्टार्टअप और सेवा क्षेत्र राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में अग्रणी भूमिका निभा सकें।प्रख्यात अर्थशास्त्री अयोध्या नाथ मिश्र ने झारखंड की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के सामने चुनौतियाँ तो हैं परंतु अवसर कहीं अधिक बड़े हैं। औद्योगिक विकास, क्षेत्रीय समन्वय, रोजगार सृजन, और संसाधनों के न्यायपूर्ण उपयोग पर ध्यान देकर राज्य की विकास गति को तेज किया जा सकता है।झारखण्ड के पूर्व सांसद राज्यसभा महेश पोद्दार ने चिंता जताई कि देश में तकनिकी रूप से काफी प्रयास हो रहे हैं। नई इकनोमिक महत्व काफी बढ़ गया है और हम-घूम फिरकर 40 प्रतिशत मिनरल पर आ जाते हैं, जिसका महत्व कम होते जा रहा है। जिसे वैल्यू एडिशन की दरकार है। यहाँ माननीय मुख्यमंत्री ने 2050 तक विकसित झारखण्ड की बात की, जिसका स्वागत है। वहीं प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है। दोनों में कोई खास अंतर नहीं किंतु देश की वृद्धि दर से करीब-करीब झारखण्ड की भी वृद्धि दर होनी चाहिए। और पीछे जो हम पिछड़ गए हैं उसे ध्यान में रखते हुए उससे तेजी से आगे बढ़ना पड़ेगा तभी देश के साथ हम कदमताल कर पाएंगे नहीं तो हम पीछे रह जायेंगे।

ब्रीफ न्यूज

चप्पे-चप्पे पर रांची पुलिस का सख्त पहरा, आईजी व एसएसपी ने की स्टेडियम में ब्रीफिंग

संवाददाता ।

रांची : जेएससीए स्टेडियम में होने वाले इंडिया-साउथ अफ्रीका मैच को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। चप्पे-चप्पे पर रांची पुलिस का सख्त पहरा है। बिना जांच पड़ताल के स्टेडियम में प्रवेश पर पूर्ण रोक है। 6 आईपीएस, 15 डीएसपी और 30 से ज्यादा थानेदार सुरक्षा में तैनात है। वहीं, झारखंड की एटीएस समेत केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती हुई है। शनिवार की देर शाम स्टेडियम परिसर में आईजी मनौज कौशिक, एसएसपी राकेश रंजन समेत अन्य अधिकारियों ने पदाधिकारी व जवानों को ब्रीफिंग दी। इस दौरान सभी को बताया गया कि सुरक्षा के मद्देनजर किन-किन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निगरानी रखनी है। वहीं, किन-किन महत्वपूर्ण जगहों पर विशेष सर्तकता बरतनी है। ड्युटी के दौरान लापरवाही बरतने वाले पुलिस पदाधिकारी व कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई भी होगी।

महिला से धोखाधडी कर एटीएम बदल 40 हजार की निकासी- काठीटांड स्थित एसबीआई के एटीएम पर रहती है पराधियो की नजर

संवाददाता ।

रातू। थाना क्षेत्र के काठीटांड स्थित एसबीआई के एटीएम में पैसा निकालने गई महिला बिमला देवी पति नेहरू लाल आमटांड रोड निवासी का एटीएम कार्ड बदल दो अपराधियो ने 40,000 रुपए की निकासी कर ली। इस संबंध में पीडित महिला बिमला देवी ने शनिवार को रातू थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार विवाह समारोह में जाने को लेकर बिमला देवी काठीटांड स्थित एसबीआई एटीएम में पैसा निकालने गई। इसी दौरान दो युवको ने एटीएम में प्रवेश किया और उसकी आंखो में धुल झोकते हुए उसका एटीएम कार्ड बदल लिया जिसकी उसे जानकारी तक नही हो पाई। एटीएम बदले जाने की जानकारी बिमला देवी को तब हुई जब उसके मोबाईल पर पैसा निकासी का मैसेज आया, जांच करने पर पता चला कि मेरा एटीएम कार्ड बदल गया है जिसका मुझे पता तक नही चला। दोनो अपराधियो ने काठीटांड के ही युनियन बैंक के एटीएम से 40,000 रुपए की निकासी कर फरार हो गए। रातू पुलिस मामले की जांच कर रही है।एसबीआई के एटीएम में अक्सर होता है घटना - काठीटांड स्थित एसबीआई के एटीएम में अक्सर इस तरह की घटना को अंजाम दिया जाता है। लेकिन अभी तक सुरक्षा को लेकर कोई व्यवस्था नही की गई है। जिसका फायदा अपराधी तत्व अक्सर उठा रहे है। इसके बावजुद एटीएम में कोई सुरक्षा नही रहती है। एटीएम में कोई सुरक्षा गार्ड नही रहता है।

तम्बाकू का असली काम-आज स्वाद जायेगा कल आवाज भी, हो जायें सावधान। जिला परामर्शी

संवाददाता ।

बेरमो /शनिवार को डा0 अभय भूषण प्रसाद सिविल सर्जन बोकारो के आदेशानुसार प्री0एम0 श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय धवैया, गोमिया बोकारो में तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को तम्बाकू से होने वाले जनित रोगों से अवगत कराया गया।सोशल वर्कर छोटेलाल दास ने सभी बच्चों को बताया कि चबाने वाला तम्बाकू का असली काम जीभ को सुन्न करने और गला जलाने का है। इसका ज्यादा उपयोग से आज स्वाद जायेगा कल आवाज भी जायेगी। यदि कोई बच्चा तम्बाकू का उपयोग करता है तो तम्बाकू छोडने के लिये तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र या अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क करें और परामर्शी सेवा के साथ साथ तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ लें। स्कूल प्राचार्य ने अपने सम्बोधन मे बच्चों को बताया कि तम्बाकू का उपयोग से कैंसर, टीबी, अस्थमा, उच्च रक्तचाप एवं अलसर जैसे घातक बीमारियां होती हैं। हम सभी बच्चों को सलाह देंगे कि जिन्दगी जियें भरपूर, गुटखा-खैनी की लत से रहें दूर। आज ही पहला कदम उठायें और तम्बाकू छोड नई जीवन की शुरूआत करें। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य के साथ स्वास्थ्य विभाग के सोशल वर्कर छोटेलाल दास, दन्त सहायक विक्की कुमार एवं विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

रेलवे के 400 मीटर सड़क निर्माण को लेकर अध्यक्ष इफ्तेखार महमूद की डीआरएम कार्यालय में विस्तृत वार्ता।

संवाददाता ।

बेरमो /गोमिया बैंक मोड़ मुख्यपथ से रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क के निर्माण को लेकर लंबे समय से स्थानीय जनता द्वारा उठाई जा रही मांग अब मूर्त रूप लेती दिखाई दे रही है। इसी विषय पर रेल यात्री कल्याण संघ के अध्यक्ष एवं झारखंड आंदोलनकारी इफ्तेखार महमूद ने पूर्व मध्य रेल, धनबाद मंडल के वरीय मंडल अभियंता (सीनियर डिविजनल इंजीनियर) श्री सोनू कुमार से मंडल कार्यालय, धनबाद में विस्तृत वार्ता की।श्री महमूद ने वार्ता के दौरान स्टेशन तक जाने वाली सड़क की बदहाल स्थिति को विस्तारपूर्वक रखा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अपने हिस्से की सड़क का निर्माण कराने में निरंतर गंभीर रहती है, लेकिन रेलवे के अधीन आने वाले लगभग 400 मीटर सड़क का निर्माण नहीं होने से पूरे मार्ग की स्थिति जर्जर हो चुकी है। इस कारण स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों, कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बारिश के दिनों में यह सड़क और भी खतरनाक हो जाती है।उन्होंने यह भी कहा कि गोमिया रेलवे स्टेशन की उपयोगिता और यातायात पूरी तरह इसी सड़क पर निर्भर है। टिकट बुकिंग काउंटर, स्टेशन का मुख्य कार्यालय,

उपायुक्त आदित्य रंजन ने आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र का किया निरीक्षण

सदर अस्पताल का कुपोषण उपचार केंद्र आदर्श और उत्कृष्ट हो इसी प्राथमिकता के साथ कार्य किया जा रहा है : उपायुक्त

❖सदर अस्पताल परिसर में आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) नए रंग रूप में तैयार

धनबाद, संवाददाता

सिविल सर्जन कैंपस में निर्मित सदर अस्पताल के आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) अपने नए रंग रूप में बनकर तैयार है। नव निर्मित आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) का उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने निरीक्षण किया। सदर अस्पताल में फिलहाल एक कमरे में 10 बेड का एमटीसी चल रहा था। उपायुक्त आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार इसका विस्तार कर एनसीडी बिल्डिंग में 14 बेड का आदर्श एमटीसी तैयार किया गया है।

वहां बेड से लेकर बच्चों के इलाज और मनोरंजन की तमाम व्यवस्था की गई है। उपायुक्त ने कहा कि राज्य के साथ देशभर में कुपोषण की समस्या जटिल है, जिसको लेकर राज्य तथा केंद्र सरकार द्वारा कुपोषण उपचार केंद्र चलाया जाता है। धनबाद सदर अस्पताल का कुपोषण उपचार केंद्र उत्कृष्ट हो यही प्राथमिकता है ताकि यहां जो बच्चे और उनके माता पिता आए वो यहां रहना चाहे। सामान्यतः देखा जाता है कि बहुत ही दबाव देकर बच्चों को लाया जाता है वो भी पूरी डोज लिए बिना डिस्चार्ज कराकर चले जाते है, जिससे कुपोषण के चक्र में फस जाते है। इसलिए हम आकर्षक कुपोषण उपचार केंद्र MTC बनाने का प्रयास कर रहे हैं जिसमे मॉड्यूलर किचेन है ताकि साफ - सफाई का ध्यान रखा जाए। सभी चीजें व्यवस्थित हो और बच्चों के पोषण से संबंधित खाना बना सके। साथ ही साथ पूरे क्षेत्र को बच्चों से संबंधित (चाइल्ड फ्रेंडली)चिजो (खेल कुद, शिक्षा, आदि) में डेवलप किया गया है ताकि बच्चो का मन लगे। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन यहां उनका ग्रोथ रेट देखा जाएगा।

आने वाले समय मे यह आदर्श कुपोषण केन्द्र पूरे राज्य के लिए बनेगा इस सोच के साथ कार्य किया जा रहा है। जिला के बाकि कुपोषण केन्द्र को भी इसी तरह सुदृद्ध किया जाएगा। मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक विश्वकर्मा, सदर उपाधीक्षक डॉक्टर संजीव कुमार डीएमएफटी की टीम, भवन प्रमंडल की टीम मौजूद रही।

सीआईएसएफ को मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन (RSO) बनाए जाने से देश के बंदरगाह सुरक्षा तंत्र को मिली मजबूती : सहायक कमांडेंट एस प्रतीक

धनबाद, संवाददाता

सीआईएसएफ यूनिट डीवीसी मैथन के सहायक कमांडेंट एस. प्रतीक ने बताया कि भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय जहाज तथा बंदरगाह सुविधा सुरक्षा कोड (ISPS Code) के तहत देश के बंदरगाहों की सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) को मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन (Recognized Security Organization – RSO) घोषित किया है। यह कदम सरकार की उस राष्ट्रीय दृष्टि के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत बंदरगाह आधारित विकास और ब्लू इकोनॉमी को देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख माध्यम बनाने की परिकल्पना शामिल है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय देश के बंदरगाह सुरक्षा संरचना को आधुनिक, सक्षम और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। सितंबर 2024 में सीआईएसएफ और डीजी शिपिंग की संयुक्त समिति द्वारा देश के विभिन्न बंदरगाहों की सुरक्षा स्थिति का विस्तृत अध्ययन और विश्लेषण किया गया था। समिति ने सरकार को बंदरगाह सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए थे।

नई जिम्मेदारी के अंतर्गत सीआईएसएफ—

बंदरगाहों का सुरक्षा मूल्यांकन करेगी, बंदरगाह मंत्रालय, शिपिंग एवं जलमार्ग मंत्रालय के निदेर्शानुसार सभी बंदरगाहों के लिए बंदरगाह सुविधा सुरक्षा योजना तैयार करेगी, छोटे बंदरगाहों में मौजूद कमजोर एवं गैर-मानक सुरक्षा इंतजामों को दूर कर, एक सक्षम एवं विशिष्ट सुरक्षा एजेंसी द्वारा मानक आधारित निगरानी तंत्र सुनिश्चित करेगी। सरकार की यह पहल देश के बंदरगाह सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा समुद्री सुरक्षा, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय हितों को नई मजबूती प्रदान करेगी।

विद्यार्थियों ने कृषि विज्ञान केंद्र का शैक्षणिक परिभ्रमण किया

धनबाद, संवाददाता

मदर टेरेसा उच्च विद्यालय के 40 विद्यार्थियों ने कृषि विज्ञान केंद्र का शैक्षणिक परिभ्रमण किया। गाइड के रूप में वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ अनिल कुमार और डॉक्टर कालमोनी रजक विद्यालय की ओर से कुंदन उनके गाइड थे। विद्यार्थियों ने उक्त कृषि वैज्ञानिक के निर्देशन में खेती करने फल फूल लगाने आदि के बारे में सीखा, मिट्टी की उपयोगिता और फसल लगाने के पहले मिट्टी की जांच फसल का चयन अच्छे बीज एवं पौधे का चयन, खाद उर्वरक, जैविक खाद आदि के बारे में जानकारी दी गई। डॉ अनिल कुमार के अनुसार कृषि अब केवल भरण पोषण का माध्यम नहीं बल्कि स्वर और घर एवं कृषि उद्योग का रूप ले रहा है। इसके लिए छात्राओं को आगे आना होगा, रोजगार के लिए अन्य विषयों की तरह कृषि को चुनना होगा, जिसमें रोजगार तथा लाभ की अपार संभावनाएं हैं। इसमें जैस्मिन, आरोही, प्रियंका, रिया प्रमाणिक, कोमल, अर्पिता, तथा अरशद, अनुभव, अभय, साहिल, भानु, अमन आदि थे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राधेश्याम प्रसाद ने विद्यार्थियों को कृषि के माध्यम से देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग उधम विकास बोर्ड के द्वारा दिया गया प्रशिक्षण प्रमाणपत्र

बोकारो, संवाददाता

मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उधम विकास बोर्ड इकाई बोकारो सह आकाश गंगा वेलफेयर सोसाइटी नर्रा के सौजन्य से उद्योग विभाग द्वारा संचालित कौशल उन्नयन योजना के तहत 25 दिवसीय बांस शिल्प कारीगरों को प्रशिक्षण चंद्रपुरा प्रखंड के तेलो पूर्वी पंचायत के दांदूडीह गांव में प्रशिक्षण एजेंसी रांची सीसीडीएस मो0 अब्दुल के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण का 25 दिन पूरे होने के पश्चात दांदूडीह गांव में कार्यक्रम आयोजित कर 25 प्रशिक्षित बांस के कारीगरों को प्रशिक्षित प्रमाण पत्र बोकारो जिला

चुरामन ठाकुर, तेलो पूर्वी पंचायत उप मुखिया कलावती कुमारी, सीसीडीएस के अब्दुल मसीर अंसारी ने वितरण किया गया। इस दौरान बांस के करीगरों द्वारा बनाई गई क्राफ्ट का भी प्रदर्शन किया गया। यहां जिला उद्यमी समन्वयक किशोर कुमार रजक ने कहा की दांदूडीह में 25 दिवसीय बांस शिल्प का प्रशिक्षण देकर हुनरमंद बनाने का कार्य किया गया। अब ये लोग बांस से बने सोफा सेट, टी ट्रे, फ्लावर पोर्ट, पेन स्टेन, डोलची, होम डेकोरेट समेत कई समान बनाने है जो बाजार में काफी मांग है। बैकवर्ड फॉरवर्ड लिंकेज के तहत सीडीएस एजेंसी द्वारा इन्हें जल्द ही वर्क आर्डर का कार्य दिया जाएगा। साथ ही कहा की बांस के समान बना कर अपना परिवार का जीविकोपार्जन भी सही से चला सकते है। वही आकाश गंगा वेलफेयर सोसायटी के सचिव चुरामन ठाकुर ने कहा कि विभाग की ओर से सभी को प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया गया है इसका आगे भी आपलोग जारी रखकर अच्छी कमाई कर सकते है। बांस से बना समानों को बाजार में अभी काफी मांग से इस लिए सभी लोग एक ग्रुप बना कर बड़े पैमाने पर करने का कार्य करे ताकि सभी का घर परिवार सही से चल सके। साथ ही जब भी आप लोगो को मदद की जरूरत होगी पूरा टीम साथ मिलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में रंजीत महली, रवि महली, राधे श्याम महली, कांती देवी, पूनम देवी, प्रियंका देवी, गुड़िया देवी, सुनीता देवी, सरिता देवी, का अहम योगदान रहा।

मनईटॉड़ में आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्वस्थ उपकेंद्र का नया भवन का उद्घाटन

आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्वस्थ उप केंद्र का नया भवन का हर्ष उल्लास से उद्घाटन मनईटॉड़ बस्ती भोक्ता मंदिर वार्ड संख्या 30 में किया गया , उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप मे निवर्तमान पार्षद निर्मला देवी, सदर मेडिकल अधिकारी अनीता चौधरी, झामुमो के वरिष्ठ नेता बलराम महतो एवं माले नेता राणा चट्टराज ने किया, इस अवसर पर संयुक्त रूप से सभी ने कहा कि स्वास्थ्य उप केंद्र नया भवन मिलने से यहां के आसपास के लोगों को इलाज के लिए दूसरे जगह जाने की जरूरत नहीं पड़ेगा,साथी साथ महिलाओं के जानकारी दिया गया कि गर्भवती महिलाएं शुरू से यहां इलाज कराए ताकि सरकारी सुविधा एवं स्वस्थ संबंधित योजनाओं का लाभ मिले, उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संगीता कुमारी महतो, मुकेश महतो,सप्पू महतो, शीला रानी, रेखा कुमारी,, रूप सिंहा, रेखा देवी, उषा रजक, अंजुला देवी, गायत्री देवी, सनी देवी, धनंजय महतो, बड़े महतो, भोला पंडित आदि लोग शामिल थे।

सिजुआ क्षेत्र की प्रज्वला महिला समिति ने कुष्ठ रोगियों के बीच वितरित की पौष्टिक सामग्री

धनबाद। दीक्षा महिला मंडल की अध्यक्षा अर्चना अग्रवाल, पूर्वीर्ता रमैया, रंजना सिंह, संचिता रॉय और नेहा दास के दिशा-निर्देशन में प्रज्वला महिला समिति, सिजुआ क्षेत्र द्वारा तेतुलियाटांड़ स्थित कुष्ठ अस्पताल में 10 कुष्ठ रोगियों के बीच विभिन्न पौष्टिक सामग्रियों का वितरण किया गया। समिति द्वारा हॉर्लिक्स 1 किलो, सेव 1 किलो, संतरा 1 किलो, केला और ब्रिटानिया बिस्किट आदि सामग्री रोगियों को उपलब्ध कराई गई। शर्मिष्ठा चक्रवर्ती ने कहा कि समिति हमेशा समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्गों के हित में कार्य करती है। समिति का उद्देश्य केवल सहायता उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज के गरीब, असहाय और अंतिम व्यक्ति में आत्मनिर्भरता एवं स्वावलंबन की भावना को मजबूत करना है। पौष्टिक सामग्री प्राप्त कर रोगियों ने प्रज्वला महिला समिति, सिजुआ क्षेत्र की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में वासवति कुंडू, ज्योति रेखा, बनोश्री नंदा, बबीता दास, कविता सिन्हा, अपर्णा चौधरी, रोशनी अंसारी और रीना मित्रा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन में व्यापक सुधार लाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन आवासीय पठन-पाठन कार्यक्रम की करेगी शुरूआत

कोडरमा, संवाददाता

कोडरमा : आगामी माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में कोडरमा जिला के छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन में व्यापक सुधार लाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन कोडरमा द्वारा आवासीय पठन-पाठन कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। इसी क्रम में बिरसा सांस्कृतिक भवन में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपायुक्त ऋतुराज, उप विकास आयुक्त रवि जैन तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम विशेष रूप से उपस्थित थे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्यों एवं इसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा कवच योजना के तहत लगभग 200 छात्र-छात्राओं को 45 दिनों का आवासीय पठन-पाठन प्रदान किया जाएगा। इसके लिए विद्यार्थियों की चयन परीक्षा (टेस्ट) ली गई, जिसके आधार पर चयनित विद्यार्थियों को इस आवासीय व्यवस्था में शामिल किया जाएगा। आवासीय शिक्षण कार्यक्रम के तहत कक्षा 10वीं के सभी विषयों की तथा कक्षा 12वीं के गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान, कंप्यूटर सहित अन्य विषयों की नियमित कक्षाएं संचालित की जाएंगी। इस दौरान उपायुक्त ऋतुराज ने उपस्थित विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को शैक्षणिक रूप से मजबूत बनाने तथा बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों से कार्यक्रम का पूर्ण लाभ उठाने और अनुशासन, समर्पण एवं निरंतरता के साथ अध्ययन करने का आग्रह किया।

कांग्रेस प्रवक्ता बनने का सुनहरा अवसर शुरू हुआ नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम : डा .तौसिफ

पलामू, संवाददाता

कांग्रेस पार्टी संविधान, लोकतंत्र और न्याय के मूल्यों को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी पहल 'नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम' लॉन्च कर रही है। इस कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस एवं संविधान की विचारधारा में दृढ़ विश्वास रखने वाले ऊजार्वान और प्रतिभाशाली नागरिकों को कांग्रेस पार्टी का आधिकारिक प्रवक्ता बनने का अवसर प्रदान किया जाएगा। उक्त बातें डॉ. एम. तौसीफ ने शनिवार को कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी में नई सोच, नई ऊर्जा और नई प्रतिभा को प्रवक्ता मंच प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए गूगल के माध्यम से 5 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन जमा करना अनिवार्य है। जबकि 11 दिसंबर को क्षेत्रीय स्तर पर स्क्रीनिंग तथा 16-17 दिसंबर को व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया जाएगा। इसके बाद 20 दिसंबर को प्रदेश स्तर पर साक्षात्कार आयोजित होगा, जिसमें सफल अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी उम्र के महिला-पुरुष आवेदन कर सकते हैं, जिनमें प्रखंड, जिला, क्षेत्रीय और प्रदेश स्तर से लेकर राष्ट्रीय मंच पर पार्टी की विचारधारा और जनहित के मुद्दों को मजबूती से रखने की क्षमता हो। मौके पर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चंद्रशेखर शुक्ला, पलामू कांग्रेस के जितेंद्र कमलापुरी तथा गोपाल सिंह उपस्थित थे।

किसी भी इंसान का भाग्य खुद नहीं बनता वह उसे अपने कर्म से बनाता है : स्वामी रणजीत साहेब

कोडरमा, संवाददाता

जिले के डोमचांच प्रखंड ढाब रोड स्थित देवी मंडप धर्मशाला में संत कबीर के अनुयायियों के द्वारा आध्यात्मिक ज्ञान यज्ञ महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संत कबीर राष्ट्र निर्माण संघ के अध्यक्ष स्वामी रणजीत साहेब रहे उन्होंने अपने प्रवचन के माध्यम से मनुष्य के काम और उसके फल पर चर्चा करते हुए बताए की किसी भी इंसान का भाग्य कोई खुद नहीं बनाता है वह अपने कर्म से अपना भाग्य बनाता है। इस लिए इंसान को अपने कर्म अच्छे रखने चाहिए ताकि वह अपने दिल में बसे ईश्वर को यह विश्वास दिला सके कि वह अच्छे कर्म कर रहा है जिसका अच्छे फल मिलेंगे। वही छत्तीसगढ़ से आई साध्वी शिखा साहेब जी ने गीता जैसे ग्रन्थ का ब्याख्यान करते हुए बताई कि इस धरती पर मनुष्य भगवान की तलाश में दर दर भटक रहा है मंदिर मंदिर भटक रहा है परन्तु जिसे वह मंदिर में तलाश कर रहा है वह मनुष्य के हृदय में विराजमान है। गीता में कृष्ण ने कहा है कि मैं तुम्हारे अंदर हु अर्जुन मै बाहर नहीं हुँ। इस लिए हमें अन्दर से झांको और तुम अपने कर्म पर अडिग रहो। वहीं उन्होंने इंसान को अपने अंदर के झरोखे से झांकने की जरूरत है जहां ईश्वर आत्म रूप में जीव रूप में राम के रूप में विराजमान है। इस लिए तो व्यक्ति के शरीर से जीव के निकलने पर राम नाम सत्य का उच्चारण किया जाता है। क्योंकि जो सत्य है। वह ही राम है। जिसे समझने की जरूरत है। सत्संग सभा में डोमचांच के आस पास से प्रवचन प्रेमी के अलाव गया, गिरिडीह, अन्य क्षेत्र से लोग शामिल हुए और ज्ञान यज्ञ महोत्सव में शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में कौशल्या दासी, उर्मिला कुमारी, अशोक साहेब, गणेश साहेब, अर्जुन साहेब, कुंती साहेब, सहित कबीर पंथ के अनुयाई सैकड़ों की संख्या में मौजदू रहे।

कसमार थाना कांड 65/25 में मुख्य अभियुक्त शाहिद अफरीदी गिरफ्तार

बोकारो, संवाददाता

कसमार थाना कांड संख्या 65/25 के प्राथमिक अभियुक्त शाहिद अफरीदी, पिता साफिरुल हक, ग्राम जंगी, थाना गोला, जिला रामगढ़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद थाना पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कांड में मुख्य आरोपित होने के कारण पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयासरत थी। गिरफ्तारी के साथ ही मामले के अनुसंधान में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। पुलिस का कहना है कि आगे की कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत जारी रहेगी।

डीएमएफटी परिषद बैठक में योजनाओं की समीक्षा, सर्वे, पारदर्शिता और अनुमोदन पर जोर

बोकारो, संवाददाता

शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) सभागार में शनिवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट न्यास परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त सह परिषद अध्यक्ष श्री अजय नाथ झा ने की। इस अवसर पर पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद, सांसद गिरिडीह चंद्रप्रकाश चौधरी, सांसद धनबाद ढुलू महतो, विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक, विधायक बेरमो जय मंगल सिंह, विधायक बोकारो श्वेता सिंह, विधायक डुमरी जयराम कुमार महतो, विभिन्न प्रखंड प्रमुख,

मुखिया एवं जिले के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला खनन पदाधिकारी सह डीएमएफटी प्रभारी रवि कुमार ने किया। बैठक में सांसदों व विधायकों ने पूर्व में डीएमएफटी योजनाओं में नियमों की अनदेखी की बात उठाई। इस पर उपायुक्त ने कहा कि सभी पुराने कार्यों की जांच/ ऑडिट/ सीएजी ऑडिट/ सोशल इम्पैक्ट ऑडिट कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट में प्राप्त तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य निष्पादन पूरी तरह नियमझअनुसार होगा, और गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी पर दंडात्मक कार्रवाई तय है।

उपायुक्त ने बताया कि डीएमएफटी राशि का उपयोग केवल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खनन प्रभावित क्षेत्रों में ही किया जाएगा। जिस क्षेत्र से जिस अनुपात में राजस्व संग्रहित हुआ है, उसी अनुपात में राशि व्यय की जाएगी। बैठक में जन प्रतिनिधियों ने अनुरोध किया कि रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया जाए कि कौन सी योजना किस जन प्रतिनिधि द्वारा अनुशंसित है। उपायुक्त ने कहा कि 15 दिनों में पूरी जानकारी उपलब्ध करा दी जाएगी तथा अगली बैठक से यह विवरण रिपोर्ट में अनिवार्य रूप से शामिल रहेगा। सरकारी दिशाझनिर्देश के अनुसार प्रभावित पंचायतों/गांवों का बेसलाइन सर्वे कराने और अगले पांच वर्षों का प्रॉस्पेक्टिव प्लान तैयार करने पर सहमति बनी।

बाल अधिकार और बाल विवाह रोकथाम पर सहयोगिनी संस्था का जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बोकारो, संवाददाता

कसमार प्रखंड के हाई स्कूल टांगटोना में सहयोगिनी संस्था द्वारा बाल अधिकार, बाल विवाह और बाल हिंसा से जुड़े कानूनों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बच्चों, किशोरियों और महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं, जेंडर समानता और हिंसा रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया। संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि कसमार प्रखंड के चार पंचायतों के 19 गांवों में किशोरी और युवा महिला समूह बनाकर नेतृत्व क्षमता विकसित की जा रही है। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास

किया जा रहा है। प्रधानाध्यापक विनोद कुमार महतो ने छात्रों को मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी तथा बेटी बचाओझबेटी पढ़ाओ पर विशेष जोर दिया। एनिमेटर रेखा देवी ने किशोरियों में जीवन कौशल व नेतृत्व क्षमता विकसित करने की पहल पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बाल विवाह के दुष्परिणामों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मौके पर शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

महागठबंधन विधायक दल की बैठक में लगी मुहर, तेजस्वी बने नेता प्रतिपक्ष

पटना (एजेंसी): राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव 18वीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। राजद और महागठबंधन के विधायक दल की बैठक में तेजस्वी यादव के नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगा दी गई। शनिवार को एक पोलो रोड में हुई बैठक में राजद, कांग्रेस और वाम दलों के विधायकों ने एक स्वर से तेजस्वी को अपना नेता माना। तय हुआ कि विपक्ष की संख्या भले ही कम है, लेकिन जनहित के मसले पर मजबूती से सदन में आवाज उठाएंगे। लोगों की भलाई के लिए विपक्ष मजबूती से सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगा। एक दिसम्बर को विधानमंडल का सत्र शुरू होने से पहले तेजस्वी यादव के आवास पर महागठबंधन के विधायकों और प्रमुख नेताओं की बैठक हुई। इस मीटिंग में भाग लेने के लिए तेजस्वी यादव शनिवार को दिल्ली से पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर मीडिया कर्मियों ने उनसे कई सवाल पूछे पर तेजस्वी यादव ने कोई उत्तर नहीं दिया। वे सीधे बैठक के लिए रवाना हो गए। विधानसभा चुनाव में हार पर कांग्रेस और राजद में तकरार के बीच तेजस्वी यादव को विपक्ष का नेता चुन लिया गया। राजद के साथ कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के नेताओं ने तेजस्वी के नाम पर मुहर लगा दी। इस बार के चुनाव में पूरा विपक्ष 35 सीटों पर सिमट गया। इनमें 25 विधायक राजद के तो 6 विधायक कांग्रेस के हैं। वाम दलों के चार विधायक हैं। सदन में इनकी उपस्थिति बहुत कमजोर रहने वाली है क्योंकि एनडीए के पास 202 विधायकों की ताकत है। बैठक में कहा गया कि संख्या बल कम होने के बावजूद विपक्ष जनता और जनहित के मुद्दों को सदन से सड़क तक संघर्ष करेगा। शीतकालीन सत्र में सरकार को घेरने की पूरी तैयारी की जा रही है। माले विधायक अजय कुमार ने बताया कि विपक्ष संगठित होकर सरकार की गलत नीतियों का विरोध करेगा। विपक्ष हमेशा रचनात्मक विरोध करेगा। राजद के भाई वीरेंद्र ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों का विरोध पूरी मजबूती से किया जाएगा। संख्या कम है लेकिन मनोबल कम नहीं है।

फंदे से लटके मिले मासूम भाई-बहन, जाँच में जूटी पुलिस

कैमूर (एजेंसी) : बिहार में कैमूर के चैनपुर थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर बधार में खेत के बीच बनी झोपड़ी में 12 वर्षीय सुधार कुमार और उसकी 10 वर्षीय बहन शिवानी कुमारी फंदे से लटके मिले हैं। शिवानी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुधार को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। ये दोनों बच्चे हरगांव निवासी धुरबीगन राजभर के थे। पिता के अनुसार शिवानी धान की बाल चुनने इस्माइलपुर के सिवान गई थी। देर तक घर न लौटने पर छोटा भाई सुधार उसे ढूंढने गया। काफी देर तक दोनों के न लौटने पर परिजन और ग्रामीणों ने तलाश शुरू की तो झोपड़ी में दोनों फंदे से लटके मिले। शिवानी को चांदौली अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया और वहीं उसका पोस्टमार्टम कराया गया। जबकि सुधार को भभुआ लाया गया, लेकिन उसकी भी मौत हो गई। उसका शव भी पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेजा गया है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मौत की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं है और हर एंगल से जांच की जा रही है। चैनपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

अनियंत्रित ट्रक ने दो परिवारों के घरों को तोड़ा, छात्र समेत कई लोग घायल

सहरसा (एजेंसी) : सहरसा जिले के सुलिंदाबाद क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक भयानक सड़क हादसे ने स्थानीय लोगों की नींद उड़ा दी। जानकारी के अनुसार, जिले में तेज रफ्तार से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे खड़े दो परिवारों के घरों में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में एक छात्र भी चपेट में आ गया, जो ट्यूशन पढ़कर वापस लौट रहा था। हादसे में छात्र गंभीर रूप से जख्मी हुआ है और उसका इलाज सहरसा सदर अस्पताल में चल रहा है। घायल छात्र की पहचान सहरसा नगर निगम के वार्ड नंबर 42 निवासी हीरा राम के 15 वर्षीय पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है। घायल छात्र के पिता ने बताया कि उनका बेटा सुबह करीब 5:00 बजे ट्यूशन पढ़ने के लिए साइकिल से घर से निकला था। वह सुबह 7:30 बजे ट्यूशन पढ़कर लौट रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद उसे तुरंत सहरसा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसे में केवल छात्र ही नहीं, बल्कि ट्रक के अनियंत्रित होकर दो परिवारों के घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा। स्थानीय ग्रामीणों की जानकारी के अनुसार, ट्रक ने सिकंदर सादा और विंदेश्वरी महतो के तीन-तीन घरों में तोड़फोड़ की। सिकंदर सादा ने बताया कि उनके घर में रखा धान का भंडार और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। वहीं विंदेश्वरी महतो ने कहा कि उनके घर में रखी दो साइकिल और दो कमरे की दीवारें टूट गई हैं। उन्होंने अनुमानित तौर पर लगभग एक से डेढ़ लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान की जानकारी दी।

शराब बंदी कानून पर पटना हाई कोर्ट का बड़ा आदेश

पटना (एजेंसी) : बिहार सरकार को मुकदमा खर्च देने का निर्देश पटना हाई कोर्ट ने बिहार मद्यनिषेध कानून के तहत जब्त अली अशरफ सिद्दीकी की गाड़ी पर की गई कार्रवाई को अनुचित बताते हुए वाहन को तीन दिनों के भीतर रिहा करने का निर्देश दिया है। जस्टिस राजीव रंजन प्रसाद की खंडपीठ ने कहा कि जब वाहन चोरी होने की आधिकारिक रिपोर्ट मौजूद है। साथ ही मालिक की संलिप्तता का कोई साक्ष्य नहीं है, तब जब्ती उचित नहीं मानी जा सकती। याचिकाकर्ता के वकीलों सतीश चंद्र मिश्रा और नुरुल होदा ने कोर्ट को बताया कि गाड़ी 6 मई ,2024 को चोरी हो गई थी। काफी समय बाद शराब के साथ बरामद हुई। इसके बावजूद जिला पंचायती राज पदाधिकारी, सीवान ने दंड जमा कराने और नीलामी प्रक्रिया बढ़ाने का आदेश दिया।इसे अपीलीय अधिकारी ने भी सही ठहराया।

पटना मेट्रो सेवा भूतनाथ रोड से मलाही पकड़ी तक पूर्वी पटना को बड़ी राहत , 20 दिसंबर से शुरू

पटना (एजेंसी) : पटना मेट्रो परियोजना लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है और राजधानीवासियों के लिए राहत भरी खबर है। नई जानकारी के अनुसार, भूतनाथ रोड से मलाही पकड़ी तक मेट्रो सेवा 20 दिसंबर के बाद शुरू हो सकती है। इस रूट के खुलते ही यात्रियों को लगातार पांच स्टेशनों तक नॉन-स्टॉप मेट्रो सुविधा मिलने वाली है, जिससे पूर्वी पटना के लोग रोजाना ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात पाएंगे। 6 अक्टूबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने न्यू आईएसबीटी–भूतनाथ रोड सेक्शन का उद्घाटन किया था। इस सेक्शन के संचालन के कुछ ही महीनों में लगभग 94 हजार से अधिक यात्रियों ने इस रूट का लाभ उठाया है। अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि राजधानी में मेट्रो सेवा काफी लोकप्रिय हो रही है और इसका उपयोग लगातार बढ़ रहा है। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि मलाही पकड़ी स्टेशन पूरी तरह तैयार है।

अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा एक्शन

गयाजी (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान गयाजी शहर में जाम की समस्या एक बड़ा मुद्दा बना था। अब जब चुनाव खत्म हो चुके हैं और बिहार में नई सरकार का गठन हो गया है। चुनावी वादे को पूरा करने के लिए सरकार ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कदम उठा लिया है। शहर को अवैध अतिक्रमण से मुक्त करने को लेकर नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार, डीएम शशांक शुभंकर, नगर आयुक्त कुमार अनुराग, सदर एसडीओ ने बैठक कर योजना बनाकर शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए काम शुरू कर दिया है। गया शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। डीएम शशांक शुभंकर के निर्देश के बाद नगर निगम प्रशासन

मंत्री सम्राट लैंड, सैंड और लीकर माफिया ढूंढ लें छिपने के लिए तहखाना

पटना (एजेंसी) : बिहार के उपमुख्यमंत्री व गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने के लिए व्यापक अभियान शुरू करने की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तैयारी के साथ अपराधियों के खिलाफ उतर चुकी है और आने वाले कुछ दिनों में इसका असर साफ दिखने लगेगा। सम्राट चौधरी के मुताबिक निशाने पर सबसे पहले लैंड, सैंड और लीकर यानी जमीन, बालू और शराब माफिया हैं। शराब, बालू और जमीन माफिया पर नजर टेढ़ी सम्राट चौधरी ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि शराब, बालू और जमीन से जुड़े माफियाओं पर कड़ा प्रहार किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'इन तीन तरह के माफियाओं को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।' सरकार की ओर से अब तक 400 अपराधियों की पहचान की जा चुकी है, जिनकी जल्द गिरफ्तारी होगी। इसके अतिरिक्त 1,200 और अपराधियों की सूची तैयार की गई है, जिन्हें शीघ्र ही जेल भेजा जाएगा।

35 साल बाद सदन में एक भी निर्दलीय नहीं, तीन दशक पुरानी परंपरा खत्म

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव 2025 ने राज्य की राजनीति में कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं। आजादी के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं ने हिस्सा लिया, जिससे मतदान प्रतिशत ऐतिहासिक स्तर तक पहुंच गया। अब सरकार बनने के बाद विधानसभा सत्र की कार्यवाही 1 दिसंबर से शुरू होगी। इस बीच, एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह सामने आया कि इस बार सदन में एक भी निर्दलीय विधायक नहीं पहुंच सका. यह स्थिति पिछले 35 साल में पहली बार बनी है। वोटर ने महागठबंधन और एनडीए के प्रत्याशियों पर ही दिखाया था भरोसा इस बार के विधानसभा चुनाव को देखें तो बिहार का वोटर अब दो मुख्य गठबंधनों (NDA और महागठबंधन) के बीच पूरी तरह से बंटा रहा। इसका सीधा असर 'तीसरी ताकत' (अन्य दल और निर्दलीय) पर पड़ा। इससे इस बार किसी निर्दलीय की विधानसभा में एंट्री नहीं हो सकी। हालांकि कुछ निर्दलीय विधायकों ने चुनौती जरूर पेश की। चुनाव में केवल चार निर्दलीय उम्मीदवारों ने छोड़ी छाप बिहार चुनाव में चार निर्दलीय उम्मीदवार दूसरे नंबर पर रहे। इनमें दो निर्दलीय उम्मीदवारों को महागठबंधन ने समर्थन दे दिया था। आरजेडी की बागी रितु जायसवाल (65,455 वोट) और जेडीयू के फिरोज अहमद (50,029 वोट) ने अपनी-अपनी सीटों पर राजद और सीपीआई-माले के उम्मीदवारों को तीसरे स्थान पर धकेल दिया।

जीजा ने साले को मारी गोली, बहन को विदा कराने पहुंचा था युवक

वैशाली (एजेंसी) : बिहार के वैशाली में एक सनकी जीजा ने अपने ही साले को गोली मारकर बुरी तरह से घायल कर दिया। घायल युवक अपनी बहन को विदा कराने के लिए बहनोई के घर पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों जीजा-साले में विवाद हो गया और जीजा ने साले को गोली दाग दी। दरअसल, पटना वैशाली जिले के भगवतीपुर सहदेई बुजुर्ग गांव की है। बताया जा रहा है कि जन्दाहा के कजरी बुजुर्ग निवासी संतोष पासवान का बेटा अनीक कुमार अपनी बहन पूजा कुमारी को विदा कराने के लिए भगवतीपुर सहदेई बुजुर्ग गए था। इसी दौरान अनीक कुमार का उसके जीजा नीरज कुमार के साथ घरेलू विवाद के लेकर बहस होने लगी। इसी बीच आरोपी जीजा ने अपने घर में से हथियार निकाल कर फायरिंग कर दी। दो राउंड हुई फायरिंग में एक गोली अनिक को लग गई। गोलीबारी की घटना के बाद हड़कंप मच गया। परिजनों ने आनन-फानन में घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है।

कारोबार

बाजार के विकास के साथ-साथ फाइनेंशियल लिटरेसी भी जरूरी : तुहिन कांत पांडे

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शनिवार को तेजी से बढ़ते डिजिटल फाइनेंशियल लैंडस्केप में फाइनेंशियल लिटरेसी और इन्वेस्टर प्रोटेक्शन की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर प्रोटेक्शन को बढ़ावा देने के लिए, सेबी मल्टीलिंगवल, मल्टीमीडिया कैंपेन का विस्तार करता रहेगा, जो कि सेबी वर्सेज स्कैम पहलों पर आधारित होंगी। साथ ही, सेबी इन्वेस्टर को शिक्षित करने के लिए अपने नए स्टेट-लेवल ऑफिस का इस्तेमाल करेगा। पुडुचेरी में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा आयोजित एक रीजनल इन्वेस्टर अवेयरनेस सेमिनार को संबोधित करते हुए पांडे ने कहा कि वित्तीय विकल्प रोजाना की जिंदगी के साथ इंटीग्रेट होते जा रहे हैं। उन्होंने फाइनेंशियल लिटरेसी को सशक्तीकरण का आधार बताया और कहा, यह व्यक्तियों को लगातार बढ़ते डिजिटल और इंटरकनेक्टेड फाइनेंशियल इकोसिस्टम को नेविगेट करते हुए उनकी मेहनत की कमाई को सेव, इन्वेस्ट और प्रोटेक्ट करने की समझ प्रदान करता है। सेबी के इन्वेस्टर सर्वे 2025 का हवाला देते हुए पांडे ने कहा कि केवल 36 प्रतिशत इन्वेस्टर्स को प्रतिभूति बाजारों का मध्यम या उच्च ज्ञान है, जबकि 62 प्रतिशत इन्वेस्टर्स सलाह के लिए दोस्तों, परिवार या सोशल मीडिया की मदद लेते हैं। उन्होंने कहा, ये निष्कर्ष इस बात पर जोर देते हैं कि जागरूकता और समझ में अंतर है और बिना जानकारी के भागीदारी व्यक्ति के लिए जोखिम पैदा कर देती है।

करोड़पति बनाने वाले शेयर में फिर आने लगी तेजी, एक महीने में कर दी पैसों की बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी) : शुक्रवार को शेयर मार्केट में गिरावट रही। दिन के अंत में सेंसेक्स 13.71 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 85,706.67 और निफ्टी 12.60 की गिरावट के साथ 26,202.95 पर बंद हुआ। वहीं कुछ शेयर फायदे में तो कुछ नुकसान में रहे। इन्हीं में एक ऐसा मल्टीबैगर स्टॉक रहा जो गिरावट के साथ बंद हुआ, लेकिन पिछले कुछ समय से इसमें जबरदस्त तेजी आई हुई है। यह तब है जब यह शेयर पहले निवेशकों को करोड़पति बना चुका है। पिछले एक महीने में इस शेयर ने निवेशकों पर पैसों की बारिश कर दी है। इस शेयर का नाम श्री अधिकारी ब्रदर्स टेलीविजन नेटवर्क लिमिटेड है। शुक्रवार को यह शेयर 2.05% की गिरावट के साथ 1372.05 रुपये पर बंद हुआ। एक महीने में कितनी तेजी? एक महीने में यह शेयर निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे चुका है।

सोना छोड़िए, चांदी पकड़िए 90% चढ़ चुकी है कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी) : चांदी की कीमत में तेजी का दौर जारी है और शुक्रवार को इसकी कीमत पहली बार 55 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई। इस साल इसकी कीमत में 90 फीसदी तेजी आई है। दुनिया के कई देशों में चांदी की सप्लाई टाइट है। साथ ही कई और कारणों की वजह से भी चांदी की कीमत में तेजी आई है। भारत में शुक्रवार को सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 1,692 रुपये बढ़कर 1,64,359 रुपये प्रति किलो हो गई। एमसीएक्स पर 5 मार्च की डिलीवरी वाली चांदी 359 रुपये की तेजी के साथ 1,75,340 रुपये पर बंद हुई। चांदी की कीमतों में यह उछाल फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दरें घटाने की उम्मीद, बुलियन-समर्थित एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ETFs) में भारी निवेश और सप्लाई की लगातार कमी के कारण आया है। जानकारों का कहना है कि पिछले हफ्ते से चांदी के टेक्निकल चार्ट्स ज्यादा मजबूत दिख रहे हैं और यह चार्ट्स पर निर्भर रहने वाले सट्टेबाजों को चांदी के बाजार में खरीदारी के लिए आकर्षित कर रहा है। सप्लाई में कमी चांदी की कीमत में यह नया रिकॉर्ड लंदन में आई गंभीर सप्लाई की कमी के एक महीने बाद आया है।

इंडिगो ने एयरबस सॉफ्टवेयर 160 विमानों पर काम पूरा, अब नही उड़ान रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी) : इंडिगो के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि इंडिगो की कोई भी उड़ान रद्द नहीं हुई है, और एयरबस सॉफ्टवेयर अपडेट की समस्या के कारण केवल कुछ उड़ानों में देरी हुई है। उड़ान में देरी के मामले में, इंडिगो के सूत्रों ने बताया कि अधिकतम 30 मिनट की देरी हुई है। उन्होंने आगे बताया कि इंडिगो के 60 प्रतिशत बेड़े ने पहले ही एयरबस की आवश्यकताओं का पालन कर लिया है। इंडिगो के एक प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा कि वे आवश्यक निरीक्षण कर रहे हैं और व्यवधानों को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि इंडिगो अपने A320 परिवार के विमानों के लिए EASA और एयरबस द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक निरीक्षण और अपडेट कर रहा है। दोनों संगठनों के साथ मिलकर काम करते हुए, इन जाँचों के लिए हमारे कुल 200 विमानों की पहचान की गई है। हमें यह पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि 160 विमानों पर आवश्यक कार्रवाई 12:00 IST तक पूरी हो चुकी है, और शेष विमानों का निरीक्षण अच्छी तरह से चल रहा है और समय सीमा के भीतर पूरा हो जाएगा। हम यह भी पुष्टि करना चाहते हैं कि इन जाँचों के परिणामस्वरूप कोई भी उड़ान रद्द नहीं हुई है। हालांकि, कुछ उड़ानों में थोड़ी देरी हो सकती है।

X पर पहले एक अलग पोस्ट में, इंडिगो ने बताया था कि उसके A320 विमानों में अनिवार्य अपडेट के कारण कुछ उड़ानों के शेड्यूल में मामूली बदलाव हो सकते हैं, और इस बात पर जोर दिया था।

बैंकों का काम करने में होगी आसानी, डिजिटल बैंकिंग के लिए आरबीआई की बड़ी पहल

नई दिल्ली (एजेंसी) : रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने शुक्रवार को कमर्शल बैंकों और स्मॉल फाइनेंस बैंकों समेत अन्य वित्तीय संस्थाओं के लिए डिजिटल बैंकिंग से जुड़े 7 नए 'मास्टर 'डायरेक्शन' (निर्देश) जारी किए। यह कदम RBI की उस बड़ी मुहिम का हिस्सा है, जिसका मकसद नियमों को साफ और आसान बनाना है। इससे बैंकों और संस्थाओं पर फालतू कागजी कार्रवाई का बोझ कम होगा और काम करने में आसानी होगी। रिजर्व बैंक ने कुल 244 मास्टर डायरेक्शन जारी किए हैं। इनमें पुराने बिखरे हुए निर्देशों को ही व्यवस्थित करके एक जगह लाया गया है। ये निर्देश 11 तरह की अलग-अलग संस्थाओं के लिए जारी किए गए हैं। इनमें से 7 नए मास्टर डायरेक्शन खास तौर पर डिजिटल बैंकिंग के लिए हैं, जो इन 7 संस्थाओं पर लागू होंगे। इनमें कमर्शल बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, पेमेंट बैंक, लोकल एरिया बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक और रूरल को-ऑपरेटिव बैंक शामिल हैं। डिजिटल बैंकिंग के ये नए नियम 1 जनवरी, 2026 से लागू होंगे। ठोस नीतियों की जरूरत नियमों के मुताबिक, सभी बैंकों को डिजिटल बैंकिंग के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी। इसमें उन्हें कानूनी जरूरतों के साथ-साथ पैसों की उपलब्धता (लिक्विडिटी) और डिजिटल कामकाज में आने वाले जोखिमों का भी ध्यान रखना होगा।

बड़े ब्रांडेड प्रोजेक्ट्स की मांग तेज

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारत में हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (HNWIs) का रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी से बढ़ता निवेश अब मार्केट के लिए एक बड़ी चुनौती के साथ-साथ अवसर भी बन गया है। देश में बड़े साइज और ब्रांडेड घरों की कमी के कारण अमीर वर्ग अपनी संपत्ति को सही लग्जरी प्रॉपर्टीज में निवेश करने के लिए विकल्प नहीं ढूंढ पा रहा है। यही वजह है कि अगर कोई निवेशक रियल एस्टेट में कदम रखने का सोच रहा है, तो बदलते ट्रेंड को समझना अब जरूरी हो गया है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत में HNWI की संख्या 3,78,810 तक पहुँच चुकी है, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 1.5 ट्रिलियन डॉलर है। वहीं, अल्ट्रा-हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (UHNWIs) की संख्या 4,290 हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

समर्थ पोर्टल से होंगे केजीएमयू में पीजी दाखिले

लखनऊ, एजेंसी। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में इस वर्ष पीजी के दाखिले समर्थ पोर्टल के माध्यम से होंगे। विश्वविद्यालय के डीन प्रो. वीरेंद्र आतम की ओर से इसका आदेश जारी किया गया है। केंद्र सरकार सभी पाठ्यक्रमों के दाखिले एक एक प्लेटफॉर्म पर लाना चाहती है। इसके पीछे सभी दाखिलों को केंद्रीयकृत स्तर पर लाने की मंशा है। इसके लिए समर्थ पोर्टल तैयार किया गया है। बीए, बीएससी और बीकॉम जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों के दाखिले ज्यादातर विश्वविद्यालय में समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही हो रहे हैं। अब मेडिकल के दाखिले भी समर्थ पर होने हैं। इसके लिए नीट काउंसिलिंग के माध्यम से केजीएमयू पाने वाले अभ्यर्थियों को खुद को समर्थ पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। पंजीकरण के लिए अभ्यर्थियों को फोटोग्राफ, हस्ताक्षर, नीट स्कोर कार्ड और परिचय पत्र अपलोड करना होगा। इसके बाद स्नातक कोर्स का विकल्प चुनना होगा और सबमिट बटन पर क्लिक करना होगा। केजीएमयू प्रशासन ने काउंसिलिंग के समय सभी मूल प्रमाणपत्र लाने का भी निर्देश जारी किया है। पाठ्यक्रमों की फीस ऑनलाइन माध्यम से जमा की जाएगी।

फेक आईडी से अश्लील संदेश भेजकर परेशान कर रहे थे दो युवक, प्राथमिकी दर्ज

गोरखपुर, एजेंसी। थानाक्षेत्र के एक गांव की युवती को फेक आईडी से अश्लील कॉल और संदेश भेजकर परेशान करने के आरोप में दो युवकों के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती के मोबाइल पर दो युवक अलग-अलग फेक आईडी से फोन कर अश्लील बातें कर रहे थे। कुछ दिनों से चल रही इस हरकत से युवती मानसिक तनाव में थी। घरवालों को जब इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने नंबरों का पता लगाने की कोशिश की और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पीड़िता के पिता ने थाना सहजनवां में तहरीर देकर युवती को प्रताड़ित करने वाले दोनों युवकों की पहचान प्रियांशु प्रजापति और सचिन के रूप में बताई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी महेश चौबे ने बताया कि आरोपियों की तलाश करने के साथ ही मोबाइल नंबरों की भी जांच की जा रही है।

10 दिन में शुरू होंगे तालानगरी-क्वार्सी बाईपास पर सीएनजी पंप, मार्च 2026 तक मिलेंगे पांच और

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ जिले के वाहन चालकों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। अगले 10 दिनों के भीतर अलीगढ़ में दो नए सीएनजी पंप शुरू हो जाएंगे, जिससे जिले में सीएनजी पंपों की कुल संख्या 10 हो जाएगी। इसके अलावा, मार्च 2026 तक पांच और नए पंप शुरू होने जा रहे हैं। इस विस्तार से जिले को प्रदूषण रहित ईंधन मिलेगा और पंपों पर सीएनजी भरवाने के लिए लगने वाली लंबी लाइनें भी छोटी हो जाएंगी। अलीगढ़ जिले में इस समय लगभग चार लाख सीएनजी वाहन पंजीकृत हैं। वर्तमान में, शहरी क्षेत्र में चार और ग्रामीण क्षेत्र में चार सीएनजी पंप कार्यरत हैं। नए पंप शुरू होने से इन वाहनों को सीधे लाभ मिलेगा। जो दो नए पंप 10 दिन में शुरू होने जा रहे हैं, उनकी सभी तैयारियां और टेस्टिंग का काम पूरा हो चुका है। एक पंप ताला नगरी स्थित पारस ज्योति समारोह स्थल के पास शुरू होने जा रहा है। दूसरा पंप क्वार्सी बाईपास स्थित इंजीनियरिंग कॉलोनी के पास शुरू होगा। इसके अलावा सीएनजी की उपलब्धता को और बढ़ाने के लिए, मार्च 2026 तक एटा चुंगी, बौनेर, गभाना में दो पंप सहित कुल पांच सीएनजी पंप शुरू होने जा रहे हैं। इस पहल से अलीगढ़ में स्वच्छ और सस्ते ईंधन की आपूर्ति मजबूत होगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

बरेली में फिर गरजा बुलडोजर: कुतुबखाना मंडी में नगर निगम ने की कार्रवाई, दुकानदारों में मची खलबली

बरेली, एजेंसी। बरेली में शुक्रवार रात को कुतुबखाना मंडी में अतिक्रमण पर नगर निगम का बुलडोजर गरजा। इस दौरान मजिस्ट्रेट समेत पुलिस बल व नगर निगम का प्रवर्तन दल मौजूद रहा। यह कार्रवाई जिला उद्योग बंधु की बैठक में की गई शिकायत के बाद हुई है। नगर निगम के दो बुलडोजर दो घंटे तक कुतुबखाना मंडी में अतिक्रमण हटाते रहे। कुतुबखाना मंडी मार्ग पर अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम ने शुक्रवार रात को कार्रवाई की। रात 10 बजे नगर निगम की टीम मजिस्ट्रेट, पुलिस फोर्स और दो बुलडोजर लेकर कुतुबखाना सब्जी मंडी पहुंची। मंडी में आढ़त लगाने वाले, जिन्होंने अपनी दुकान के साथ रास्ते के किनारे पर कब्जा जमाया हुए थे। जो फड़ लगाए हुए थे, उनके फड़ों को ध्वस्त कर दिया। बुलडोजर और नगर निगम की टीम पहुंचने की सूचना पर मौके पर भीड़ जमा हो गई। फड़ वालों ने इसका कड़ा विरोध करते हुए धरने तक की चेतावनी दे दी। यह कार्रवाई रात करीब 12 बजे तक चली। इस दौरान नगर निगम के अवर अभियंता अनुराग कमल भी मौजूद रहे।

एसआईआर प्रक्रिया: कदम-कदम पर समस्याएं झेल रहे हैं बीएलओ, काम के साथ फटकार का भी डर

लखनऊ, एजेंसी। एसआईआर फॉर्म भरवाकर जमा कराना बीएलओ के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। तमाम मतदाता इसकी अहमियत नहीं समझ रहे, तो बहुत से ऐसे भी हैं जो बीएलओ को समय पर फॉर्म भरकर नहीं दे रहे हैं। कई जगह बीएलओ से अभद्रता भी हुई। इन सभी परेशानियों और चुनौतियों के बावजूद तय समय में बीएलओ को काम पूरा करना है।

निगोहां क्षेत्र में एसआईआर फॉर्म भरवा रहीं महिला बीएलओ ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में सबसे अधिक दिक्कत आ रही है। यहां मतदाताओं एसआईआर फॉर्म के बारे में समझाना बड़ा ही चुनौतीपूर्ण काम है। कुछ समझ रहे तो कुछ भड़क जा रहे हैं, चूंकि सभी का फॉर्म भरवाना अनिवार्य है, इसलिए उनसे निवेदन तक करना पड़ रहा है। जो मतदाता गांव के बाहर अन्य राज्यों में नौकरी कर रहे हैं, ऐसे मतदाताओं की जानकारी जुटाने में दिक्कत आ रही है।

कोई देर में तो कोई अधूरा भर रहा फॉर्म : अलीगंज में काम कर रहे एक बीएलओ ने बताया कि सभी मतदाताओं के पास फॉर्म तो पहुंच गए हैं, लेकिन जमा करने में देरी कर रहे हैं। एक-एक घर जाकर फॉर्म कलेक्ट करना भी बड़ा काम है। हालांकि, ऐसा करना पड़ रहा है, क्योंकि समय बहुत कम है। बीकेटी के बीएलओ ने बताया कि तमाम मतदाता अधूरा फॉर्म भरकर दे रहे हैं। ऐसे में काफी समय जाया हो रहा है। खुद से फॉर्म भरना पड़ रहा है।

प्रत्येक बीएलओ को कम से कम एक हजार मतदाताओं का फॉर्म भरवाकर जमा करना है। जिस भी बीएलओ से बात करो, वह यह जरूर कहता है कि 30 दिनों में इतने मतदाताओं से संपर्क कर फॉर्म भरवाना और फिर जमा करवाना बहुत ही टेढ़ी खीर है। इसमें पार्षद, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं की मदद भी ली जा रही है। लक्ष्य पूरा न होने पर फटकार का डर भी रहता है।

एक से बढ़कर एक समस्याएं : जो शिक्षक बीएलओ के रूप में काम कर रहे हैं, उनमें से मोहनलालगंज और काकोरी में तैनात बीएलओ ने बताया कि दवाइयां खाकर काम करना पड़ रहा है। एक घंटा स्कूल में पढ़ाना भी है और फिर फॉर्म भी भरवाने हैं। व्यक्तिगत जीवन भी प्रभावित हो रहा है। मलिहाबाद के बीएलओ ने बताया कि संसाधन की कमी है। तमाम लोग घरों में नहीं मिल रहे हैं। कृषि के काम में लगे हैं। ग्रामीणों से फॉर्म भरवाना सबसे बड़ा काम है। सरोजनीनगर के बीएलओ ने बताया कि एप सही से काम नहीं करता, जिससे अपडेट करने में दिक्कत होती है।

लेखपाल संघ ने कहा एसआईआर की प्रक्रिया से दूर रहेंगे लेखपाल, आंदोलन में शामिल हुई कांग्रेस

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने फतेहपुर में लेखपाल सुधीर कुमार की मौत के विरोध में शुक्रवार को सभी तहसील मुख्यालयों पर धरना दिया। साथ ही बीएलओ के तौर एसआईआर संबंधी काम का बहिष्कार भी किया। संघ ने पीसीएस अधिकारी व राजस्व निरीक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है।

संघ के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि फतेहपुर में तैनात लेखपाल सुधीर कुमार की 26 नवंबर को शादी थी। वह छुट्टी के लिए अधिकारियों से लगातार निवेदन कर रहा था, लेकिन उसे छुट्टी नहीं दी गई। एसआईआर को लेकर 22 नवंबर को बैठक में न जाने पर एसडीएम (ईआरओ) द्वारा उसे निलंबित कर दिया।

इसके बाद भी वह 24 नवंबर को छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र देकर घर आ गया, तो एसडीएम और नायब तहसीलदार के निर्देश पर राजस्व निरीक्षक शिवराम लेखपाल के घर पहुंचे और कहा कि एसआईआर का काम पूरा कर दें या फिर किसी दूसरे को पैसा देकर स्वयं यह काम करवाएं। ऐसा न करने पर अभी तो निलंबन हुआ है, सेवा से भी बर्खास्त कर दिया जाएगा। संघ का आरोप है कि इसके चलते उसने आत्महत्या कर ली। संघ ने कहा है कि काम करने के बावजूद लेखपालों को परेशान किया जा रहा है। इसलिए, तत्काल उत्पीड़न की कार्रवाई बंद होनी चाहिए और पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद की जानी चाहिए।

लेखपालों के आंदोलन में शामिल हुई कांग्रेस : फतेहपुर के बिंदकी में एसआईआर का कार्य कर रहे लेखपाल सुधीर कुमार की मौत मामले में विरोध प्रदर्शन कर रहे लेखपाल संघ के साथ कांग्रेस ने भी शुक्रवार को पूरे प्रदेश में प्रदर्शन किया। इस दौरान सुधीर कुमार के परिजनों को आर्थिक सहायता, परिवार में एक सदस्य को सरकारी नौकरी एवं एसआईआर की समय सीमा बढ़ाए जाने की मांग की।

व्यवहार आधारित समझ पर ही टिकता है सुशासन

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय व अशोक विश्वविद्यालय के साझे प्रयास से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार को आगाज हुआ। मुख्य अतिथि आईआईएम कलकत्ता के निदेशक प्रो. आलोक कुमार राय ने सम्मेलन को आलोचनात्मक सोच और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाला मंच बताया। विशेष अतिथि डॉ. नितिन आर. गोकरन ने कहा कि राज्य का सुशासन व्यवहार आधारित समझ पर ही टिकता है।

मानव व्यवहार पर आधारित इस सम्मेलन में शिक्षाविदों, नीति विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और उद्योग से जुड़े विद्वानों ने हिस्सा लिया। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि व्यवहार विज्ञान आज संगठनात्मक विकास और सामाजिक परिवर्तन दोनों में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रबंधन अध्ययन संकाय की डीन प्रो. संगीता साहू ने वैश्विक चुनौतियों के समाधान में व्यवहार अनुसंधान की बढ़ती जरूरत पर जोर दिया।

अशोक विश्वविद्यालय की निदेशक डॉ. शेयेन बार्नहार्ट ने नीति निर्माण में व्यवहारिक अंतर्दृष्टि की भूमिका पर विचार साझा किए। मुख्य वक्ता प्रो. एनरिके फटस ने व्यवहार विज्ञान के वैश्विक रुझानों और उनके सामाजिक प्रभावों पर प्रकाश डाला।

पहले पूर्ण सत्र की अध्यक्षता आईआईटी रुड़की के प्रो. एसएन. रंगनेकर ने की। इसमें डॉ. इजाबेल रोड्रिगेज मार्टिन और डॉ. स्नेहा शशिधरा ने व्यवहार अर्थशास्त्र तथा सामाजिक मानदंडों पर रोचक प्रस्तुतियां दीं। दूसरे पूर्ण सत्र में मुख्य वक्ता नवीन कुमार जी.एस. ने नीति निर्धारण में व्यवहार परिवर्तन की अहमियत पर जोर दिया।

कफ सिरप कांड : नशे के कारोबार पर पर्दा डालने के लिए एमएलसी बनना चाहता था आरोपी, यूपी में बनाया था नेटवर्क

लखनऊ, एजेंसी। अरबों रुपये के नशीले कफ सिरप की तस्करी करने वाला वाराणसी का शुभम जायसवाल अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने के लिए विधान परिषद सदस्य बनने की फिराक में था। इसके लिए उसने पूर्वांचल के कई बाहुबलियों को अपने पाले में करके सियासी समीकरण साधने शुरू कर दिए थे।

एक राजनेता को गिफ्ट करने के लिए लग्जरी टोयोटा लैंड क्रूजर गाड़ी भी खरीदी थी। वहीं, एसटीएफ के बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की भूमिका की भी गहनता से पड़ताल हो रही है। जांच में उसकी कुछ कंपनियों की जानकारी मिली है। वह लगातार शुभम और अमित सिंह टाटा के संपर्क में था।

वहीं शुभम जायसवाल के खिलाफ गाजियाबाद से लुक आउट सर्कुलर जारी हो चुका है ताकि वह दुबई से किसी अन्य देश में नहीं भाग सके। उसके बाकी पार्टनर की भी जांच की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि नशे के कारोबार में उसका साथ कौन दे रहा था और किसने उसकी दुबई भागने में मदद की थी। साथ ही, उसकी चल-अचल संपत्तियों का भी पता लगाया जा रहा है ताकि उन्हें भविष्य में जब्त किया जा सके। वहीं एसटीएफ की गिरफ्त में आए अमित सिंह टाटा की संपत्तियों का भी पता लगाया जा रहा है। उसके पास से बरामद फॉर्च्यूनर गाड़ी के मालिक को भी तलाशा जा रहा है। वह लगातार फेसटाइम एप के जरिए शुभम के संपर्क में था। सूत्रों की मानें तो कुछ पुलिस अधिकारियों ने भी शुभम से संपर्क करने का प्रयास कर वापस आने को कहा है, हालांकि वह इसके लिए तैयार नहीं है।

टाटा को रिमांड पर लेगी एसटीएफ

अधिकारियों के मुताबिक एसटीएफ अमित सिंह टाटा को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। इसके अलावा सहारनपुर से 12 नवंबर को गिरफ्तार किए गए विभोर राणा और उसके साथी विशाल सिंह को भी रिमांड पर लिया जाएगा।

विभोर को तीन वर्ष पूर्व पश्चिम बंगाल में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने भी गिरफ्तार किया गया था। उसने विशाल के साथ मिलकर करीब 200 करोड़ रुपये के कफ सिरप की तस्करी को अंजाम दिया है।

पूर्व सांसद की भूमिका की जांच की मांग

पूर्व आईपीएस एवं आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने नशीले कफ सिरप के मामले में जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह की भूमिका की जांच करने की मांग की है। इस बाबत उन्होंने डीजीपी राजीव कृष्ण को पत्र लिखा है, जिसमें इस प्रकरण की गहन विवेचना के साथ शुभम जायसवाल, गौरव जायसवाल और वरुण सिंह के दुबई फरार होने के मामले में अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करने की मांग भी की है।

लखनऊ में दिव्यांग का दर्द : बोली- न्याय मांगने आते हैं... पर पहले ही कदम पर अधिकार छीने जाने जैसा लगता है

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में पारिवारिक न्यायालय के कैसरबाग स्थित मध्यस्थता केंद्र तक पहुंचना दिव्यांगों के लिए बेहद कठिन है। तीन-चार लोगों का सहारा लेकर ही कोई वहां तक पहुंच सकता है। यदि कोई मददगार नहीं है तो सुनवाई में शामिल हुए बिना लौटना पड़ता है। शुक्रवार को मध्यस्थता केंद्र यानी वैकल्पिक विवाद समाधान केंद्र (एडीआर) परिसर में कुछ ऐसी ही तकलीफदेह स्थिति देखने को मिली। केंद्र प्रथम तल पर है। ऐसे में रैंप और लिफ्ट न होने से दिव्यांग महिला दो घंटे तक फंसी रहीं। स्थानीय लोग बताते हैं कि ऐसी स्थिति अक्सर देखने को मिलती है।

लंबे इंतजार के बाद उन्हें बिना सुने लौटना पड़ा

इंदिरानगर निवासी दिव्यांग जॉली मोहन के पैर बचपन से ही लकवाग्रस्त हैं। पति से तलाक के मामले में मध्यस्थता के लिए वैकल्पिक विवाद समाधान केंद्र पहुंची थीं। व्हीलचेयर के सहारे प्रथम तल तक जाना असंभव था। लंबे इंतजार के बाद उन्हें बिना सुने लौटना पड़ा। जॉली कहती हैं कि न्याय मांगने आते हैं, पर पहले ही कदम पर अधिकार छीने जाने जैसा लगता है। दिव्यांग होने की वजह से पति ने मुंह फेर लिया है। कई और शारीरिक जटिलताओं की वजह से खुद से चल नहीं पातीं। न्याय से पहले अन्याय...

डीएम और सीएम तक लगाई गुहार

जॉली बताती हैं कि रैंप और लिफ्ट न होने की समस्या जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बता चुकी हैं। अभी तक समाधान नहीं दिखा। इंदिरानगर से यहां तक पहुंचना आसान है, लेकिन प्रथम तल तक चढ़ना सबसे कठिन। दो-तीन लोग किसी महिला को गोद में उठाकर ऊपर ले जाएं, यह उसकी गरिमा के खिलाफ है।

दिव्यांग अधिकार अधिनियम की अवहेलना

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के तहत सभी सार्वजनिक भवनों, खासकर सरकारी दफ्तरों और अदालतों में रैंप, लिफ्ट और दिव्यांग-अनुकूल शौचालय अनिवार्य है। पारिवारिक न्यायालय के मध्यस्थता केंद्र में इन सुविधाओं का अभाव साफतौर पर कानून का उल्लंघन है। पहले से परेशान लोग न्याय पाने से पहले ही ठोकरें खा रहे हैं।

सेंसरयुक्त फुट ओवर ब्रिज से दिव्यांग यात्रियों को होगी सहूलियत

लखनऊ, एजेंसी। सिटी स्टेशन रोड स्थित राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज परिसर में तीन दिवसीय मंडल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के दूसरे दिन शुक्रवार को बाल वैज्ञानिकों ने सुरक्षा, प्रबंधन और आधुनिक तकनीक पर नवाचार मॉडल की प्रस्तुति दी।

राजधानी के श्रेयांस गुप्ता ने दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए सेंसर से संचालित होने वाली आधुनिक फुट-ओवर ब्रिज बनाया है। जो बुजुर्ग, बच्चों और दिव्यांग यात्रियों के लिए मददगार साबित होगा। हरदोई की छात्रा नेहा गुप्ता ने मैग्नेटिक रोड एक्सीडेंट प्रीवेंटर के नाम से आधुनिक मॉडल को प्रस्तुत किया। इसकी मदद से दुर्घटना में कमी आने के साथ लोगों के जीवन को सुरक्षा भी मिलेगी।

विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार और पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह राठौर ने मॉडल्स का अवलोकन करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

एनसीईआरटी के एप से कॅरिअर विकल्प चुनने में होगी आसानी, दिसंबर के पहले हफ्ते से छात्र करेंगे इंस्टॉल

वाराणसी, एजेंसी। कक्षा 9 से लेकर 12 तक के छात्रों के लिए अच्छी खबर है। अब इन छात्रों को अपना कॅरिअर चुनने के लिए किसी काउंसलर या फिर विशेषज्ञ के पीछे नहीं भागना होगा। बच्चे घर बैठे ही एप के माध्यम से आत्म मूल्यांकन कर कॅरिअर चुन सकेंगे। दिसंबर के पहले हफ्ते से इस एप को सभी बोर्ड के छात्रों के मोबाइल में इंस्टॉल कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इस एप में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों का पहले पंजीकरण होगा। इसके बाद डैशबोर्ड पर तीन लेयर दिखाई देंगी। इसमें एप्टीट्यूड टेस्ट, इंटरेस्ट टेस्ट और वैल्यू टेस्ट के ऑप्शन होंगे। एप्टीट्यूट टेस्ट 20 मिनट का, इंटरेस्ट टेस्ट 12 मिनट और वैल्यू टेस्ट 14 मिनट का होगा।

छात्रों को इन टेस्ट को बारी-बारी पास करना होगा। इसमें एप्टीट्यूड टेस्ट में नौ विषयों से 40 सवाल, इंटरेस्ट टेस्ट में 6 विषयों के 24 सवाल और वैल्यू टेस्ट में 7 विषयों के 28 सवालों के जवाब देने होंगे। सभी सवाल ऑब्जेक्टिव होंगे। सवालों को हल करने के बाद उनका जवाब भी तुरंत दिखाई देगा।

इस एप को प्रदेश के सभी बोर्ड के विद्यालयों में इंस्टॉल कराने के लिए प्रयागराज के मनोविज्ञान शाला के निदेशक पीएन सिंह को नोडल बनाया गया है। मंडलीय मनोवैज्ञानिक नवीन पाठक वाराणसी के नोडल हैं। मनोवैज्ञानिक बनानी घोष ने बताया कि इस एप के माध्यम से बच्चों को कॅरिअर के चयन में बहुत सहूलियत होगी।

सेवा से ही नया भारत लेगा आकार: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

लखनऊ, एजेंसी। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्काउट्स और गाइड्स से अपील की कि जंबूरी में मिली सीख को जीवन में उतारें। समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनें। क्योंकि भारतीयता का मूल भाव सेवा ही है और यही भारत की आत्मा है, जिससे नया भारत आकार लेगा। वह जंबूरी के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं।

राज्यपाल ने बताया कि उद्घाटन और समापन दोनों सत्रों में प्रतिभागियों के कौशल को देखने का अवसर मिला। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में जंबूरी के माध्यम से वर्षों से करोड़ों छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करने वाले अवॉर्डियों को सम्मानित किया गया। 61 वर्ष बाद उत्तर प्रदेश में आयोजित जंबूरी ने स्वावलंबी, स्वदेशी, स्वच्छ और विकसित भारत की भावना को साकार किया है। युवाओं को देश का वर्तमान और भविष्य बताते हुए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी युवा शक्ति को राष्ट्र शक्ति मानते हैं क्योंकि युवा ऊर्जा और सकारात्मक सोच राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में स्काउटिंग और गाइडिंग केवल कौशल ही नहीं, बल्कि करुणा, निष्ठा, साहस और मानवता जैसे मूल्यों का कवच भी प्रदान करती है। इन्हीं मूल्यों को जंबूरी ने पुनः स्थापित किया है। 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के समापन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मिजोरम के मुख्यमंत्री पी. लालदुहोमा, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, प्रादेशिक अध्यक्ष (उत्तर प्रदेश) महेंद्र सिंह, मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त केके खंडेलवाल, राज्य मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार आदि मौजूद रहे।

समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति मुर्मु ने स्मारिका का विमोचन किया। राज्यपाल ने जंबूरी पत्रिका का विमोचन करते हुए पहली प्रति राष्ट्रपति को प्रदान की। सभी अतिथियों को स्कार्फ व प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। विभिन्न राज्यों से आए स्काउट्स व गाइड्स ने मलखा समेत कई प्रकार के कौशलों का प्रदर्शन किया। इससे पूर्व, राष्ट्रपति ने मार्च पास्ट की सलामी ली तथा विभिन्न राज्यों से आए स्काउट्स एंड गाइड्स का उत्साहवर्धन किया।

विवेक चतुर्वेदी बने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के नए चेयरमैन

आईआरएस अधिकारी चतुर्वेदी संजय कुमार अग्रवाल की जगह संभालेंगे

नई दिल्ली केंद्रीय सरकार ने भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के 1990 बैच के अधिकारी विवेक चतुर्वेदी को **केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के आदेश और मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति की मंजूरी के बाद की गई। चतुर्वेदी संजय कुमार अग्रवाल का स्थान लेंगे, जो 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इससे पहले, चतुर्वेदी सीबीआईसी के सदस्य और विभाग में प्रधान महानिदेशक (विजिलेंस) के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने राजस्व खुफिया निदेशालय में विभिन्न पदों पर काम किया है और उनके पास जांच कार्यों का व्यापक अनुभव है। नियुक्ति के साथ, विवेक चतुर्वेदी अब देश में अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क नीतियों के कार्यान्वयन और निगरानी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

एसबीआई 1 दिसंबर से बंद करेगा एमकेश फीचर

ग्राहकों को यूपीआई, आईएमपीएस और आरटीजीएस जैसे डिजिटल विकल्पों के उपयोग की सलाह

मुंबई देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अपने ग्राहकों के लिए एक बड़ा बदलाव लागू करने जा रहा है। बैंक ने घोषणा की है कि वह अपने एमकेश फीचर को 30 नवंबर के बाद पूरी तरह बंद कर देगा। यानी कि 1 दिसंबर से यह सेवा स्थायी रूप से उपलब्ध नहीं होगी। एमकेश एक डिजिटल पेमेंट सुविधा थी, जिसके जरिए ग्राहक बिना किसी बेनीफिशियरी को जोड़े केवल मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी के माध्यम से तुरंत पैसे भेज सकते थे। इस सेवा में पैसे प्राप्त करने वाले को सुरक्षित लिंक और आठ अंकों का पासकोड मिलता था, जिससे राशि किसी भी बैंक खाते में ट्रांसफर की जा सकती थी। यह सुविधा खासकर छोटे और त्वरित लेनदेन के लिए बेहद उपयोगी मानी जाती थी। हालांकि यूपीआई और आईएमपीएस विकल्प अधिक सुरक्षित और तेज हैं, लेकिन कुछ उपयोगकर्ताओं को अब अपनी बैंकिंग आदतों में बदलाव करना होगा। एसबीआई की यह पहल डिजिटल भुगतान प्रणाली को और अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक कदम है।

ब्लैक फाइडे सेलः मॉल और ब्रांडों को बिक्री में दो अंकों की बढ़त की उम्मीद

डीएलएफ, फीनिक्स और नेक्सस मॉल्स में सप्ताह भर चलने वाली सेल से बढ़ी ग्राहकों की संख्या

नई दिल्ली इस वर्ष ब्लैक फाइडे सेल केवल एक दिन की बिक्री नहीं रह गई है, बल्कि अब यह सप्ताह भर चलने वाला कार्यक्रम बन गया है। इसका उद्देश्य अक्टूबर के बाद आई खरीदारी की सुस्ती को खत्म करना और बाजार में उत्साह बढ़ाना है। डीएलएफ रिटेल की एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस सेल ने मॉल्स में ग्राहकों की आवाजाही में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है और बिक्री में डबल डिजिट वृद्धि की उम्मीद है। फीनिक्स मॉल्स भी इस सप्ताहांत आधी रात तक खुले रहेंगे, जहां बेहतर शॉपिंग अनुभव ग्राहकों को आकर्षित कर रहा है। नेक्सस सेलेक्ट मॉल्स ने बड़े उपहार और ऐप पर बिल अपलोड करने पर दोगुना रिवॉर्ड पॉइंट जैसे ऑफर पेश किए हैं। अब परंपरागत इलेक्ट्रॉनिक्स और सौंदर्य उत्पादों के साथ-साथ फैशन और एक्सेसरीज में भी बिक्री में वृद्धि देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सेल से मॉल्स को साल के अंत तक अच्छे कारोबार और ग्राहकों की लगातार बढ़ती संख्या का लाभ मिलेगा।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की जीडीपी दूसरी तिमाही में 8.2 फीसदी उछली

▸▸ विनिर्माण क्षेत्र की 9.1 फीसदी की छलांग से जीडीपी अनुमान से ऊपर

नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारत की आर्थिक वृद्धि 8.2 फीसदी पर पहुंच गई, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच छह तिमाहियों में सबसे ऊंचा स्तर है। यह वृद्धि दर आधिकारिक और निजी संस्थानों द्वारा अनुमानित 7 से 7.5 फीसदी तथा भारतीय रिजर्व बैंक के 7 फीसदी अनुमान से भी काफी अधिक रही। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक कम आधार प्रभाव और सॉफ्ट डिफ्लेटर ने वृद्धि को गति दी, लेकिन सबसे बड़ा योगदान विनिर्माण क्षेत्र से मिला। विनिर्माण ने अमेरिकी शुल्क दबाव के बावजूद 9.1 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज कर अपनी लचीली क्षमता का प्रदर्शन किया। जुलाई-सितंबर में नॉमिनल जीडीपी 8.7 फीसदी बढ़ी, जबकि वित्त मंत्रालय ने पूरे वित्त वर्ष के लिए इसे 10.1 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। वास्तविक और नॉमिनल वृद्धि के बीच अंतर वित्त वर्ष 2020 की तीसरी तिमाही के बाद सबसे कम रहा है। नॉमिनल वृद्धि में कमी से कर संग्रह के लक्ष्य पर असर पड़ सकता है और केंद्र सरकार के लिए राजकोषीय घाटे को जीडीपी

के 4.4 फीसदी पर सीमित रखना कठिन हो सकता है। पहली तिमाही को 7.8 फीसदी वृद्धि के बाद वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में औसत जीडीपी वृद्धि 8 फीसदी रही है, जिससे अर्थशास्त्रियों ने अपने वार्षिक अनुमान संशोधित किए हैं।

पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में मिलाजुला रुख

जयपुर में भाव बढ़े, पटना में घटे

नई दिल्ली देश के प्रमुख शहरों में शनिवार को पेट्रोल की कीमतों में मिश्रित रुख देखने को मिला। कुछ शहरों में कीमतों में मामूली कटौती हुई, जबकि जयपुर में दाम बढ़ गए। तेल विपणन कंपनियां रोज सुबह 6 बजे नई दरें जारी करती हैं। शेयर बाजार को पेट्रोल की कीमतों में प्रति लीटर 0.14 से 0.58 रुपए तक की कमी और कुछ शहरों में 0.38 रुपए तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकांश शहरों में भाव स्थिर रहे। मुंबई में कीमत 103.50 और चेन्नई में 101.03 पर स्थिर रही। गुड़गांव, बैंगलोर, चंडीगढ़, हैदराबाद और लखनऊ में भी कोई बदलाव नहीं हुआ। नोएडा में 0.14 और भुवनेश्वर में 0.09 रुपए प्रति लीटर की कटौती हुई। जयपुर में 0.38 की बढ़ोतरी के साथ कीमत 105.07 रुपए हो गई। पटना में सबसे बड़ा बदलाव आया, जहां 0.58 रुपए घटकर दाम 105.53 रुपए हो गए।

कॉइन डीसीएक्स के थर्ड पार्टी डेटा प्रदाता मिक्सपैनल में सेंधमारी

कुछ उपयोगकर्ताओं के डेटा तक पहुंच, लेकिन पासवर्ड और फंड सुरक्षित

नई दिल्ली भारतीय क्रिप्टो एक्सचेंज कॉइन डीसीएक्स ने पुष्टि की कि उसके थर्ड पार्टी डेटा एनालिटिक्स प्रदाता मिक्सपैनल के सिस्टम में हुई सेंधमारी से कुछ उपयोगकर्ताओं का डेटा लीक हुआ है। कंपनी ने अपने उपयोगकर्ताओं को भेजे ईमेल में कहा कि सेंधमारी का कॉइन डीसीएक्स के कुनियादी ढांचे या उपयोगकर्ताओं के फंड पर कोई असर नहीं पड़ा। मिक्सपैनल ने 8 नवंबर को हुई सेंधमारी की जानकारी दी, जबकि कॉइन डीसीएक्स को इसके बारे में हाल ही सूचित किया गया। कंपनी के अनुसार, प्रभावित डेटा में उपयोगकर्ताओं के नाम और प्लेटफॉर्म पर उनके उपयोग की अवधि जैसी जानकारी शामिल हो सकती है। हालांकि, पासवर्ड, ओटीपी, सीड फ्रेज या अन्य संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रही। कॉइन डीसीएक्स ने स्पष्ट किया कि सेंधमारी खास तौर पर उन्हें लक्षित नहीं करती थी और मिक्सपैनल के अन्य बड़े ग्राहकों को भी प्रभावित किया गया। कॉइन डीसीएक्स के पास 2 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं, लेकिन कंपनी ने प्रभावित उपयोगकर्ताओं की संख्या का खुलासा नहीं किया। इस घटना की पुष्टि के लिए कंपनी ने मिक्सपैनल के साथ सहयोग किया और आंतरिक सुरक्षा प्रक्रियाओं की समीक्षा शुरू की।

विदेशी प्रवाह और वैश्विक रुझानों के बीच हफ्ते शेयर बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी ने बनाए नए रिकॉर्ड

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों ने उतार-चढ़ाव का सामना किया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सूचकांक सप्ताह की शुरुआत में शुरुआती तेजी के साथ खुले, लेकिन घरेलू और वैश्विक कारकों के मिश्रित प्रभाव ने हफ्ते भर बाजार के रुझान को बदलते रखा। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को आईटी शेयरों में मजबूती और वैश्विक बाजार में सकारात्मक रुझानों के कारण सेंसेक्स 218 अंक और निफ्टी 69 अंक बढ़कर खुले। हालांकि, विदेशी फंडों की बिकवाली और निवेशकों की धारणा में नकारात्मक प्रभाव के चलते दिन का समापन सेंसेक्स में 331 अंक और निफ्टी में 108 अंक की गिरावट के साथ हुआ। मंगलवार को घरेलू बाजार पर बिकवाली का दबाव बढ़ा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 125 अंक और निफ्टी 35 अंक गिर गए। दिन के अंत में सेंसेक्स 313 अंक और निफ्टी 93 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए, जिससे लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर बंद होने से निवेशकों की चिंता बढ़ी। बुधवार को तीन दिन की गिरावट के बाद बाजार ने मजबूती दिखायी। वैश्विक बाजारों में तेजी और ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह ने सेंसेक्स को 1022 अंक और निफ्टी को 320 अंक की बढ़त दिलाई। गुरुवार को सेंसेक्स 86,000 के पार और निफ्टी 26,295 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचकर इतिहास रचा। हालांकि, शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत डॉलर और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में शुरुआती तेजी के बावजूद

सेंसेक्स 14 अंक और निफ्टी 13 अंक की गिरावट के साथ सप्ताह का समापन हुआ। बीते सप्ताह के रुझानों से स्पष्ट होता है कि भारतीय शेयर बाजार विदेशी निवेश और वैश्विक आर्थिक संकेतकों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। शुरुआती तेजी के बावजूद विदेशी फंडों की निकासी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुद्रास्फीति व तेल कीमतों में बदलाव सीधे बाजार पर प्रभाव डालते हैं। निवेशकों के लिए यह सप्ताह सावधानी और रणनीति दोनों का संकेत देता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द संभव

जवाबी शुल्क पर समाधान अंतिम चरण में

नई दिल्ली

भारत को उम्मीद है कि वर्ष के अंत तक अमेरिका के साथ संरचनात्मक व्यापार समझौता अंतिम रूप ले सकता है। दोनों देशों ने पिछले कुछ महीनों में वार्ताकार स्तर पर अधिकांश विवादित मुद्दों को सुलझा लिया है, जिनमें भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत के जवाबी शुल्क भी शामिल हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने फिक्की की 94वीं वार्षिक आम बैठक में बताया कि समझौता तभी सार्थक होगा जब अमेरिकी पक्ष भारतीय निर्यात पर लगाए गए दो तरह के शुल्कों 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क और रूसी तेल की खरीद से जुड़े 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क दोनों का समाधान करे। ये शुल्क अगस्त से लागू हुए थे और भारतीय निर्यातकों पर भारी बोझ डाल रहे हैं। अग्रवाल के अनुसार भारत और अमेरिका दो समानांतर ट्रैक पर बातचीत कर रहे हैं। पहला, व्यापक द्विपक्षीय व्यापार करार है, जिसे पूरा होने में समय लगेगा। दूसरा, संरचनात्मक व्यापार समझौता है जिसका उद्देश्य भारतीय निर्यात पर लगे कुल 50 प्रतिशत शुल्क बोझ को कम करना है। उन्होंने कहा कि लगभग आधा दर्जन दौर की वार्ता हो चुकी है और अब बहुत कम मुद्दे बचे हैं, जिनमें से कुछ पर राजनीतिक स्तर पर अंतिम निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है।

अक्टूबर में वाशिंगटन में अनौपचारिक दौर के बाद अब अमेरिकी अधिकारियों की टीम आगे की बातचीत के लिए नई दिल्ली आ सकती है।

अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग 6.6 फीसदी बढ़ी

हवाई माल परिवहन भी लगातार आठवें महीने बढ़ा

नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2025 में वैश्विक हवाई यात्रा की मांग में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि राजस्व यात्री किलोमीटर (आरपीके) के आधार पर मापी गई है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा की मांग 8.5 प्रतिशत बढ़ी, जबकि घरेलू यात्रा में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। कुल क्षमता 5.8 प्रतिशत बढ़ी और लोड फैक्टर 84.6 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो पिछले साल से 0.7 प्रतिशत अधिक है। एयरलाइंस ने अंतरराष्ट्रीय मार्गों के लिए 7.1 प्रतिशत और घरेलू मार्गों के लिए 3.6 प्रतिशत क्षमता बढ़ाई। क्षेत्रीय प्रदर्शन में पश्चिम एशिया में 10.5 प्रतिशत, अफ्रीका में 8.8 प्रतिशत, एशिया-पैसिफिक में 8.1 प्रतिशत, यूरोप में 6.7 प्रतिशत, लातिन अमेरिका और कैरिबियन में 6.1 प्रतिशत और उत्तरी अमेरिका में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आईएटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अक्टूबर का प्रदर्शन अच्छा रहा और साल के अंतिम दो महीने के लिए ट्रेंड उत्साहजनक है। शेड्यूल के अनुसार, नवंबर में सीट क्षमता 3.6 प्रतिशत और दिसंबर में 4.7 प्रतिशत बढ़ेगी। हवाई भारत परिवहन की मांग में भी अक्टूबर में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो लगातार आठवें महीने दर्ज की गई है।

आईएमएफ करेगा भारत के राष्ट्रीय लेखा डेटा की 'सी' रेटिंग का अपग्रेड

नई राष्ट्रीय लेखा श्रृंखला और सुधारों के बाद रेटिंग में सुधार का संकेत

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) जल्द ही भारत के राष्ट्रीय लेखा डेटा के लिए अपनी वर्तमान 'सी' रेटिंग को अपग्रेड करने वाला है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब केंद्र सरकार फरवरी 2026 में खुदरा महंगाई और आर्थिक उत्पादन को ट्रैक करने के लिए नई राष्ट्रीय लेखा श्रृंखला जारी करने वाली है। आईएमएफ ने इस सप्ताह जारी रिपोर्ट में लगातार दूसरे साल भारत के डेटा को 'सी' रेटिंग दी, जो चार स्तर वाले पैमाने में दूसरा सबसे निचला स्तर है। इसका मतलब है कि आंकड़ों में कुछ कमियां हैं, लेकिन वे आर्थिक निगरानी के लिए पर्याप्त हैं। आईएमएफ के बोर्ड में कार्यकारी निदेशक ऊर्जित पटेल और अन्य अधिकारियों ने बयान में कहा कि वे पिछले परामर्श के बाद भारत के आधिकारिक आंकड़ों में सुधारों की सराहना करते हैं और फरवरी 2026 में प्रकाशित होने वाली नई डेटा श्रृंखला के बाद रेटिंग अपग्रेड की जाएगी। आईएमएफ के कर्मचारियों ने माना कि भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) निर्धारित करने के तरीके में सुधार के साथ राष्ट्रीय लेखा बेंचमार्क में बदलाव की प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में शामिल वस्तुओं और उनके भारांश में भी बदलाव किया जा रहा है ताकि मौजूदा उपभोग पैटर्न का बेहतर प्रतिनिधित्व किया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार, इस अपग्रेड से वैश्विक निवेशकों और आर्थिक विश्लेषकों के लिए

भारत के आर्थिक आंकड़ों की विश्वसनीयता बढ़ेगी। यह कदम न केवल डेटा की पारदर्शिता को बढ़ावा देता है, बल्कि भारत की आर्थिक निगरानी और नीति निर्माण में सुधार की दिशा में भी महत्वपूर्ण संकेत है।

मेहुल चोकसी को कोर्ट से बड़ा झटका, एफईओ कार्रवाई रद्द करने की याचिका खारिज

▸▸ ईडी के तर्कों को मानते हुए कोर्ट ने कहा, भारत में पेश हुए बिना 'रचनात्मक हिरासत' का दावा स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली

हीरा कारोबारी और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी को एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी (एफईओ) घोषित करने की प्रक्रिया रद्द करने की उसकी याचिका खारिज कर दी। चोकसी ने अपने वकीलों के माध्यम से तर्क दिया था कि वह वर्तमान में बेल्जियम की हिरासत में है और भारत के अनुरोध पर गिरफ्तार किया गया है, इसलिए इसे रचनात्मक हिरासत माना जाना चाहिए।

हालांकि, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस तर्क का कड़े शब्दों में विरोध किया और कहा कि चोकसी विदेश में कानूनी कार्यवाही का विरोध केवल इस उद्देश्य से कर रहे हैं कि उन्हें भारत लाया न जाए। ईडी ने अदालत के सामने यह भी कहा कि जब तक चोकसी भारतीय एजेंसियों को सौंपे नहीं जाते और अदालत के

समक्ष पेश नहीं होते, तब तक उन्हें एफईओ घोषित करने की प्रक्रिया कानूनी रूप से पूरी तरह उचित है। विशेष न्यायाधीश ने ईडी के तर्कों से सहमति जताते हुए चोकसी की अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने माना कि चोकसी लगातार आपराधिक कार्रवाई से बचने की कोशिश कर रहे हैं। चोकसी ने एफईओ घोषित होने का विरोध करने के लिए अब तक 37 आवेदन दायर किए, जिन्हें अदालत ने देरी की रणनीति बताया।

ईडी ने वर्ष 2018 में चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने की याचिका दायर की थी। कानून के अनुसार एफईओ घोषित होने के बाद सरकार मुकदमे की शुरुआत से पहले ही आरोपी की संपत्तियां जब्त कर सकती है। चोकसी जनवरी 2018 में भारत छोड़कर विदेश भाग गया था और उस पर पीएनबी से फर्जी लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग जारी कर आर्थिक लाभ लेने का आरोप है।

दिसंबर में 18 दिन बंद रहेंगे बैंक, डिजिटल सेवाएं चालू रहेंगी

नई दिल्ली

अगर आप दिसंबर में बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाने वाले हैं, तो पहले से योजना बना लें। आरबीआई की हॉलिडे लिस्ट के अनुसार पूरे महीने में कुल 18 दिन बैंक बंद रहेंगे। बैंक हॉलिडे कई बार रीजनल और लोकल त्योहारों से जुड़े होने की वजह से हर राज्य में अलग-अलग होते हैं इसलिए जरूरी नहीं कि पूरे 18 दिन देश भर में एक साथ बैंक बंद रहे।

जानें कब-कहां बंद रहेंगे बैंक-

1 दिसंबर (सोमवार) - ईटानगर और कोहिमा- उद्घाटन दिवस/स्वदेशी आस्था दिवस पर बैंक बंद

3 दिसंबर (बुधवार) - गोवा: सेंट फ्रांसिस जेवियर पर्व पर बैंक बंद

7 दिसंबर (रविवार) - साप्ताहिक अवकाश

12 दिसंबर (शुक्रवार) - शिलांग: पा तोगन नेंगमिनजा संगमा की पुण्यतिथि पर अवकाश

13 दिसंबर (दूसरा शनिवार) - पूरे देश में बैंक बंद

14 दिसंबर (रविवार) - साप्ताहिक अवकाश

18 दिसंबर (गुरुवार) - शिलांग यू सोसो थाम की पुण्यतिथि पर छुट्टी

19 दिसंबर (शुक्रवार) - पणजी: गोवा मुक्ति दिवस पर बैंक बंद

20, 21, 22 दिसंबर (शनिवार, रविवार, सोमवार) - सिक्किम: लोसूंग/नामसूंग और नए साल के उत्सव पर लगातार तीन दिन अवकाश

24 दिसंबर (बुधवार) - आइजोल, कोहिमा, शिलांग: क्रिसमस ईव पर बैंक बंद; बाकी देश में सामान्य कामकाज

25 दिसंबर (गुरुवार) - पूरे देश में क्रिसमस पर बैंक बंद

26 दिसंबर (शुक्रवार) - आइजोल, कोहिमा, शिलांग: क्रिसमस सेलिब्रेशन पर बैंक बंद

27 दिसंबर (शनिवार) - चौथा शनिवार, पूरे देश में अवकाश; कोहिमा में क्रिसमस की वजह से भी छुट्टी

28 दिसंबर (रविवार) - साप्ताहिक अवकाश

30 दिसंबर (मंगलवार) - शिलांग: यू किआंग नांगबाह की पुण्यतिथि पर बैंक बंद

31 दिसंबर (बुधवार) - आइजोल और इंफालः न्यू ईयर ईव और इमोइनु इराटपा पर अवकाश

▸▸ डिजिटल सेवाएं रहेंगी चालू- छुट्टियों के दौरान चिंता की जरूरत नहीं है क्योंकि यूपीआई, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल ऐप और दूसरी डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहेंगी।

आईपीओ से इस साल जुटाई जाएगी 1.6 लाख करोड़ से अधिक पूंजी

▸▸ मीशो, एक्सस और विद्या वायर्स के निर्गम से यह साल आईपीओ के लिए रिकॉर्ड वर्ष बन सकता है

नई दिल्ली

देश का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार इस साल नए रिकॉर्ड की ओर अग्रसर है। विशेषज्ञों के अनुसार मीशो, एक्सस और विद्या वायर्स के निर्गम पूरे होने के बाद आईपीओ के माध्यम से जुटाई गई कुल पूंजी 1.6 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी। यह पिछले साल के 1.59 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को पार कर देगा। इस साल अब तक 93 कंपनियों के आईपीओ आए हैं, जो 2007 के बाद सबसे अधिक संख्या है। मीशो 5,421 करोड़ रुपये, एक्सस 922 करोड़ रुपये और विद्या वायर्स 300 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखती है। साल की शुरुआत में सेकंडरी बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण आईपीओ गतिविधि धीमी रही। मार्च में कोई नया आईपीओ नहीं आया, जबकि अप्रैल में केवल एक ही निर्गम हुआ। मई से बाजार में सुधार हुआ और जुलाई के बाद हर महीने 10 या उससे अधिक आईपीओ आए। विशेष रूप से, सितंबर में 24 से अधिक कंपनियों का सूचीबद्ध होना जनवरी 1997 के बाद किसी एक महीने में सबसे अधिक था। इक्विरस कैपिटल के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस तेजी का मुख्य कारण नए बिजनेस मॉडल वाली कंपनियों का बाजार में प्रवेश है। संस्थागत निवेशक अपने पोर्टफोलियो को नए क्षेत्रों के अनुसार अपडेट करना चाहते हैं और आईपीओ में उन्हें बड़ा हिस्सा मिलता है, जबकि सेकंडरी बाजार में यह मुश्किल होता है।

श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

ललित गर्ग

पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा। सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है। भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती प्रतिष्ठा और उभरती सांस्कृतिक पहचान उसके लिए सबसे बड़ा संकट है।

पाकिस्तान की भारत-निंदा की आदत कोई नई नहीं है; यह उसकी कूटनीति एवं संकीर्ण सोच का स्थायी चरित्र बन चुकी है। ऐसा शायद ही कोई अवसर हो जब भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती साख और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रभावी दृश्य उभरे और पाकिस्तान उसमें संकुचित मानसिकता से भरी त्रासद टिप्पणियां न करे, विरोध का वातावरण न बनाए या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनर्गल आरोपों का पुलिंदा न खोले। हाल ही में अयोध्याजी में श्रीराम मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को लेकर उसकी बौखलाहट इसी मानसिक दिवालियापन का ताजा उदाहरण है। भारतीयता के स्वाभाविक सद्भाव में सेंध लगाने का कोई अवसर पाकिस्तान हाथ से नहीं जाने देता। यह केवल एक धार्मिक समारोह नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता-स्मृति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वह क्षण था जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। पाकिस्तान ने इस ऐतिहासिक घटना का विरोध ही नहीं किया बल्कि इसे संयुक्त राष्ट्र तक ले जाकर शिकायत की, जैसे उसे भारत के हर आंतरिक मामले में बाधा डालना ही अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारी समझ में आता हो। इससे पहले भी उसने राम मंदिर निर्माण के अवसर पर अनर्गल विरोध दर्ज कराया था। यह उसका वह ढर्रा है जो भारत के सांस्कृतिक उत्थान एवं उन्नयन की किसी भी झलक को देखकर सहन नहीं कर पाता।

पूरे कुतर्क एवं कुचेष्टाओं के साथ अपने बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि श्रीराम मन्दिर का ध्वजारोहण भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाने की व्यापक प्रवृत्ति का परिणाम है। वैसे, दुनिया जानती है कि किस देश में अल्पसंख्यक ज्यादा दबाव में हैं। आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का केंद्र बना हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पूरे पाकिस्तान में ईसाइयों और हिंदुओं

के खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न जारी रहा है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत के अनुसार पाकिस्तान की यह दखलअंदाजी केवल अस्वीकार्य ही नहीं, बल्कि उसकी दोहरी मानसिकता और पाखंडी चरित्र को भी उजागर करती है। विडंबना यह है कि जो देश स्वयं अपने ही नागरिकों को सुरक्षित रखने में असमर्थ है, जो अपने ही अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता रहा है, वह भारत में मुसलमानों के अधिकारों की चिन्ता में रातभर जागने का अभिनय कर रहा है। वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेजी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेजी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिसे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान की ओर से जो ह्यबुकलेट्सह्न और ह्यशिकायतेंह्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पेश की जाती हैं, वे वस्तुतः उसकी असफल विदेश नीति का प्रमाण-पत्र हैं। एक ऐसा देश, जो आज आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की जड़ों में स्वयं फंसा हुआ है, वह भारत के आंतरिक धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक संकट बनाने का हास्यास्पद प्रयास करता है। उसका यह व्यवहार न केवल हस्तक्षेपकारी है, बल्कि उकसाने वाला भी है। भारत इन सब निराधार आरोपों को न केवल तथ्यात्मक रूप से खारिज करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर मंच पर सटीक जवाब देने की तैयारी भी रखता है। भारत की नीति स्पष्ट है, वह किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता, परंतु अपने आंतरिक मामलों पर किसी की दखलंदाजी भी स्वीकार नहीं करता। भारत की आंतरिक नीतियाँ संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से संचालित होती हैं। यहां का अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी अन्य समुदाय की तरह समान अधिकारों का उपभोग करता है। भारत की भूमि पर हर धर्म, पंथ और विचारधारा को समान रूप से सम्मान मिलता है। यह विविधता और समभाव वाला देश है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च केवल स्थापत्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के बहुरंगी फूल हैं। पाकिस्तान की एकरंगी धार्मिक नीति और कट्टरपंथी दबदबा इसे समझ नहीं पाता, इसलिए वह भारत के धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति जताकर अपनी ही सीमित सोच को उजागर करता है।

भारत ने हर चुनौती, हर आरोप और हर उत्तेजक बयान का शांतिपूर्ण और तथ्याधारित उत्तर दिया है। यह संयम उसकी शक्ति भी है और संस्कृति भी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत किसी उकसाने वाले कदम को नजरअंदाज करेगा। समय-समय पर भारत ने यह दिखाया है कि वह केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर भी पर्याप्त सक्षम है। पाकिस्तान यह भलीभांति जानता है कि भारत अब इक्कीसवीं सदी का भारत है-आत्मनिर्भर, जागृत, संगठित और विश्व-मान्य शक्ति। अयोध्या में राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से जुड़े सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गूंज है। इसे कोई अंतरराष्ट्रीय मंच कमतर नहीं कर सकता। पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा।सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है। भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती प्रतिष्ठा और उभरती सांस्कृतिक पहचान उसके लिए सबसे बड़ा संकट है। लेकिन भारत का रास्ता स्पष्ट है-वह आगे बढ़ेगा, अपनी सभ्यता को सशक्त करेगा, अपनी संस्कृति को विश्व-पटल पर स्थापित करेगा और किसी भी अनर्गल हस्तक्षेप का दृढ़ता से सामना करेगा। पाकिस्तान चाहे कितने ही मोर्चों पर खतरा बने, भारत हर मोर्चे पर उत्तर देने में सक्षम है-साहस से भी, और संस्कार से भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

संवैधानिक व्यवस्था की व्याख्या

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी है कि राज्यपाल के विधेयकों को लटकाए रखने जैसे मामलों को कोर्ट में नहीं लाया जा सकता। कोर्ट ने ऐसा करने को शक्तियों के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ करार दिया है।

विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले को पलट दिया है। बल्कि उससे भी आगे जाते हुए जस्टिस बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने व्यवस्था दे दी कि राज्यपाल के विधेयकों को लटकाए रखने जैसे मामलों को कोर्ट में नहीं लाया जा सकता। कोर्ट ने ऐसा करने को शक्तियों के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ करार दिया। यानी गुजरे अप्रैल में तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में खुद उसने जो निर्णय दिया, उसके बारे में अब उसकी राय है कि उसने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर व्यवस्था दी! तब सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 200 की व्याख्या करते हुए कहा था कि विधानसभाओं से दोबारा पारित विधेयकों पर राज्यपालों को 90 दिन के अंदर सहमति देनी होगी। ऐसा ना होने पर समझा जाएगा कि संबंधित विधेयक को मंजूरी मिल गई है।

राज्यपालों के जरिए राज्यों के अधिकार क्षेत्र में केंद्र के दखल की शिकायतें गुजरे वर्षों में बढ़ती चली गई हैं। विधानसभाओं से पारित ऐसे विधेयक, जिनसे केंद्र सहमत ना हो, उन्हें कानून ना बनने देने के लिए राज्यपालों ने उन पर दस्तखत ना करने का तरीका अपनाया है। अतः इससे परेशान गैर-एनडीए राज्य सरकारों के लिए सुप्रीम कोर्ट के अप्रैल के फैसले को बड़ी राहत माना गया। समझा गया था कि उस फैसले से सुप्रीम कोर्ट ने फेडरिज्म की रक्षा की है, जो संविधान के बुनियादी ढांचे का प्रमुख पहलू है। मगर उससे केंद्र नाराज हुआ। उसने सीधे पुनर्विचार याचिका दायर करने के बजाय राष्ट्रपति के रेफरेंस से मामले को दोबारा कोर्ट के पास भेजा।

इस दौरान केंद्र ने यह विवादित दलील भी दी कि केंद्र का प्रतिनिधि होने के नाते राज्यपालों की अपनी जन-वैधता है, जिससे वे निर्वाचित राज्य सरकारों के निर्णय को रोक सकते हैं। यानी निर्वाचित सरकारों की वैधता पर राज्यपालों को तरजीह मिलनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय को ऐसी विवादास्पद मान्यता पर मुहर माना जाएगा। इससे फेडरिज्म को लेकर आशंकाएं फिर खड़ी होंगी। धारणा बनेगी कि सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक व्यवस्था की व्याख्या केंद्र की सोच के अनुरूप की है।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

इनोवेशन के लिए साइंस कम्युनिकेशन सबसे जरूरी है

संजय गोस्वामी

आज देश को विज्ञान की सही जानकारी हेतु विज्ञान संचार बहुत जरुरी है, यदि आप बेरोजगार हैं, तो इन वास्तविकताओं का सामना करने से आप अक्सर अभिभूत, उदास और निराश महसूस कर सकते हैं। वैश्विक महामारी के लिए ये वैध प्रतिक्रियाएं हैं, लेकिन इनोवेशन के लिए साइंस कम्युनिकेशन या विज्ञान संचार सबसे जरूरी है सकारात्मक बने रहेगें विज्ञान संचार को हम यूं समझ सकते है, जैसे कि वैज्ञानिक जानकारियों जहां से पैदा हो रही हैं। वहां से लेकर उन जानकारियों के प्रयोग करने वालों तक पहुंचाना। इसके लिए विभिन्न प्रकार के माध्यम अपनाए जाते हैं। विज्ञान संचार को दो भागों में बांटा जा सकता है। पहला शोधपरक विज्ञान संचार और दूसरा लोकप्रिय विज्ञान संचार। लैब में होने वाले शोधों की जानकारी तकनीकी भाषा में होती है। इसे आम आदमी सुगमता से नहीं समझ सकता। लोकप्रिय विज्ञान संचार में यह परेशानी आती है कि विज्ञान की कठिन बातों को सरल कैसे बनाया जाए और आम लोगों तक पहुंचाया जाए। सबसे बड़ी समस्या यह है कि रिसर्च पेपर की भाषा को आम लोग समझ नहीं पाते और वैज्ञानिक आम जन की भाषा को नहीं समझ पाते। यहीं पर परेशानियां पैदा होती हैं। वास्तव में विज्ञान के जटिल तर्कों को सरल भाषा में जो भी आम लोगों तक पहुंचा देगा वही एक सफल विज्ञान संचारक कहलाएगा। वास्तव में विज्ञान संचार के दो प्रमुख उद्देश्य हैं-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की जानकारी आम जन तक पहुंचाना और उनमें वैज्ञानिक-तकनीकी दृष्टिकोण का विकास करना। किसी भी व्यक्ति में जब वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाहित होने की बात की जाए तो इसका अर्थ यह होगा कि उसमें सोच, आचरण, व्यवहार और निर्णय लेने के स्तरों पर वैज्ञानिकता की छाप अवश्य दिखे।इसी छाप को अखिल भारतीय स्तर पर बनाये रखने के लिए हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई द्वारा पिछले 57 वर्ष से लगातार विज्ञान संचार किया जा रहा जिसमें किसी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष श्री आर के मिश्र का हिंदी विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनके हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में भारतीय वैज्ञानिक द्वारा हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव मुंबई में रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है। अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची इसमें परिषद के पूर्व कार्यकारी सचिव श्री राजेश कुमार मिश्र का सबसे अधिक और अहम् योगदान रहा जो इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक और हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र , दिनांक 30. 11.2025 मे केंद्र से सेवानिवृत्त हो रहे हैं । फिलहाल वे परिषद द्वारा प्रकाशित होने वाली राष्ट्रीय पत्रिका के संपादक मंडल मे हैं इसके पूर्व उन्होंने जून 2022 से सितम्बर 2025 तक वैज्ञानिक पत्रिका के मुख्य संपादक के रूप में सफलतापूर्ण कार्य किया।उनके कार्यकाल में जो अंक प्रकाशित हुए उसमें आजादी के अमृत महोत्सव पर देश में विज्ञान का 75 साल में विकास, टेक्नोलॉजी विशेष अंक, वैज्ञानिक अनुक्रम विशेष,विज्ञान संचार विशेष, महान वैज्ञानिक योगदान अंक, व हाल ही में महान वैज्ञानिक परमाणु वैज्ञानिक डॉ आर चिदंबरम जो पूर्व में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार थे जिनका 1998 में भारत के पोखरण -2 में मुख्य भूमिका रही उनके निधन पर श्रद्धांजलि के रूप में डॉ आर चिदंबरम स्मृति अंक वैज्ञानिकों व विज्ञान पाठकों के लिए बहुत ही शानदार रहा जिसके लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव महोदय ने अंक हेतु अपनी शुभकामना संदेश देकर वैज्ञानिक में नई संजीवनी दि, जो विज्ञान के प्रकाश से जगमगाते रहे।श्री राजेश कुमार मिश्रजी ने विज्ञान संचार हेतु वैज्ञानिक को नवाचार और देश के विज्ञान गतिविधियों को पत्रिका में स्थान देकर देश को विज्ञान संचार के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है और लगातार अपनी सेवा निस्वार्थ भाव से देते आ रहें है।इसके पहले वे वह हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद में लगभग 18 सालों या उससे अधिक समय से सक्रिय रूप से जुड़े रहे इसके लिए उन्होंने परिषद द्वारा आयोजित कई राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में संयोजक के रूप मे महत्वपूर्ण योगदान दिया व हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद द्वारा आयोजित प्रश्न मंच कार्यक्रम मे भी संयोजन मे सफलतापूर्वक काम किया हिंदी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु परिषद द्वारा उन्हे हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद स्वर्ण जयंती समारोह, में भारत के महान वैज्ञानिक स्व डॉ चिदंबरम जैसे महान वैज्ञानिक को मंच पर मुख्य अथिति के रूप में बुलाये जाने का पूरा श्रेय जाता है।इसके अलावा वे विज्ञान वार्ता, स्वास्थ्य संगोष्ठी, वैज्ञानिक पत्रिका के व्यवस्थापण मे भी मुख्य भूमिका प्रदान किया गया. उन्होंने विज्ञान अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी, दोनों ही क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। एक प्रभावी विज्ञान संचारक के नाते जन सामान्य संबंधित विषयों की वैज्ञानिक जानकारी/ज्ञान के संचार तथा लोकप्रियकरण की दिशा में स्वयंसेवी भाव से लगातार कार्य करते रहे हैं और वैज्ञानिक पत्रिका मे संपादक मंडल मे बने रहेंगे। सेवानिवृत्ती के अवसर पर आपको हिंदी विज्ञान में उल्लेखनीय योगदान हेतु अनेक बधाइयां तथा भविष्य के सुखद एवं निरोगी सुदीर्घ पारिवारिक जीवन के लिए शुभकामनाएं !.हिंदी विज्ञान में उनके अहम् योगदान हेतु पूरा देश गौरव महसूस करेगा हिंदी विज्ञान के लिए किया गया उनका कार्य निश्चित रूप से सभी को प्रेरणा देगी । निश्चित तौर पर विज्ञान संचारकों के लिए वैज्ञानिकता का प्रचार प्रसार करना एक बड़ीचुनौती है। विज्ञान संचार के लिए खोजे गए सूत्रों और तत्वों के आधार पर बहुत कुछ किया जा सकता है। नए पीढ़ी के लोगों के लिए चुनौतियां काफी हैं। यह भी साफ है कि केवल विज्ञान की जानकारी रखने वाले लोग ही अच्छे विज्ञान संचारक नहीं होते बल्कि जिनमें वैज्ञानिक समझ विकसित हो जाती है ,अतः विज्ञान संचार बहुत जरुरी है ।

(यह लेखक के व्यक्तगत हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उच्च लक्ष्य प्राप्ति के लिए पलायन भी आवश्यक

हरे राम पंडित

विद्यार्थी पंच लक्षण श्लोक है काक चेष्टा,बको ध्यानं,स्वान निद्रा तथैव च।

अल्पाहारी, गृह त्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं।।

इसका अर्थ है एक अच्छे विद्यार्थी में कौए की तरह प्रयत्नशील रहना, बगुले की तरह एकाग्रता से ध्यान लगाना, कुत्ते की तरह हल्की नींद लेना,कम भोजन करना और घर का त्याग कर गुरु के पास रहना जैसे पांच लक्षण होने चाहिए। यहां ऐसे पांचों लक्षण आवश्यक हैं लेकिन उसमें शिक्षा ग्रहण करने हेतु घर का त्याग करना और गुरुकुल में गुरु जी के साथ रह कर शिक्षा प्राप्त करना भारतीय संस्कृति में आदि काल से रहा है।

वर्तमान समय में घर का त्याग करना घर से पलायन ही है, परन्तु लक्ष्य उच्च हैं।

पलायन का उद्देश्य, लक्ष्य प्राप्ति की आकांक्षा, परिवार, समाज, राज्य अथवा देश की परिस्थिति, वास्तविक जीवन की चुनौतियां, पलायन की अवधि, आदि बातें पलायन को सकारात्मक अथवा नकारात्मक की श्रेणी में रखता है।

शिक्षा प्राप्ति बाल काल से ही अति आवश्यक है। उत्तम एवं विशेष शिक्षा प्राप्ति के लिए छात्रों को कक्षा पांच,छह से ही घर से पलायन करना पड़ता है।जो छात्र बचपन से ही गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, सैनिक स्कूल की शिक्षा, विज्ञान विषयों की शिक्षा, वैदिक शास्त्रों की विद्या ग्रहण करने में इच्छा रखते हैं, वैसे प्रतिष्ठित विद्यालय में प्रवेश चाहते, उसके लिए तैयारी करते हैं, फिर नामांकन के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में सफल होते हैं और प्रवेश पाते हैं। उदाहरण स्वरूप नेतरहाट विद्यालय, राम कृष्ण मिशन स्कूल, सैनिक स्कूल, एंग्लो वैदिक विद्यालयों, गुरुकुलों में नामांकन पाने के बाद छात्र छात्राओं को घर से पलायन करना पड़ता है जो सार्थक, उचित एवं आवश्यक भी है। प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा यानी मेडिकल, इन्जिनियरिंग, एकाउंटेंसी, इतिहास, भूगोल, पर्यावरण संरक्षण आदि में स्नातकोत्तर, डाक्टोरेट करने के बाद आजीविका अर्जन हेतु डाक्टरी पेशा में इन्जिनियरिंग सेवा में,प्रशासनिक ,पुलिस, विदेश,वन, रेलवे आदि सेवा के लिए घर से पलायन आवश्यक है और अवधि भी अधिक होती है। व्यापार करने के लिए भी पलायन सकारात्मक एवं आवश्यक है।व्यापार करने हेतु बड़े अथवा विकास कर रहे शहरों को रुख करना अतिआवश्यक है व्यापारियों के लिए। लोकोक्ति भी है 'जहां न जाए बैलगाड़ी वहां भी जाए मारवाड़ी'। यह लोकोक्ति यह बताता है कि व्यापार, धंधा के लिए किसी एक जगह से आसक्ति नहीं होनी चाहिए। जहां भी धंधा फल-फूल सकता है वहां जाने के लिए व्यापारी वर्ग जाने में थोड़ा भी हिचकिचाते नहीं है और ऐसा पलायन सर्वथा उचित एवं उत्साहवर्धक है।

उच्च शिक्षा प्राप्त युवकों द्वारा विदेशों में नौकरी करना, रोजी-रोटी कमाना तक तो ठीक है, चूंकि अपने देश में उस स्तर के उधोग, सुविधाएं, इन्फ्रास्ट्रक्चर, अन्वेषण की सुविधा उपलब्ध नहीं हैं। परन्तु स्थायी रुप से रहना, एन आर आई होकर विदेशों में नौकरी करना फिर वहीं का होकर रह जाना उस व्यक्ति अथवा परिवार के लिए भले ही उसका पलायन सकारात्मक दिशा में रहा हो, लेकिन देश से पलायन करना देश के लिए मानव संसाधन का ह्रास एवं ब्रेन ड्रेन माना जाएगा जो देश के हित में नहीं है।

भारत की परंपरा में भगवान राम ने, भगवान कृष्ण ने, अनेकों सिद्ध पुरुषों ने ज्ञान प्राप्त करने हेतु गृह त्यागी बने, लेकिन यह गृह त्याग होना ही चाहिए। भगवान बुद्ध ने तो ज्ञान प्राप्त करने एवं ज्ञान प्राप्त करने के बाद उसका प्रचार प्रसार करने हेतु भारत से श्री लंका, तिब्बत,जापान आदि देशों में भ्रमण किया। अध्यात्म में तो प्रायः साधु संत घर से पलायन कर ही जाते हैं। कुछ लोग ही गृहस्थ जीवन में रह कर संत महात्मा का दर्जा प्राप्त करते हैं।

वर्तमान समय में कुछ राज्यों, जिसमें बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बंगाल एवं कुछ राज्यों में मानव संसाधन का पलायन उस राज्य के लिए अभिशाप माना जाता है, चूंकि यहां से मानव संसाधन के पलायन के मुख्य कारणों में बेरोजगारी, गरीबी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, बेहतर आर्थिक और सामाजिक अवसरों की तलाश, और प्राकृतिक आपदाएं या राजनीतिक संघर्ष शामिल हैं।ये ह्पुशह्कारक हैं जो लोगों को उनके मूल स्थान से दूर जाने के लिए मजबूर करते हैं। इस श्रेणी में प्रायः मजदूरी करने वालों की बहुत बड़ी आबादी है जो मजबूरी में अपने राज्य को छोड़कर अन्य राज्यों अथवा बड़े शहरों में कमाने के लिए जाते हैं। जबकि ह्पुलह्कारक गंतव्य स्थान पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों जैसे बेहतर अवसरों की ओर आकर्षित करते हैं।

इन राज्यों से पलायन के आर्थिक कारण बहुत ही महत्वपूर्ण कारण है।

* बेरोजगारी और गरीबीः रोजगार के अवसरों की कमी और गरीबी लोगों को बेहतर आजीविका की तलाश में पलायन करने पर मजबूर करती है।

* * ग्रामीण शहरी असमानताः ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित रोजगार की कमी और क्षेत्रीय विकास में असमानता, लोगों को बेहतर आर्थिक अवसरों के लिए शहरों की ओर ले जाती है।

* * मशीनीकरणः कृषि कार्यों में मशीनों के आ जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में कम रोजगार उपलब्ध होता है जो लोगों को पलायन के लिए मजबूर करता है।

* इन राज्यों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित व्यवस्था नहीं है तो बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अन्य शहरों, राज्यों में पलायन करते हैं। बुनियादी ढांचे, जैसे कि ऊर्जा, और उद्योग के क्षेत्र में विकास न होना भी पलायन का कारण है। बिहार में उद्योग और उर्जा के क्षेत्र विकास की बहुत कमी है।

* कुछ विशेष परिस्थितियों में राजनीतिक अस्थिरता, जातीय अथवा सांप्रदायिक संघर्ष, डेमोग्राफी में परिवर्तन से उत्पन्न उत्पीड़न लोगों को अपने घरों से दूर जाने के लिए मजबूर कर सकते हैं। कभी कभी प्राकृतिक आपदाएं, जैसे पिछले 2021-22 में कोरोना महामारी में कल कारखानों में काम बन्द हो जाने से, पूरा लाकडाउन लग जाने से मजदूरों को अपना रोजी रोजगार छोड़ कर वापस घर के लिए पलायन करना पड़ा था। बाढ़,सूखा, भूकंप, चक्रवात, और सुनामी आदि भी लोगों को विस्थापित कर सकती हैं। कभी कभी जलवायु, राज्य की भौगोलिक स्थिति, जैसे कि झारखंड में एक फसल की खेती, सूखा हो जाने से एक भी फसल का नहीं होना यहां के गरीब लोगों को पेट और परिवार चलाने के लिए यहां से दूसरे राज्यों, बड़े बड़े शहरों में पलायन करना पड़ता है।

* आधुनिक दुनिया में लोग तनाव, असुरक्षा, सूचना के अतिभार और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से बचने के लिए पलायनवाद की ओर आकर्षित होते हैं।लोग अपनी दिनचर्या से स्वतंत्रता की सोच के साथ जीने,नये अनुभवों की तलाश करने अथवा अपनी चिंताओं से दूर होकर शांति या अर्थ की खोज करने के लिए ऐसा करते हैं। यह वास्तविक जीवन की चुनौतियों में कुछ हद तक मददगार साबित हो सकता है। परन्तु इसका दूसरा पहलू जीवन की चुनौतियों से निपटने में अपने को अक्षम समझते हुए पलायनवादी होते हैं जो एक भगोड़ा भी कहा जा सकता है।

परन्तु ऐसा मानना भी पूर्णतया उचित नहीं है, यह परिस्थिति पर निर्भर करता है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

इस डर से बिग बॉस 9 में एंट्री नहीं ले पाई थीं नोरा फतेही

एक्ट्रेस-डांसर नोरा फतेही ने रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 9 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। यह शो अक्तूबर 2015 से जनवरी 2016 तक एयर हुआ था। उन्होंने शो के 58वें दिन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री की थी। क्या आप जानते हैं कि उस समय उन्हें शुरू में मेन कंटेस्टेंट में से एक के तौर पर शामिल होने के लिए अप्रोच किया गया था? इस बारे में नोरा फतेही ने अपनी बात रखी है।

गलतफहमी की वजह से हुआ बातचीत में नोरा फतेही ने बताया बिग बॉस ने शुरू में मुझे मेन कंटेस्टेंट में से एक बनने के लिए अप्रोच किया था। इस पर मैंने उन्हें मना कर दिया था। मुझे लग रहा था कि मैं इस तरह की चीजों के लिए तैयार नहीं हूं। यह गलतफहमी की वजह से हुआ। मुझे लगा कि लोग मुझे नहीं समझ पाएंगे। तब मैं छोटी थी और अपने आपको को समझने की कोशिश कर रही थी। मुझे लगा कि लोग अलग तरह से बर्ताव करेंगे इसलिए मैं मुसीबत में पड़ने के लिए तैयार नहीं थी।

वाइल्ड कार्ड के जरिए हुई एंट्री

नोरा ने आगे बताया कि जब मेकर्स ने वाइल्ड कार्ड एंट्री के जरिए उन्हें अप्रोच करने की कोशिश की तो उन्होंने हां कह दी। उन्होंने कहा तो जब वे वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए वापस आए, तो मुझे लगा कि ठीक है, शायद कुछ हफ्ते लगेंगे। मैं ऐसा कर सकती थी। मैं चाहती थी कि मैं दुनिया को बता दूं कि मैं यहां हूं।

झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं नोरा

नोरा ने कहा बताया कि वह शो झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं। उन्होंने सोचा कि वह अगर बिग बॉस में जाएंगी तो उन्हें झलक दिखला जा में जाने में मदद मिलेगी इसलिए वह बिग बॉस में गईं। बिग बॉस से बाहर आने के तुरंत बाद उन्हें झलक दिखला जा का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया।

शुभांगी अत्रे ने रिप्लेसमेंट पर तोड़ी चुप्पी

शिल्पा शिंदे फिर बनेंगी अंगूरी भाभी

टीवी के पॉपुलर शो भाबी जी घर पर हैं में 10 साल बाद बड़ा बदलाव होने जा रहा है। शो में 10 साल से अंगूरी भाभी का रोल निभाने वाली शुभांगी अत्रे ने शो को अलविदा कह दिया है। इससे पहले एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे अंगूरी भाभी का किरदार निभाती थीं लेकिन 10 साल पहले शुभांगी ने उन्हें रिप्लेस किया था। अब खबरों की माने तो फिर से इस रोल में शिल्पा शिंदे की वापसी हो रही है। इंटरव्यू में शुभांगी ने अपनी जर्नी पर बात करते हुए कहा- मैंने हमेशा मिसेज कोहली से कहा था कि शो में मेरा सफर आन, बान और शान से शुरू होगा और वैसे ही खत्म होगा। मैं इससे अच्छे फेयरवेल की उम्मीद नहीं कर सकती थी। मुझे क्यों रिप्लेस किया जा रहा है, उसमें उलझने का कोई मतलब नहीं है। मैं इसे एक आशीर्वाद के रूप में देखती हूं। क्योंकि एक आर्टिस्ट के रूप में, मैं नए किरदारों को तलाशना चाहती हूं। यहां से निकलने के बाद फिर से काम की तलाश करूंगी। लाइफ में इतना कुछ देखने के बाद, अब मैं पूरी तरह से तैयार हूं और सिर्फ अपनी बेटी और काम पर फोकस कर रही हूं। शुभांगी ने आगे कहा- '10 साल जिस शो का हिस्सा रही हूं, उसे छोड़ना इमोशनल कर रहा है। शो छोड़ना घर छोड़ने जैसा है। शूट के आखिरी दिनों में काफी इमोशनल हो गई थी। अंगूरी का किरदार मेरे लाइफ का हिस्सा बन गया था। मैं इस शो की शुक्रगुजार हूं क्योंकि इसने मुझे बहुत कुछ दिया है।' शुभांगी ने शो में शिल्पा शिंदे की वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा- 'मैं अब इस

रिप्लेसमेंट गेम को खत्म कर रही हूं। मैंने अपनी मां से कहा कि शिल्पा ने इस शो को 9-10 महीने में छोड़ दिया था। उस वक्त मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे वो न्यूबॉर्न बेबी सौंपकर गई हैं। आज वो बच्चा 10 साल का हो गया है। अब मैं इसे वापस कर रही हूं। मैंने 10 साल तक उसे वैल्यू और संस्कार दिए। मैं शिल्पा शिंदे और पूरी टीम को इस शो के 2.0 वर्जन के लिए ऑल द बेस्ट कहूंगी।' शुभांगी ने छोटे पर्दे पर एकता कपूर के शो कसौटी जिंदगी की से करियर की शुरुआत की थी। उसके बाद कस्तूरी में मेन लीड में नजर आईं। इस शो से शुभांगी को काफी पॉपुलैरिटी मिली। भाबी जी घर पर हैं शो से जुड़ने से पहले शुभांगी दो हंसों का जोड़ा शो में भी नजर आई थीं।

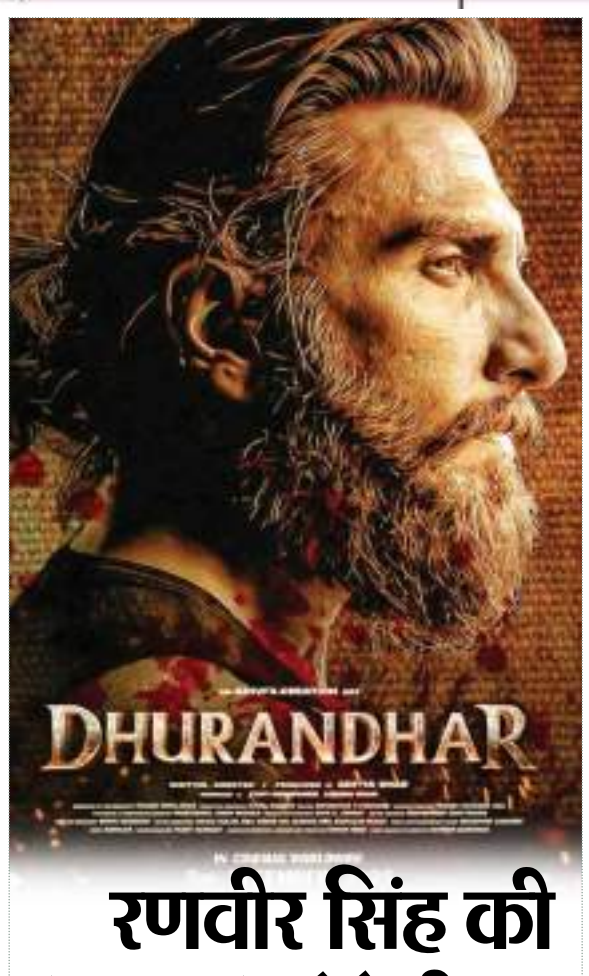

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' तोड़ेगी 17 वर्षों का रिकॉर्ड!

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' के रिलीज का इंतजार दर्शकों को बड़ी बेसब्री से है। इस फिल्म के रन टाइम को लेकर बड़ी जानकारी आई है कि अब 17 वर्षों का रिकॉर्ड टूटने वाला है। यह फिल्म दो और तीन घंटे से भी अधिक अवधि की होने वाली है।

इतने घंटे की होगी फिल्म

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म 'धुरंधर' की लंबाई लगभग 3 घंटे 32 मिनट बताई जा रही है। रिपोर्ट्स में कहा गया, 'अभी अंतिम रनटाइम को सीक्रेट रखा गया है। लेकिन उम्मीद है कि यह लगभग 3.5 घंटे लंबा होगा। सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट हासिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कुछ दिनों में जब सीबीएफसी फिल्म को पास कर देगा, तब इसकी सही रनटाइम पता चल पाएगी।'

अवधि लंबे होने की क्या है वजह?

आगे बताया गया कि 'फिल्म 'धुरंधर' एक लॉन्ग स्टोरी पर आधारित है। इसी वजह से इसकी अवधि लंबी है। आपको बताते चलें कि रिपोर्ट्स में उरी द सर्जिकल स्ट्राइक, आर्टिकल 370 जैसी फिल्मों का तर्क देते हुए कहा गया कि इन फिल्मों की तरह ही धुरंधर की कहानी भी दर्शकों को अंत तक बांधने वाली होगी। इसके साथ ही बता दें कि फिल्म धुरंधर को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। ऐसी भी जानकारी है।

17 वर्षों का टूटेगा रिकॉर्ड

अगर यह जानकारी सच साबित होती है, तो फिल्म 'धुरंधर' लगभग 17 वर्षों में रिलीज हुई सबसे लंबी बॉलीवुड फिल्मों में से एक बनने वाली है। आखिरी फिल्म, जो लिस्ट में है। वह फिल्म जोधा अकबर है, जो साल 2008 में रिलीज हुई थी। इसका रनटाइम 3 घंटे 34 मिनट था।

5 दिसंबर को रिलीज होगी 'धुरंधर'

आदित्य धर द्वारा लिखित और निर्देशित 'धुरंधर' में एक भारी भरकम स्टारकास्ट नजर आने वाली है। इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, आर माधवन और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। माना जा रहा है कि यह एक स्पाई-थ्रिलर एक्शन फिल्म होगी।

किस किसको प्यार करूं 2

चार पत्नियों के चक्कर में उलझे कपिल शर्मा

कॉमेडियन कपिल शर्मा की अपकमिंग फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 की रिलीज का दर्शकों को काफी इंतजार है। इससे पहले इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म किस किसको प्यार करूं का सीक्वल है। किस किसको प्यार करूं 2 के ट्रेलर में दिखाया गया है कि कपिल शर्मा गलतफहमी के चलते तीन शादियां कर लेते हैं। इसके बाद वह तीनों पत्नियों की डिमांड पूरी करते-करते परेशान हो जाते हैं। तीनों पत्नियों के घर वाले कपिल शर्मा को अपना दामाद समझते हैं और उन पर अपना हक जमाते हैं। इसके बाद एक पुलिस वाला कपिल शर्मा से मिलता है। पुलिस वाला कपिल से कहता है कि वह उस इंसान की तलाश में हैं, जिसने तीन शादियां की हैं और अब चौथी करना चाहता है।

रिवील हुई फिल्म की रिलीज की तारीख

कपिल शर्मा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 का ट्रेलर शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है चार पत्नियां। इसे घर पर करने की कोशिश न करें। यह स्टंट हमारे एक्सपर्ट

ने किया है। किस किसको प्यार करूं 2 सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को रिलीज हो रही है।

यूजर्स ने किए कमेंट

किस किसको प्यार करूं 2 का ट्रेलर दर्शकों को अच्छा लगा है। ट्रेलर में असरानी की झलक दिखी है। उन्होंने इस पर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है असरानी सर। एक और यूजर ने लिखा है असरानी को देखकर अच्छा लगा। एक और यूजर ने लिखा है ट्रेलर बहुत अच्छा है। फिल्म का इंतजार है।

फैंस की वजह से हफ्ते में एक बार रो पड़ती हैं अनीत पड्डा

अनीत पड्डा ने हाल ही में बताया कि वह बहुत जल्दी इमोशनल हो जाती हैं। वह हफ्ते में एक बार कुछ ऐसा देख लेती हैं कि खुद को रोने से रोक नहीं पाती हैं। उनका कहना है कि इन खास चीजों में उनको प्यार महसूस होता है। जिससे उन्हें अपने काम को और बेहतर करने का दबाव भी महसूस होता है। 23 साल की अनीत ने ग्राजिया इंडिया से बातचीत में कहा, मैं बहुत संवेदनशील हूं। जो प्यार मुझे फैंस से मिल रहा है, उसके साथ न्याय करने की जिम्मेदारी कभी-कभी भारी लगती है। ये बहुत खूबसूरत है, लेकिन कई बार बहुत ज्यादा भी हो जाता है। अनीत कहती हैं कि फैंस का इतना प्यार देखकर अच्छा लगता है, लेकिन उम्मीद भी बढ़ जाती है कि वह उस प्यार के लायक बनें। यही वजह है कि फैन एडिट्स देखकर उनकी आंखें भर आती हैं।

अनीत का करियर

अनीत ने मॉडलिंग से अपना करियर शुरू किया। 2022 में उन्होंने काजोल के साथ फिल्म सलाम वेंकी से छोटी भूमिका निभाई, लेकिन उन्हें असली पहचान नहीं मिली। इसके बाद 2024 में अनीत ने वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में अभिनय किया, लेकिन फिर भी लोगों ने उन्हें नोटिस नहीं किया। साल 2025 में फिल्म 'सैयारा' ने उन्हें रातोंरात सुपरस्टार बना दिया। अहान पांडे के साथ फिल्म सैयारा अनीत के करियर की ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई।

अनीत का वर्कफ्रंट

अनीत पड्डा जल्द ही हॉरर-कॉमेडी फिल्म शक्ति शालिनी में नजर आएंगी। शक्ति शालिनी मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की एक आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अनीत पड्डा मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म दिसंबर 2026 में रिलीज हो सकती है।

मुंबई में समझी सेफ होना कैसा महसूस होता है

नाटक हों या विज्ञापन की दुनिया या हो फिल्में या फिर ओटीटी, निमरत कौर ने खुद को हर जगह साबित किया। द लंचबॉक्स जैसी फिल्म से सभी का दिल जीतने वाली ये एक्ट्रेस एयरलिफ्ट और दसवी जैसी फिल्मों में नजर आईं। पिछले दिनों वेब सीरीज कुल में सराही गई निमरत इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज द फैमिली मैन के सीजन 3 के नेगेटिव रोल से।

अब तक आप परदे पर काफी मजबूत महिला किरदारों में नजर आई हैं, मगर आम जिंदगी में आपको लड़कियों से जुड़ी कौन-सी बात सबसे ज्यादा परेशान करती है?

लड़की होने के साथ जो असुरक्षा की भावना जुड़ी है, वो दुनिया के किसी भी प्रोफेशन या जगह से बड़ी है। मैं दिल्ली में पली-बढ़ी हूं, और जब मुंबई आई, तो पहली बार समझ में आया कि 'सेफ होना कैसा महसूस होता है'। और उसी समय यह सवाल और गहरा हुआ कि मुझे पहले कभी ऐसा क्यों नहीं लगा? यह मुद्दा सिर्फ दिल्ली या किसी एक शहर का नहीं। काम, समर्पण, मेहनत, ये सब हम भी उतनी ही करती हैं, जितना कोई भी इंसान करता है, फिर हम क्यों सबसे पहले खुद को सुरक्षित रखने की जद्दोजहद में लगे रहें? क्यों किसी लड़की को यह 'फायदा' लगे कि 'अच्छा है, यहां सेफ्टी ज्यादा है'? सेफ्टी कोई सुविधा नहीं, हमारा हक है। सुरक्षित रहना मेरा और हर लड़की का, जन्मसिद्ध और मौलिक अधिकार है। इस पर सवाल ही नहीं उठना चाहिए।

एक एक्ट्रेस के रूप में आज आपके लिए रोल लिखे जाते हैं, शहर की होर्डिंग्स में आपके शोज या फिल्मों के बड़े-बड़े पोस्टर लगते हैं, मगर आपको अपने करियर का होर्डिंग पर लगा पहला पोस्टर याद है?

बिलकुल याद है। वो पोस्टर था द लंचबॉक्स का। मुंबई के जुहू सर्कल पर हमेशा विशाल होर्डिंग्स लगते थे और किसी ने बताया कि वहां हमारी फिल्म का भी एक बड़ा सा पोस्टर लगा है। उस समय सोशल मीडिया का शोर इतना नहीं था, तो मेरे उत्साह का अंदाजा आप लगा सकते हैं। मैं बार-बार सोच रही थी, अरे, मेरा इतना बड़ा पोस्टर!' और उसे देखने खुद पहुंच गई। लेकिन जब मैंने वो होर्डिंग देखा मैं उसमें उल्टी थी! इरफान चिट्ठी पढ़ते और खाना खाते दिख रहे थे, और मेरी तस्वीर उल्टी लटक रही थी।

आज एक तरफ आपके द्वारा किए जाने वाले शो जैसे लॉन्ग फॉरमेट कॉन्टेंट हैं और दूसरी तरफ आज 2-3 मिनट के माइक्रो ड्रामा के रूप में वर्टिकल शोज का चलन देखने को मिल रहा है, क्या कहना चाहेंगी?

मैं आपको बताऊं, मैंने कई सालों तक विज्ञापन फिल्मों में काम किया है और उसमें तो आप 20-30 सेकेंड्स में प्रोडक्ट को बेच कर निकल जाते हैं, तो मुझे एड्स में अनुभव है, इस तरह के काम करने का। मेरा मानना है कि लॉन्ग फॉर्मेट हो या माइक्रो ड्रामा, एंगेजिंग होना चाहिए।

खुशकिस्मत हूं कि मुझे सीरीज में नकारात्मक किरदार मिला

अदाकार के जीवन जरूर ऐसा आता है, जब वो कुछ अलग तरह की भूमिकाएं करने का इच्छुक होता है। बहुत बार ऐसा होता है कि किरदार आपको चुन रहे होते हैं न कि आप चरित्र को। मैं बहुत खुशकिस्मत मानती हूं खुद को कि मुझे इस सीरीज में नई एंट्री के रूप में एक नकारात्मक किरदार मिला है। इससे पहले भी मैं फिल्म दसवीं और कुल जैसी सीरीज में ग्रे किरदार कर चुकी हूं। मैं आपको एक दिलचस्प बात बताऊं, करियर के शुरुआती दौर में हॉलीवुड सीरीज होमलैंड में भी मेरा नेगेटिव किरदार था। किरदार पॉजिटिव हो या नेगेटिव उसे सुनकर मजा आए, तो निभाने का अलग ही मजा होता है। जाहिर है आप अपनी जिंदगी का एक बहुत बड़ा हिस्सा उस रोल को दे रहे होते हैं। मुझे साल दर साल अपनी भूमिकाओं से याद हैं कि द लंचबॉक्स मैंने 2013 में की थी, तो होमलैंड 2019 में की थी। एक एक्टर को अपना पार्ट निभाना होता है, एक शिद्दत के साथ, मगर जब आपके साथी कलाकार कमाल के हों, तो रोल को करने का मजा बढ़ जाता है। अब जैसे इस सीरीज में मैं 110 फिल्में कर चुके मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का मौका मिला। इनके साथ काम करके बहुत कुछ सीखने को मिला कि इतना लंबा समय एक्टिंग के फील्ड में बिताने के बावजूद इनकी अप्रोच भूमिका को लेकर कितनी पैशनेट हैं। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की हो।

टीम इंडिया बनाम साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज का आगाज आज से

- फैंस उत्साहित एक बार फिर मैदान पर दिखेगी रोहित और विराट की जोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है। इस सीरीज का पहला मुकाबला रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले टेस्ट सीरीज में साउथ अफ्रीका ने भारत को 0-2 से क्लीन स्वीप किया था, ऐसे में भारतीय टीम की नजरें अब वनडे सीरीज में वापसी और बेहतर प्रदर्शन करने पर टिकी हैं।

भारतीय टीम इस सीरीज में नियमित कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण केएल राहुल के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगी। वहीं, फैंस रोहित शर्मा और विराट कोहली की जोड़ी को एक बार फिर मैदान पर देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस जोड़ी की वापसी से टीम इंडिया के बल्लेबाजी क्रम में अनुभव और मजबूती आने की उम्मीद जताई जा रही है, जो इस सीरीज में बड़े मैचों में निर्णायक साबित हो सकती है।

पहला मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस के लिए दोनों कप्तान 1 बजे मैदान पर उतरेंगे। रांची का यह मुकाबला भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक होने वाला है, क्योंकि टीम इंडिया यहां अपनी वनडे ताकत का प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीत दर्ज करने का प्रयास करेगी।

भारत को इस सीरीज में संतुलित बैटिंग और गेंदबाजी प्रदर्शन दिखाना होगा। वहीं, साउथ अफ्रीका भी टेस्ट सीरीज की हार के बाद सुधार और जीत की कोशिश करेगी, जिससे मुकाबले में रोमांच और बढ़ जाएगा। यह सीरीज क्रिकेट प्रेमियों के लिए खिलाड़ियों की फार्म और रणनीति को परखने का शानदार अवसर होगी। तीन मैचों की इस वनडे सीरीज में रांची के पहले मैच से ही हाई-टेंशन क्रिकेट देखने को मिलेगा। टीम इंडिया की रणनीति,

खिलाड़ियों की फार्म और मैच के दौरान होने वाले रोमांचक पल इस सीरीज को विशेष बनाएंगे। वनडे सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर भारत और साउथ अफ्रीका की आगामी दौड़ और रणनीतियों का भी अंदाजा लगाया जा सकेगा।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत - रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, केएल राहुल (कप्तान, विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल

साउथ अफ्रीका - टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नंद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी ज़ोरज़ी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को जेनसेन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रयान

डब्ल्यूपीएल 2026: एमआई और आरसीबी से शुरू होगा नया सीजन, फाइनल वडोदरा में

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का आगाज़ 9 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) और 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मैच से होगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को इस सीजन का शेड्यूल जारी किया। उन्होंने बताया कि नवी मुंबई में दो डबल-हेडर मुकाबले होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 5 फरवरी को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल 2026 के पहले चरण में 9 से 17 जनवरी तक नवी मुंबई में कुल 11 मुकाबले होंगे। इसके बाद शेष 11 मैच वडोदरा में खेले जाएंगे, जिनमें प्लेऑफ भी शामिल हैं। वडोदरा लेग का आगाज़ गुजरात जायंट्स और आरसीबी के बीच मुकाबले से होगा। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच 2025 के फाइनल का री-मैच भी होगा। मुंबई इंडियंस इस सीजन डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतर रही है, जबकि आरसीबी खिताब जीतने वाली दूसरी टीम है। लीग स्टेज 1 फरवरी को समाप्त होगी। इसके बाद दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में हिस्सा लेंगी, जबकि टेबल टॉपर सीधे 5 फरवरी को फाइनल में पहुंचेगी। डब्ल्यूपीएल 2026 का यह नया सीजन खिलाड़ियों और फैंस दोनों के लिए रोमांचक रहने वाला है, जिसमें नवी मुंबई और वडोदरा दोनों ही स्थानों पर हाई-टेंशन मुकाबले देखने को मिलेंगे।

नवी मुंबई लेग

9 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स
10 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस
17 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा लेग

19 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
1 फरवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
3 फरवरी : एलिमिनेटर
5 फरवरी : फाइनल

आईपीएल नीलामी से पहले पृथ्वी शॉ का धमाका

-सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तूफानी फिफ्टी के साथ किया कमबैक का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनका बल्ला अभी भी आग उगलने के लिए तैयार है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में शॉ ने महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ सिर्फ 23 गेंदों में तूफानी अर्धशतक जड़कर सबको चौंका दिया। इस विस्फोटक पारी की बदौलत महाराष्ट्र को आसान जीत मिली, वहीं शॉ ने आईपीएल नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों का ध्यान एक बार फिर अपनी ओर खींच लिया।

हैदराबाद द्वारा दिए गए 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पृथ्वी शॉ ने क्रीज पर आते ही आक्रामक रुख दिखाया। उन्होंने अपनी 36 गेंदों की पारी में 9 चौके और 3 छक्के जड़ते हुए कुल 66 रन बनाए। शॉ ने अर्शिन कुलकर्णी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 117 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम को जीत की मजबूत नींव दी। यह उनके करियर का महाराष्ट्र के लिए पहला टी20 अर्धशतक रहा। ऋतुराज गायकवाड़ की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर रहे शॉ पर दबाव था, लेकिन उन्होंने शानदार अंदाज में खुद को साबित किया। पिछले आईपीएल ऑक्शन में अनसोल्ड रहने के बाद पृथ्वी शॉ ने घरेलू क्रिकेट में जोरदार वापसी की है। मुंबई की टीम से हटने के बाद उन्होंने महाराष्ट्र की ओर से खेलना शुरू किया है और रणजी ट्रॉफी में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनकी यह पारी बताती है कि वह एक बार फिर बड़े मंच पर वापसी को तैयार हैं।

एक समय भारतीय क्रिकेट का भविष्य माना जा रहे पृथ्वी शॉ को पिछले साल किसी भी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। लेकिन अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनका शानदार प्रदर्शन आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए मजबूत संदेश है। आगामी आईपीएल 2026 ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा, और शॉ अपने प्रदर्शन से टीमों की नजरों में जगह बनाना चाहते हैं। लगातार तीसरे वर्ष विदेश में होने वाला यह ऑक्शन रोचक होगा, और पृथ्वी शॉ के लिए यह स्वयं को साबित करने का बड़ा मौका है।

विराट कोहली के निशाने पर सचिन तेंदुलकर के दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

-सिर्फ एक शतक से बना देंगे नया इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज रविवार, 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है और पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज सीरीज में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर सुर्खियों में होंगे, क्योंकि उनके सामने दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा। ये दोनों रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज हैं, जिन्हें कोहली सिर्फ एक शतक लगाकर पीछे छोड़ सकते हैं। फैंस की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या किंग कोहली रांची में इतिहास रचते हुए मास्टर ब्लास्टर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे।

पहला रिकॉर्ड किसी भी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस समय विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 51 शतक जड़ चुके हैं, जो सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट क्रिकेट में 51 शतक लगाए, जबकि कोहली के ये 51 वनडे में हैं। जैसे ही कोहली एक और सेंचुरी बनाएंगे, वह दुनिया के पहले ऐसे क्रिकेटर बन जाएंगे जिन्होंने किसी भी एक फॉर्मेट में 52 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हों। यह उपलब्धि उन्हें न केवल क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े बल्लेबाजों में और आगे स्थापित करेगी, बल्कि वनडे फॉर्मेट में उनकी बादशाहत भी और मजबूत करेगी।

दूसरा रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस सूची में अभी तीन खिलाड़ी संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, जिनके नाम 5-5 शतक दर्ज हैं। हालांकि सचिन और वॉर्नर अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में कोहली के सामने इस मामले में अकेले रिकॉर्ड होल्डर बनने का शानदार अवसर है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक और सेंचुरी कोहली को इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा 6 शतक लगाने वाला अद्वितीय बल्लेबाज बना देगी।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2025 में भारत को शानदार सफलता दिलाने के बाद कोहली की फॉर्म पहले से ज्यादा मजबूत नजर आ रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके आंकड़े भी बेहद प्रभावशाली रहे हैं, और ऐसे में उम्मीद है कि रांची की पिच पर वह एक बार फिर अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नए इतिहास की इबारत लिखेंगे। भारतीय फैंस उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि क्या रविवार का मुकाबला क्रिकेट की किताब में विराट अध्याय जोड़ पाएगा।

रोहित-विराट की वापसी से मैदान में बनेगी खास ऊर्जा : साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा

रांची। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रविवार को तीन वनडे मैचों की सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा। सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की मैदान पर वापसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। कप्तान बावुमा का मानना है कि इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के आने से मैच का रोमांच कई गुना बढ़ जाएगा और स्टेडियम में ऊर्जा का अलग ही होगी। एक वीडियो में बावुमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेहद रोमांचक है, खासकर भारतीय फैंस के लिए होगा। दो दिग्गज खिलाड़ी वापस आ रहे हैं। वे लंबे समय बाद भारत की धरती पर खेल रहे हैं। जब ये दोनों खिलाड़ी मैदान पर मौजूद होते हैं, तब उस ऊर्जा का हिस्सा बनना हमारे लिए भी खास होता है। हम इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।' बावुमा ने बताया कि उनकी टीम रोहित और विराट की मौजूदगी से दबाव महसूस नहीं कर रही, बल्कि तैयारियों में और फोकस जोड़ रही है। हम जानते हैं कि मैदान पर माहौल अलग होगा, लेकिन यह अनुभव उतना ही रोमांचक रहेगा। कप्तान के तौर पर मेरी भूमिका वही रहेगी बल्ले से योगदान देना और टीम को रणनीति के अनुसार लीड करना।' बता दें कि रोहित और कोहली ने आखिरी बार अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेली थी। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि यह जोड़ी आगामी वनडे वर्ल्ड कप में नहीं खेलेगी, हालांकि प्रशंसकों का विश्वास है कि 'रो-को' फिर भारत की चुनौती को मजबूत करेगी।

सुल्तान अजलान शाह कप: भारत ने कनाडा को 14-3 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

इपो (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कनाडा को 14-3 से रौंदते हुए पूल की शीर्ष स्थिति हासिल की और सुल्तान अजलान शाह कप के फाइनल में प्रवेश किया। जुगराज सिंह ने चार गोल किए और शानदार प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले भारत को टूर्नामेंट में केवल बेल्जियम से एक गोल से हार मिली थी, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-2 की रोमांचक जीत ने टीम का मनोबल बढ़ा दिया। भारत रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगा।

मैच की शुरुआत चौथे मिनट में नीलकंता शर्मा के गोल से हुई, उसके बाद 10वें मिनट में राजिंदर सिंह ने गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। कनाडा ने जल्दी गोल के जवाब में पेनल्टी कॉर्नर बनाकर 11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक के गोल से

स्कोर 1-2 किया। इसके बाद 12वें और 15वें मिनट में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने गोल कर भारत को 4-1 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय युवा खिलाड़ी दबाव में भी मजबूत रहे और कनाडाई डिफेंस को रोका। इस दौरान राजिंदर (24वें मिनट), दिलप्रीत सिंह (25वें मिनट) और जुगराज (26वें मिनट) ने गोल कर बढ़त 7-1 कर दी।

तीसरे क्वार्टर में कनाडा ने आक्रमण में बदलाव किया और 35वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर 7-2 किया। जुगराज ने 39वें मिनट में हैट्रिक पूरी की और सेल्वम कार्थी ने 43वें मिनट में गोल कर भारत को 9-2 की शानदार बढ़त दिलाई।

अंतिम क्वार्टर केवल औपचारिकता थी, लेकिन इस दौरान सबसे ज्यादा गोल हुए। रोहिदास ने 46वें मिनट में PC गोल किया, जुगराज ने 50वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर बढ़ाया। कनाडा ने भी 3-11 तक वापसी की, जबकि संजय (56वें मिनट) और अभिषेक (57वें और 59वें मिनट) ने गोल कर भारत को 14-3 से जीत दिलाई।

श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी विश्व चैंपियन भारतीय महिला टीम

- भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम एक बार फिर मैदान पर अपने जौहर का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को आगामी होम सीरीज का ऐलान करते हुए बताया कि भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा। यह वही भारतीय टीम है, जिसने इसी महीने पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया था। वर्ल्ड कप जीत के बाद यह भारतीय टीम की पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी, जिसे लेकर क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। दिसंबर में पहले भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज प्रस्तावित थी, लेकिन दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण उसे स्थगित कर दिया गया। इसके बाद बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मिलकर नई सीरीज का शेड्यूल तैयार किया और 5 मैचों की टी20 सीरीज पर सहमति बनी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि अगले साल फरवरी-मार्च में भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां दोनों देशों के बीच 1 टेस्ट, 2 टी20 और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ ये मुकाबले खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए बेहतर तैयारी का अवसर देंगे। साथ ही यह सीरीज महिला प्रीमियर लीग 2026 (डब्ल्यूपीएल 2026) से पहले अपने प्रदर्शन को निखारने और टीम संयोजन मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी। भारत-श्रीलंका टी20 सीरीज विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में आयोजित की जाएगी। पहला मैच 21 दिसंबर को विशाखापत्तनम के डॉक्टर वाईएस राजशेखर रेड्डी स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला भी वहीं 23 दिसंबर को होगा। तीसरा टी20 26 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा और इसके बाद चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 28 और 30 दिसंबर को वहीं आयोजित होंगे। वर्ल्ड कप जीत से उत्साहित हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम अपनी लय बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं श्रीलंका की टीम 2026 के व्यस्त सीजन से पहले शानदार प्रदर्शन के जरिए आत्मविश्वास मजबूत करना चाहेगी। कई अहम खिलाड़ियों की वापसी और युवा प्रतिभाओं की मौजूदगी इस सीरीज को रोमांचक बना देगी।

आईपीएल 2026: रवि बिश्नोई की अगली टीम पर अटकलें तेज, चहल की लाइव चैट ने बढ़ाई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की नीलामी नजदीक आते ही युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की नई टीम को लेकर अटकलें तेजी से बढ़ गई हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा रिलीज़ किए जाने के बाद अब यह चर्चा गर्म है कि आखिर आगामी सीजन में वह किस फ्रेंचाइजी के साथ मैदान पर उतरेंगे। अब तक के आईपीएल करियर में बिश्नोई ने 72 से अधिक विकेट हासिल किए हैं और बीच के ओवरों में रन रोकने तथा लगातार विकेट निकालने की क्षमता ने उन्हें टूर्नामेंट के सबसे अहम भारतीय गेंदबाजों में शामिल किया है। यही कारण है कि कई टीमें उन पर बड़ा दांव लगाने के लिए तैयार दिखाई दे रही हैं। इस बीच, टीम इंडिया और आईपीएल स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल ने सोशल मीडिया पर एक इंस्टाग्राम लाइव के दौरान उनकी भविष्य की फ्रेंचाइजी को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज़ में टिप्पणी की, जिसने चर्चा को और हवा दे दी। बातचीत में चहल ने मुस्कुराते हुए कहा 'बिश्नोई, मुझे फीलिंग आ रही है कि तू राजस्थान रॉयल्स जाएगा आईपीएल में।' जवाब में बिश्नोई ने भी मज़ेदार अंदाज़ में कहा 'तो बस आपकी फीलिंग के खिलाफ थोड़ी न जाएंगे।' इस संवाद के बाद सोशल मीडिया पर बिश्नोई को राजस्थान रॉयल्स जॉइन करने की संभावना को लेकर कयासों की बाढ़ आ गई है। चहल ने मज़ाक जारी रखते हुए बिश्नोई को चेतावनी भी दे डाली 'जा भाई, वरना मेरी तरह डोमेस्टिक ही खेलता रह जाएगा।' इस हल्की-फुल्की नोकझोंक ने फैंस का खूब मनोरंजन किया और कमेंट सेक्शन में लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि चहल की बातें कहीं वास्तविक संकेत तो नहीं?

हालांकि पिछले सीजन में बिश्नोई का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुसार नहीं रहा था, लेकिन बिश्नोई की स्ट्राइक-रेट, तेज़ी से बॉल को टर्न कराने की क्षमता और डेथ ओवर्स तक गेंदबाजी करने का आत्मविश्वास उन्हें हर टीम की प्राथमिकता बना सकता है। आईपीएल में भारतीय गुणवत्ता वाले स्पिनर्स की कमी को देखते हुए वह इस नीलामी के सबसे महंगे और चर्चित खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद जैसे फ्रेंचाइजी बिश्नोई पर बड़ा दांव लगा सकती हैं। अब देखना होगा कि नीलामी की तारीख आते-आते बिश्नोई किस टीम का हिस्सा बनते हैं और उनकी अगली फ्रेंचाइजी कौन सी होती है।

वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया का 'कॉन्फिडेंस बूस्ट': केएल राहुल ने बताई कोहली-रोहित की अहमियत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल ने कहा कि 30 नवंबर से रांची के जेएससीए स्टेडियम में शुरू होने वाली भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज़ से पहले, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की टीम में वापसी से ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास का संचार हुआ है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में, केएल राहुल, जो कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में भारतीय टीम की कमान संभालेंगे, ने टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के होने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी मौजूदगी और अनुभव ड्रेसिंग रूम के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और युवा खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं।

राहुल ने कहा कि किसी भी समय उनका महत्व बहुत ज़्यादा होता है। टीम में वरिष्ठ खिलाड़ियों का होना निश्चित रूप से ड्रेसिंग रूम को और भी ज़्यादा आत्मविश्वास से भर देता है। उनकी मौजूदगी और अनुभव से ड्रेसिंग रूम के कई खिलाड़ियों और टीम को मदद मिलती है। इसलिए, हम वाकई खुश हैं कि वे यहाँ हैं। दाएँ हाथ के बल्लेबाज़ ने कहा कि जीत सबसे ज़रूरी चीज़ है। हम इसी पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और एक हफ़्ते पहले जो हुआ उसे भूलकर कल के मैच पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और देख रहे हैं कि हम कैसे सामूहिक प्रदर्शन कर सकते हैं जिससे हमें जीत हासिल करने में मदद मिले और फिर यहाँ से अगले मैदान पर जाकर देखें कि हम इसे फिर से कैसे कर सकते हैं और इस सीरीज़ को जीतने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए, यही सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है और हम इसी के बारे में सोच रहे हैं। ज़ाहिर है, एक स्थिर टीम होने से मदद मिलती है और कुछ समान चेहरे होने से ड्रेसिंग रूम को भी मदद मिलती है।

राहुल ने विराट कोहली की स्ट्राइक रोटेट करने की क्षमता की प्रशंसा की और कहा कि वनडे और टेस्ट क्रिकेट में सिंगल लेना बाउंड्री लगाने जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोहली इस कौशल में निपुण हैं, और युवा खिलाड़ी, जिनमें वह खुद भी शामिल हैं, अक्सर कोहली और रोहित शर्मा दोनों से स्ट्राइक रोटेशन में सुधार के बारे में सीखते हैं। उन्होंने कहा कि वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट में सिंगल लेना बाउंड्री लगाने जितना ही महत्वपूर्ण है, टी20 फॉर्मेट में शायद उतना नहीं। विराट ने अपने करियर में यह बहुत अच्छा किया है। हमने विराट को देखा है और उससे सीखने की कोशिश की है। ड्रेसिंग रूम में भी, हम सभी ने उनसे और रोहित से बात की कि हम बल्लेबाज़ के तौर पर कैसे बेहतर हो सकते हैं, कैसे हम स्ट्राइक रोटेट कर सकते हैं। ज़ाहिर है, वह वनडे क्रिकेट में ऐसा करने में माहिर हैं। इसलिए, हमें बहुत खुशी है कि वह ड्रेसिंग रूम में वापस आ गए हैं और

वह यहाँ आकर ये मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

वनडे सीरीज़ में, रांची में पहले मैच के बाद, दोनों टीमें रायपुर में भिड़ेंगी, उसके बाद विशाखापत्तनम में अंतिम मैच होगा। टेस्ट सीरीज़ में 2-0 की निराशाजनक हार के बाद भारतीय टीम वनडे में वापसी करना चाहेगी।

लियोनेल मेसी अगले महीने आएंगे भारत, GOAT टूर ऑफ इंडिया 2025 में हैदराबाद भी शामिल

अर्जेंटीना। दिग्गज फुटबॉलर और विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेसी ने भारत आने की अपनी तैयारियों को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। मेसी ने पुष्टि की है कि उनके बहुचर्चित 'GOAT Tour of India 2025' में अब हैदराबाद को भी शामिल कर लिया गया है। यह उनका भारत दौरे का चौथा पड़ाव होगा। मेसी पहले कोलकाता पहुंचेंगे, जो उनके टूर का शुरुआती शहर है। इसके बाद वे हैदराबाद आएंगे, फिर मुंबई और अंत में दिल्ली, जहां उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की संभावना है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में मेसी ने लिखा, 'इंडिया, आपके प्यार के लिए धन्यवाद! GOAT Tour कुछ ही हफ्तों में शुरू हो रहा है। खुशी है कि हैदराबाद को भी मेरी यात्रा में शामिल किया गया है। इंडिया, जल्द मिलते हैं!'

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के राष्ट्रपति ने 5 मार्च को होने वाले चुनावों के लिए सेना की तैनाती को मंजूरी दी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने गुरुवार को कैबिनेट के फैसले और प्रधानमंत्री की सिफारिश को मंजूरी दे दी, जिसमें अगले साल 5 मार्च को होने वाले संसदीय चुनावों के लिए नेपाली सेना को जुटाने की बात कही गई थी। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने 24 नवंबर को हुई कैबिनेट बैठक के अनुरूप यह सिफारिश भेजी थी। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने चुनाव सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सेना तैनात करने के सरकार के फैसले का समर्थन किया।

श्रीलंका : 11 दिन से मूसलाधार बारिश व भूस्खलन, 31 की मौत

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में बीते 11 दिन से जारी मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 31 लोगों की मौत हो गई है। इन घटनाओं में करीब 4,000 लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि अकेले मध्य पर्वतीय जिलों में 18 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। एक भयावह घटना में, कुंबुक्कना में बढ़ते जलस्तर के बीच एक यात्री बस फंस गई, जिसके बाद आपात दलों ने 23 यात्रियों को बचाया। अडाडेराना समाचार पोर्टल के मुताबिक, करीब 10 लोग घायल हुए हैं जबकि 14 लोग लापता बताए जा रहे हैं।

भारतीय दूत क्वात्रा का अमेरिकी मंत्री से व्यापार समझौते पर जोर

मियामी, एजेंसी। द. अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने अगले साल मियामी में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में उनके देश को आमंत्रित न करने के अमेरिका के कदम को अफसोसजनक बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति रामफोसा और उनके प्रशासन द्वारा अमेरिका के साथ राजनयिक संबंधों को फिर से स्थापित करने के अनेक प्रयासों के बावजूद, राष्ट्रपति ट्रंप हमारे देश के बारे में गलत सूचनाओं-विकृतियों के आधार पर दंडात्मक उपाय लागू करना जारी रखे हुए हैं।

चुनाव से पहले म्यांमार सेना ने 8,665 लोगों को दी माफी

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने आगामी चुनाव से पहले कुल 8,665 लोगों को माफी देने की घोषणा की है। इसमें दोषी ठहराए गए 3,085 लोगों की सजा कम करना और फरार 5,580 लोगों के खिलाफ केस खत्म करना शामिल है। हालांकि, कितने राजनीतिक बंदियों को रिहा किया जाएगा, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। सेना का दावा है कि यह कदम स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए है, जबकि पश्चिमी देशों और मानवाधिकार समूहों ने चुनाव को पहले ही ढोंग बताया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में खदान विस्फोट में दो की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में छोड़ी गई लैंडमाइन फटने से दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना जननत शाह क्षेत्र (चर्मंग तहसील) में बुधवार शाम हुई, जब तीन लोग वहां से गुजर रहे थे। मृतकों की पहचान 18 वर्षीय शमशाद और 22 वर्षीय उस्मान के रूप में हुई। अधिकारियों ने इसे क्षेत्र की शांति भंग करने की साजिश बताया और विस्फोटक लगाने वालों की तलाश के लिए खोज अभियान शुरू किया।

व्हाइट हाउस के पास हमले में महिला सैनिक की मौत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास बुधवार को हुए हमले में घायल महिला नेशनल गार्ड सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ट्रम्प ने बताया कि दूसरे सैनिक एंड्रयू वॉल्फ की हालत सीरियस है। दोनों वेस्ट गार्ड्स वर्जीनिया नेशनल गार्ड से जुड़े थे और अगस्त की शुरुआत में एक सुरक्षा मिशन पर वॉशिंगटन डीसी भेजे गए थे। ट्रम्प ने कहा- 'सारा अब हमारे बीच नहीं हैं और उनके माता-पिता इस समय बेहद दुख में हैं। बेकस्ट्रॉम प्रतिभाशाली नेशनल गार्ड थीं।' सारा जून 2023 में मिलिट्री पुलिस यूनिट में भर्ती हुई थीं। एक अफगानिस्तानी हमलावर ने कल फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास सारा को सीने और सिर में गोली मारी थी। इसके बाद उसने एंड्रयू पर फायर किया था। उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने चार गोलियां चलाईं, जिसके बाद हमलावर को काबू कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एंड्रयू वॉल्फ का गंभीर हालत में इलाज जारी है। वॉल्फ फरवरी 2019 में एयर नेशनल गार्ड में शामिल हुए थे। उन्हें अपनी सर्विस के दौरान कई मेडल भी मिल चुके हैं। ट्रम्प ने बताया कि उन्हें इस हमले के बारे में ठीक उस समय पता चला जब वे थैंक्सगिविंग के मौके पर अमेरिकी सैनिकों को वीडियो कॉल करने वाले थे।

इमरान खान के बेटे को भी होने लगा शक, कासिम ने पाकिस्तान से मांगे जिंदा होने के सबूत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के छोटे बेटे कासिम खान ने सार्वजनिक रूप से सरकार पर अपने पिता को पूर्ण एकांत में रखने और परिवार के किसी भी सदस्य से मिलने से रोकने का आरोप लगाया है। कासिम ने एक्स पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है कि परिवार के पास उनके पिता के जीवित होने का कोई प्रमाण नहीं है। उन्होंने जेल के अधिकारियों को उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार ठहराया है। आपको बता दें कि कासिम खान आमतौर पर फ्रंट-लाइन की राजनीति से दूर रहते हैं। उन्होंने अपने पिता की हिरासत के बारे में चौंकाने वाले विवरण दिए हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता 845 दिनों से गिरफ्तार हैं। पिछले छह हफ्तों से उन्हें जीरो पारदर्शिता के साथ फांसी की सजा वाले कैदियों के लिए बनी कोठरी में एकांत कारावास में रखा गया है। एक महीने से अधिक समय से परिवार के मिलने पर अघोषित प्रतिबंध लगा हुआ है। अदालत के आदेशों के बावजूद, उनकी बहनों को हर बार मुलाकात करने से रोका गया है। उन्होंने कहा, ' मेरे पिता इमरान खान कोई फोन कॉल नहीं, कोई मुलाकात नहीं और जीवित होने का कोई प्रमाण नहीं है।' उन्होंने और उनके भाई सुलेमान ने एक महीने से अधिक समय से अपने पिता से संपर्क नहीं किया है। कासिम ने इस सूचना ब्लैकआउट को जानबूझकर इमरान खान की स्थिति को छिपाने और अपने परिवार को यह जानने से रोकने का प्रयास बताया कि वह सुरक्षित हैं। कासिम ने पाकिस्तानी सरकार और उसके हैंडलर्स

को चेतावनी दी है कि उन्हें मेरे पिता की सुरक्षा और इस अमानवीय अलगाव के हर परिणाम के लिए कानूनी, नैतिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने वैश्विक संस्थानों से तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया है। कासिम ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, वैश्विक मानवाधिकार संगठनों और हर लोकतांत्रिक आवाज से मेरा आग्रह है कि वे तत्काल हस्तक्षेप करें। जीवित होने का प्रमाण मांगें, अदालत द्वारा दिए गए आदेश को लागू कराएं, इस अमानवीय अलगाव को समाप्त करें और पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय राजनीतिक नेता की रिहाई की मांग करें, जिन्हें केवल राजनीतिक कारणों से जेल में रखा गया है।' इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इन अफवाहों के बीच आधिकारिक प्रतिक्रिया और तत्काल परिवार को मिलने देने की मांग की है। हालांकि, पाकिस्तानी प्रशासन और सरकार ने आरोपों का खंडन किया है। अडियाला जेल प्रशासन ने इमरान खान के ठिकाने बदलने या उन्हें नुकसान पहुंचाने की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा कि वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं और उन्हें पूरा चिकित्सा ध्यान मिल रहा है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जोर देकर कहा कि पीटीआई संस्थापक को अधिकांश कैदियों की तुलना में बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने दावा किया कि इमरान को ऐसा भोजन मेनू मिल रहा है जो फाइव-स्टार होटल में भी उपलब्ध नहीं है। साथ ही टेलीविजन, व्यायाम उपकरण और एक मखमल का गद्दा भी दिया गया है। इमरान खान की तीन बहनों और पीटीआई कार्यकर्ताओं ने बुधवार को अदियाला जेल के बाहर मुलाकात की मांग को लेकर धरना दिया। जेल अधिकारियों ने अलीमा खान को आश्वासन दिया कि मुलाकात की व्यवस्था की जाएगी, जिसके बाद विरोध समाप्त हो गया। बहनों को आज और मंगलवार को उनसे मिलने की अनुमति मिलने की उम्मीद है।

दावा- सेना के आदेश पर किया गया हमला : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कार्रवाई सेना के निर्देश पर की गई। जेल परिसर के बाहर भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। जब चक्क के मुख्यमंत्री अफरीदी गुरुवार को खुद जेल पहुंचे, तो हालात बिगड़ गए। पुलिस ने उन्हें और उनके साथ आए नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। धक्का-मुक्की के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीएम को लात-घूंसे भी मारे और जमीन पर गिरा दिया। क्क्षद्ध ने इस घटना को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है।

अफरीदी ने बड़े विरोध-प्रदर्शन की धमकी दी : सुहैल अफरीदी का कहना है कि सरकार को इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर उठे सभी सवालों के सही जवाब देने होंगे। अगर ऐसा नहीं किया गया तो वे जनता के साथ सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे। अफरीदी ने आरोप लगाया कि सरकार इमरान खान की हालत की सही जानकारी नहीं दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इमरान खान को कुछ हुआ तो इसके नतीजे की जिम्मेदारी पूरी तरह मौजूदा सरकार पर होगी।

उन्होंने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर तंज करते हुए कहा कि देश के बिगड़ते हालात के लिए वही जिम्मेदार हैं। अफरीदी का कहना है कि इमरान खान तक पहुंच रोकना और उनकी सेहत की जानकारी छिपाना जनता के भरोसे के साथ खिलवाड़ है।

ऑस्ट्रेलिया में शार्क ने मचाया कोहराम; एक महिला को उतारा मौत के घाट, दूसरा शख्स गंभीर रूप से घायल

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान के समुद्र तट पर गुरुवार सुबह शार्क ने दो लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में एक महिला की मौत हो गई और एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हुआ। पुलिस के अनुसार यह हादसा सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। यह घटना क्राउडी बे नेशनल पार्क के काइलिज बीच पर हुई, जो सिडनी से लगभग 360 किलोमीटर उत्तर में है और बीच कैम्पिंग, मछली पकड़ने तथा ट्रैकिंग के लिए मशहूर है।

इलाके के सभी समुद्र तट अनिश्चितकाल के लिए बंद : इस हमले के बाद इलाके के सभी समुद्र तटों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। पुलिस चीफ इंस्पेक्टर टिमोथी बेली ने बताया कि दोनों पीड़ित एक-दूसरे को जानते थे और तैराकी के लिए पानी में उतरे थे, तभी शार्क ने हमला कर दिया।

घायल जोड़े की एक राहगीर ने की मदद : इस घटना के बाद एक राहगीर ने घायल जोड़े की मदद की। लेकिन महिला को बचाया नहीं जा सका और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुरुष के पैर पर गंभीर चोटें आई हैं और उसे हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है। पैरामेडिक जोश स्माइथ ने बताया कि राहगीर की तरफ से बनाया गया अस्थायी टूरनीकेट

शायद पुरुष की जान बचाने में मददगार साबित हुआ। उन्होंने कहा, 'जिस व्यक्ति ने घटना के बाद तुरंत प्राथमिक उपचार दिया, उसने पुरुष के जीवन को बचाने में अहम भूमिका निभाई।'

शार्क की हुई पहचान, पकड़ने की कोशिश जारी : सरकारी अधिकारियों ने बताया कि वैज्ञानिकों ने हमले में शामिल शार्क को बड़ा बुल शार्क पहचान लिया है। शार्क को पकड़ने के लिए समुद्र में पांच ड्रमलाइन लगाई गई हैं। पहले से भी पास के मैक्वेरी और फॉर्स्टर समुद्र तटों पर ऐसी व्यवस्था मौजूद थी। शार्क विशेषज्ञ गैविन नेलर ने कहा कि एक ही शार्क का दो लोगों पर हमला करना बेहद दुर्लभ होता है। उन्होंने बताया कि 'शार्क हमले अपने-आप में दुर्लभ हैं, और एक ही शार्क द्वारा दो लोगों पर हमला होना और भी अनोखी घटना है।' पीड़ितों की पहचान जारी नहीं की गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दोनों यूरोपीय पर्यटक थे।

'नेशनल गार्ड्स पर हमला करने वाला पागल हो गया था', रिपोर्टर पर भड़के ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान मूल के व्यक्ति द्वारा नेशनल गार्ड्स पर किए गए हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप खासे नाराज हैं। इसे लेकर ट्रंप ने पूर्ववर्ती बाइडन सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है क्योंकि बाइडन सरकार की पुनर्वास नीति के तहत ही हमलावर रहमानुल्ला लकनवाल अमेरिका आया था। व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हमलावर पागल हो गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के लोगों के साथ ऐसी घटनाएं होती रहेंगी।

ट्रंप ने बाइडन सरकार की नीति की आलोचना की : ट्रंप ने कहा कि बाइडन सरकार की 'ऑपरेशन अलाइस वेलकम' नीति के तहत संदिग्ध लोग अमेरिका में आ गए हैं। बाइडन सरकार ने अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद इस नीति की शुरुआत की थी, जिसके तहत कई अफगान नागरिकों को अमेरिका में शरण दी गई थी। ट्रंप ने नीति की आलोचना करते हुए कहा कि वॉशिंगटन डीसी के हमलावर जैसे कई अन्य लोग इस देश में आ गए हैं। हम उन सभी को बाहर निकालेंगे। इस दौरान एक रिपोर्टर ने कहा कि अमेरिका आए अफगान नागरिक सुरक्षा जांच के बाद ही यहां आए हैं। इस पर ट्रंप ने नाराज होते हुए कहा कि इन लोगों के साथ कई ऐसे भी लोग यहां आ गए हैं, जिन्हें यहां नहीं होना चाहिए था। इसके बाद ट्रंप ने रिपोर्टर को लगभग डांटते हुए कहा कि 'क्या आप मूर्ख हैं? आप ऐसे सवाल पूछ रहे हैं क्योंकि आप बेवकूफ हैं।'

हमले में घायल एक सैनिक की मौत : राष्ट्रपति ट्रंप ने साथ ही बताया कि हमले में घायल नेशनल गार्ड्स की सैनिक साराह बैकस्ट्रोम की मौत हो गई है। वहीं दूसरा सैनिक अपनी जिंदगी के लिए लड़ रहा है। ट्रंप ने बैकस्ट्रोम की तारीफ की और उसे युवा, सम्मानित और शानदार व्यक्ति बताया। ट्रंप ने कहा कि जिस जानवर ने नेशनल गार्ड्स के दो सैनिकों को गोली मारी, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। हमले के तुरंत बाद ही हमलावर रहमानुल्ला लकनवाल को गिरफ्तार कर लिया गया था।

फ्रांस में भी अग्निवीर: मैक्रों ने की 10 महीने की नई स्वैच्छिक सैन्य सेवा योजना की घोषणा, भर्ती होंगे युवा

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को नई राष्ट्रीय सैन्य सेवा पहल की घोषणा की। यह पहल इसलिए की गई है, क्योंकि फ्रांस अपने सशस्त्र बलों को मजबूत करना चाहता है, ताकि यूरोपीय देशों पर रूस के बढ़ते खतरे का सामना किया जा सके।

मैक्रों ने घोषणा की कि 18 और 19 साल के स्वयंसेवक अगले साल 10 महीने की नई सैन्य सेवा योजना में शामिल होना शुरू करेंगे। फ्रैंच आल्प्स में वार्सेस सैन्य अड्डे पर अपने संबोधन में मैक्रों ने कहा कि अगले गर्मियों से एक नई राष्ट्रीय सेवा योजना धीरे-धीरे शुरू की जाएगी। इसमें युवा स्वयंसेवक केवल के के प्रमुख क्षेत्रों में ही सेवा नहीं करेंगे, बल्कि विदेश में भी फ्रांसीसी सैन्य अभियानों में भाग लेंगे। इस साल की शुरुआत में मैक्रों ने फ्रांसीसी युवाओं को सैन्य सेवा में स्वेच्छा से भाग लेने का नया विकल्प देने की अपनी योजना की घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि फ्रांस में 1996 में खत्म हो चुकी अनिवार्य सैन्य सेवा को फिर से लागू करने का विचार नहीं है। उन्होंने बताया कि रूस का यूक्रेन पर आक्रमण यूरोप के लिए 'बड़े खतरे' का संकेत है, इसलिए फ्रांस अपनी रक्षा को मजबूत करना चाहता है। मैक्रों ने रेडियो आरटीएल को मंगलवार को बताया, जिस दिन आप रूस के प्रति कमजोरी का संकेत देंगे, जिसने पिछले 10 वर्षों में फिर से एक साम्राज्यवादी ताकत बनने का रणनीतिक फैसला लिया है, यानी जहां भी हम कमजोर हैं, वहां वह आगे बढ़ेगा..वह आगे बढ़ता रहेगा।

ईयू के देशों में फ्रांस की सेना दूसरी सबसे बड़ी : मैक्रों ने अगले दो वर्षों में अतिरिक्त सैन्य खर्च के रूप में 6.5 बिलियन यूरो (7.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की घोषणा की। उन्होंने कहा कि फ्रांस 2027 में वार्षिक रक्षा खर्च में 64 बिलियन यूरो खर्च करने का लक्ष्य रखेगा, जो उनके दूसरे कार्यकाल का अंतिम वर्ष होगा। यह 2017 में राष्ट्रपति बनने के समय 32 बिलियन यूरो के वार्षिक खर्च का दोगुना होगा। फ्रांस की सेना में वर्तमान में करीब दो लाख सक्रिय सैन्य कर्मी और 40 हजार से अधिक आरक्षित कर्मी हैं, जो इसे यूरोपीय संघ (ईयू) में पोलैंड के बाद दूसरी सबसे बड़ी सेना बनाते हैं। फ्रांस 2030 तक आरक्षित कर्मियों की संख्या एक लाख तक बढ़ाना चाहता है।

फ्रांस के नए सेना प्रमुख के बयान से क्यों हुआ विवाद : फ्रांस के नए सेना प्रमुख जनरल फेबियन मंडॉन ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी कि देश को रूस के संभावित संघर्ष की स्थिति में 'अपने बच्चों के बलिदान की तैयारी' करनी होगी। उनके इन शब्दों से विवाद भी खड़ा हुआ। जनरल मंडॉन ने कहा कि रूस ने 2008 में जॉर्जिया के 20 फीसदी क्षेत्र, 2014 में यूक्रेन का क्रीमिया और 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण किया। दुर्भाग्य से, आज रूस 2030 तक हमारे देशों के साथ टकराव की तैयारी कर रहा है। वह इसके लिए खुद को संगठित कर रहा है और आश्वस्त है कि इसके अस्तित्व का दुश्मन उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) है। मैक्रों ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सैन्य सेवा के स्वयंसेवकों को अग्रिम मोर्चे पर नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, हमें किसी भी भ्रम को तुरंत दूर करना चाहिए कि हम अपने युवाओं को यूक्रेन भेजने जा रहे हैं।

बिल्लियों के आतंक से परेशान हुआ न्यूजीलैंड , अब 25 लाख को मारने की तैयारी, सरकार ने बनाई योजना

वेलिंग्टन, एजेंसी। जैव विविधता के लिए मशहूर न्यूजीलैंड पिछले कुछ समय से फेरल (जंगली) बिल्ली के आतंक से परेशान है। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए पूरे देश में इनके खात्मे की योजना बना रहा है। इस योजना का लक्ष्य आगामी ढाई दशक में न्यूजीलैंड से इन जंगली बिल्लियों को पूरी तरह से खत्म करना है। संरक्षण मंत्री तमा पोटाका ने फेरल बिल्लियों को स्टोन कोल्ड किलर्स शब्द से परिभाषित करते हुए कहा कि इन्हें प्रिडेटर फ्री 2050 की सूची में शामिल किया जाएगा। लोगों की जिज्ञासा को शांत करने के लिए उन्होंने कहा कि इस हमारा लक्ष्य केवल इन जंगली बिल्लियों को खत्म करना है, घरेलू बिल्लियां इससे बाहर हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पोटाका ने फेरल बिल्ली के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह बिल्लियां हमारी घरेलू बिल्लियों से अलग होती हैं। यह इंसान का संपर्क बर्दाश्त नहीं करती हैं। यह जरूरत से ज्यादा शिकार करना पसंद करती है। इसकी वजह से इसने कई प्रजातियों को नष्ट कर दिया है। इनका आतंक इस कदर है कि न्यूजीलैंड में अब देशी प्रजाति की बिल्लियां न के बराबर रह गई हैं। पोटाका ने बताया कि इन बिल्लियों ने स्टुअर्ट द्वीप पर दक्षिणी डॉटरेल पक्षी का लगभग जड़ से मिटा दिया है, वहीं उत्तरी द्वीप के ओहाकुने इलाके में पिछले एक हफ्ते में इन्होंने 100 से ज्यादा चमगादड़ों की हत्या की है। मंत्री ने कहा कि न्यूजीलैंड अनोखी जलवायु और जैव विविधता वाला देश है। यहां पर कई ऐसी प्रजातियां मिलती हैं, जो दुनिया में कहीं भी नहीं मिलतीं। ऐसे में उन्हें बचाने के लिए इन शिकारी बिल्लियों पर नियंत्रण लगाना आवश्यक है। आपको बता दें न्यूजीलैंड में करीब 25 लाख से अधिक जंगली बिल्लियां रहती हैं। यह बिल्लियां घरेलू बिल्लियों से थोड़ी बड़ीं और 7 किलो के वजह की हो सकती हैं। न्यूजीलैंड में इनकी बढ़ती संख्या की वजह से यह बहुतायत में मिल जाती हैं। जंगलों से लेकर खेतों तक यह हर जगह नजर आती हैं। इसके अलावा इन बिल्लियों को रोगजनक भी माना जाता है। पोटाका ने कहा कि यह बिल्ली टॉक्सोप्लाजमोसिस नामक बीमारी फैलाती है, जो इंसानों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती है और इसके अलावा दुधारू पशुओं को भी नुकसान पहुंचाती है। इन्हीं कारणों की वजह से इन्हें प्रिडेटर फ्री 2050 की सूची में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड की सरकार ने यह कार्यक्रम अपने यहां की जैव विविधता के लिए खतरा बनने वाली आक्रामक प्रजातियों को खत्म करने के लिए बनाया था।

पाकिस्तान से बढ़ रही रूस की करीबी?: दोनों देशों में व्यापार-ऊर्जा सहयोग पर सहमति

इस्लामाबाद, एजेंसी। रूस और पाकिस्तान के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर सहमति बनी है। दोनों देशों ने इस बीच कई अहम ज्ञापन समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। बताया गया है कि दोनों देशों के बीच यह समझौते पाकिस्तान-रूस अंतरसरकारी आयोग (आईजीसी) की 10वीं बैठक में हुए। बैठक की सह-अध्यक्षता पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री अवैस लेघारी और रूस के मंत्री सर्गेई सिविलेव ने की। पाकिस्तान के द डॉन अखबार के मुताबिक, दोनों देशों के बीच जिन तीन अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, उनमें- गुणवत्ता मानकों, एकाधिकार-विरोधी नियामक और मीडिया और पेशेवर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के एमओयू शामिल रहे। इसके अलावा दोनों पक्षों ने व्यापार बढ़ाने, निर्यात पोर्टफोलियो में विविधता लाने और व्यापारिक संपर्क मजबूत करने को लेकर हुई चर्चाओं पर भी संतुष्टि जताई। पाकिस्तानी कपड़ा उद्योग, खेल उत्पाद, आईटी सेवाएं, इंजीनियरिंग उत्पाद और कृषि वस्तुओं को रूस में बेहतर बाजार पहुंच दिलाने पर भी बात हुई। इसी के साथ दोनों ने माल ढुलाई के लिए संचालन व्यवस्था शुरू करने से जुड़ी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर भी बात की। रूस और पाकिस्तान के बीच तेल और गैस क्षेत्रों में प्रगति, एलएनजी-एलपीजी सप्लाई फ्रेमवर्क और तकनीकी सहयोग पर विस्तार से बात हुई। नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोपावर और जल प्रबंधन तकनीकों, खासतौर पर बाढ़ प्रबंधन पर भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

फार्मा, स्टील और तकनीकी क्षेत्रों पर चर्चा : बैठक में फार्मास्यूटिकल क्षेत्र को लेकर भी बात हुई। खासकर इंसुलिन उत्पादन के पर बातचीत की गई। साथ ही पाकिस्तान स्टील मिल्स की आधुनिकीकरण की योजना और भारी मशीनरी, खनन और उन्नत विनिर्माण में साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। दोनों देशों ने वैज्ञानिक, शैक्षणिक और तकनीकी सहयोग की अहमियत को स्वीकार करते हुए इस्लामाबाद और कराची में रूसी भाषा केंद्र स्थापित करने की पहल का स्वागत किया। इसके अलावा दोनों में युवा कार्यक्रमों, स्कूल साझेदारी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मीडिया सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

टोक्यो को पछाड़ जकार्ता बना दुनिया का सबसे बड़ा शहर, दिल्ली टॉप 3 से बाहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के नक्शे पर शहर अब सिर्फ इमारतों का समूह नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की धड़कन बन चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने एक ऐसी तस्वीर पेश की है जो न केवल वर्तमान को दर्शाती है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी उजागर करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता अब दुनिया का सबसे बड़ा शहर बन गया है, जिसकी आबादी लगभग 4.2 करोड़ है। यह खिताब दशकों से जापान की राजधानी टोक्यो के पास था, लेकिन अब टोक्यो तीसरे नंबर पर खिसक गया है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका दूसरे स्थान पर काबिज है, जबकि भारत की राजधानी दिल्ली टॉप-3 से बाहर हो गई है। यह बदलाव सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है। यह वैश्विक शहरीकरण की उस लहर का प्रमाण है जो एशिया को केंद्र में ला रही है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में दुनिया की 8.2 अरब आबादी का 80 प्रतिशत शहरों में रहता है- यह 1950 के कई गुना ज्यादा है। मेगासिटीज (1 करोड़ से अधिक आबादी वाले शहर) की संख्या 1975 के महज 8 से बढ़कर 33 हो गई है, जिनमें से 19 एशिया में हैं।

शहरों की यात्रा प्राचीन काल से आधुनिक युग तक : शहरों का इतिहास मानव सभ्यता का आईना है। लगभग 9000 वर्ष पूर्व, जब कृषि क्रांति ने शिकार-संघर्ष के जीवन को बदल दिया, तब शहरों का जन्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र और इतिहासकारों जैसे टर्टियस चैंडलर व जॉर्ज मॉडेल्स्की के अनुमानों के अनुसार, 7000 ईसा पूर्व में फिलिस्तीन का जेरिको दुनिया का सबसे बड़ा शहर था, जहां मात्र 1000-2000 लोग रहते थे। यह एक प्रोटो-सिटी था- दीवारों से घिरा, जहां कृषि ने अतिरिक्त भोजन पैदा किया और जनसंख्या बढ़ी। समय के साथ, शहर साम्राज्यों के केंद्र बने। 3100 ईसा पूर्व से

2240 ईसा पूर्व तक मिस्र का मेम्फिस सबसे बड़ा शहर रहा, आबादी लगभग 30,000। फिर मेसोपोटामिया का अक्कड़ (अब इराक) उभरा। रोमन साम्राज्य के चरम पर, 100 ईस्वी में रोम की आबादी 10 लाख तक पहुंच गई- यह यूरोप का पहला मिलियन-प्लस शहर। लेकिन मध्ययुग में एशिया ने कमान संभाली। 9वीं शताब्दी में बगदाद (इराक) पहला आधुनिक मिलियन-सिटी बना, जहां अब्बासिद खलीफा के दरबार ने विज्ञान, कला और व्यापार को पोषित किया। 19वीं शताब्दी में औद्योगिक क्रांति ने यूरोप को आगे बढ़ाया। 1800 में लंदन दुनिया का सबसे बड़ा शहर था (लगभग 9 लाख), लेकिन 1900 तक न्यूयॉर्क ने इसे पीछे छोड़ दिया। एशिया फिर लौटा: 1950 में टोक्यो पहले नंबर पर था। संयुक्त राष्ट्र के डेटा से पता चलता है कि 1950-2000 के बीच शहरों की आबादी 7.7 करोड़ से कहीं आगे बढ़ी, लेकिन अब एशिया का दबदबा है।

2025 की टॉप-10 लिस्ट: एशिया का प्रभुत्व : वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने एक नई विधि अपनाई है- डिग्री ऑफ अर्बनाइजेशन (ष्ठश्वत्रक्र) जो भौगोलिक डेटा (जैसे ग्लोबल ह्यूमन सेटलमेंट लेयर) पर आधारित है। यह राष्ट्रीय सीमाओं की बजाय घनी बस्तियों (1,500 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से अधिक) को मापती है, जिससे आंकड़े अधिक तुलनीय बने। पुरानी रिपोर्टों में टोक्यो टॉप पर था, लेकिन नई विधि ने जकार्ता को आगे दिखाया।

2025 की दुनिया की सबसे बड़ी 10 अर्बन एग्लोमरेशन्स (शहरी समूह) की सूची इस प्रकार है: पहला स्थान इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता का है, जहां 41.9 मिलियन यानी लगभग 4 करोड़ 19 लाख लोग रहते हैं; दूसरे नंबर पर बांग्लादेश की ढाका है, जिसकी आबादी 36.6 मिलियन या 3 करोड़ 66 लाख है; तीसरा स्थान जापान के टोक्यो का है, जो 33.4 मिलियन (3 करोड़ 34 लाख) लोगों का घर है; चौथे पर भारत की नई दिल्ली 30.2 मिलियन (3 करोड़ 2 लाख) के साथ; पांचवें स्थान पर चीन का शंघाई 29.6 मिलियन (2 करोड़ 96 लाख) आबादी वाली; सातवें पर फिलीपींस का मनीला 24.7 मिलियन दसवें नंबर पर मिस्र का काहिरा 23 मिलियन (2 करोड़ 3 लाख) लोगों के साथ। यूएन के अनुसार, 2.3 करोड़ लोगों की आबादी के साथ, मिस्र का काहिरा टॉप 10 में अकेला ऐसा शहर है जो एशिया से बाहर है।

अजमेर में उर्स से पहले नगर निगम ने हटाया अवैध अतिक्रमण, इलाके में मचा हड़कंप

अजमेर (एजेंसी)। ख्वाजा गरीब नवाज के 814वें उर्स से पहले नगर निगम ने शनिवार सुबह दरगाह क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। नगर निगम की टीम ने दरगाह क्षेत्र के अंदरकोट, अढ़ाई दिन का झोपड़ा, दिल्ली गेट आदि इलाकों में कार्रवाई की। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान पुलिस के अधिकारी, और भारी पुलिस बल भी मौजूद था। नालियों और सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए यह कार्रवाई की गई। शनिवार सुबह नगर निगम के द्वारा दरगाह क्षेत्र में की गई कार्रवाई से क्षेत्र के दुकानदारों में आक्रोश था। दुकानदारों की ओर से अपनी दुकानों को बंद कर प्रदर्शन किया गया। कोर्ट से ढाई दिन का झोपड़ा के पहले से शुरू हुई यह कार्रवाई दरगाह बाजार से दिल्ली गेट तक चली। करीब दो किलोमीटर के एरिया में जेसीबी ने नालों, सड़क किनारे और दुकानों के आगे किए गए करीब 50 से ज्यादा अतिक्रमण हटाए। पुलिस ने कुछ व्यापारियों को समझाइश भी दी।

अचानक मोड़ पर बीयर से भरा ट्रक पलटा, बॉक्स लूटने सड़क पर लगी भीड़

-केबिन में फंसे ड्रायवर को निकालने के बजाय बीयर लेकर भागते रहे लोग

संभाजीनगर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के छत्रपती संभाजीनगर के वालूज इलाके में रांजणगाव रोड पर बीयर से भरा ट्रक रास्ते में एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश में ड्राइवर ने स्टीयरिंग मोड़ा और अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे सड़क पर बीयर की बोतलें बिखर गईं। ट्रक के केबिन में चालक फंस गया। इसके बावजूद कुछ लोग चालक को बाहर निकालने की बजाय बीयर के बॉक्स उठाने दौड़ पड़े। सड़क पर कुछ ही मिनटों में लूट मच गई। आसपास से गुजर रहे लोग भी बोतलों को उठाने में लग गए और ट्रक के पास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस घटना की सूचना कुछ लोगों ने तुरंत पुलिस को दी। जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत भीड़ को काबू किया और घायल चालक को ट्रक की केबिन से बाहर निकालने की कोशिश की। अधिकारियों ने कहा कि चालक को सुरक्षित बाहर निकालने में समय लगा क्योंकि वह बुरी तरह फंसा था। पुलिस ने कहा कि इस तरह की घटनाओं में सड़क पर अफरा-तफरी मचाने वाले लोग खुद खतरे में पड़ सकते हैं। किसी भी सड़क हादसे में प्राथमिकता हमेशा घायल की मदद करना होनी चाहिए, न कि सामान लूटने की। हादसे की वजह से रास्ते में कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। घटना के बाद वालूज इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस इस पूरे मामले को लेकर जांच-पड़ताल में जुट गई है।

नारायण साईं के सेल से मोबाइल फोन बरामद, जेल में नया मामला दर्ज

-सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल में मिले फोन और सिम कार्ड

सूरत (एजेंसी)। बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास काट रहे आसाराम के बेटे नारायण साईं की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। लाजपोर सेंट्रल जेल में हाई-सिक्योरिटी बैरक नंबर-1 में उनके पास मोबाइल फोन रखने और उसका इस्तेमाल करने का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन को गुप्त सूचना मिली कि नारायण साईं के पास मोबाइल है। सूचना मिलते ही जेल स्क्वॉड ने तलाशी ली और उनके अलग सेल में फोन बरामद किया। तलाशी के दौरान फोन चुंबक की मदद से लोहे के दरवाजे पर चिपकाया गया था। इसके साथ जियो का सिम कार्ड भी मिला। जांच में सामने आया कि नारायण साईं बातचीत के बाद बैटरी और सिम कार्ड अलग कर लेते थे। सिम कार्ड अपने पास रखते थे और बैटरी को सुरक्षा के लिए सेंट्री रूम में छिपा देते थे। जेल स्टाफ की सतर्कता से यह बैटरी भी बरामद कर ली गई। जेल प्रशासन की शिकायत पर सचिन पुलिस ने नारायण साईं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और गुजरात जेल मैनुअल के उल्लंघन के तहत मामला दर्ज किया। एसीपी नीरव गोहिल ने बताया कि मोबाइल रखना जेल में गंभीर अपराध है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि फोन कहां से आया और किससे संपर्क किया गया।

पान मसाला विज्ञापन करे लेकर घिरे बॉलीवुड भाईजान, सुनवाई 9 दिसंबर को

-सलमान के वकील बोले-यह इलायची का विज्ञापन, शिकायत का आधार कमजोर

जयपुर (एजेंसी)। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान पान मसाला विज्ञापन को लेकर घिर गए हैं। बीजेपी नेता और वकील इंदर मोहन सिंह हनी ने अभिनेता के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। हाल ही में इसे लेकर सुनवाई हुई और अब अगली सुनवाई 9 दिसंबर को तय की गई है। वहीं सलमान खान के वकील आशीष दुबे ने कोर्ट को बताया कि वर्तमान शिकायत की सुनवाई का अधिकार उपभोक्ता आयोग के पास नहीं है साथ ही यह भी कहा कि सलमान खान न तो पान मसाला निर्माता हैं और न ही उसके सर्विस प्रोवाइडर। ऐसे में उन्हें इस मामले में पक्षकार बनाना उचित नहीं है। वकील ने कहा कि शिकायतकर्ता ने उन्हें झूठा घसीटकर अनावश्यक उत्पीड़न का प्रयास किया है।

अभिनेता के वकील ने दावा किया कि सलमान खान ने गुटखा या पान मसाला नहीं, बल्कि सिल्वर कोटेड इलायची का विज्ञापन किया था, जिसे पान मसाले की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। इसलिए शिकायत का आधार ही कमजोर है। उधर, शिकायतकर्ता बीजेपी नेता हनी ने सलमान खान की ओर से दाखिल जवाब पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि जवाब पर किए गए साइन सलमान खान के असली साइन नहीं लगते। उन्होंने अदालत से मांग की है कि सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने का निर्देश दिया जाए और प्रस्तुत हस्ताक्षरों की जांच कराई जाए। यह मामला उस विज्ञापन से जुड़ा है, जिसमें पान मसाला कंपनी ने केसर युक्त इलायची और केसर युक्त पान मसाला का दावा किया था। कोटा के बीजेपी नेता और वकील इंदर मोहन सिंह हनी ने उपभोक्ता फोरम में शिकायत दायर कर आरोप लगाया कि कंपनी और उसके ब्रांड एंबेसडर सलमान खान जनता को गुमराह कर रहे हैं, क्योंकि पांच रुपए के पाउच में असली केसर डालना संभव ही नहीं है। इसके अलावा परिवाद में कहा गया है कि ऐसे विज्ञापन युवाओं को पान मसाला और तंबाकू की लत की ओर धकेल रहे हैं और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालते हैं।

आखिर झुक गईं ममता, अब वक्फे संशोधन कानून लागू करने के दिए निर्देश

-विपक्ष के साथ बनर्जी ने कहा था इस कानून को बंगाल में लागू नहीं होने देंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने इस साल अप्रैल में वक्फद कानून में संशोधन किया था। इसमें कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं, जिनका विपक्षी दलों और उनके द्वारा शासित राज्यों की सरकारों ने कड़ा विरोध किया था। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इसकी जमकर विरोध किया था। उन्होंरने कहा था कि वे इस संशोधित कानून को पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होने देंगी। अब उनका रुख बदल गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता सरकार ने वक्फ संशोधन कानून-2025 को बंगाल में लागू करने को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वक्फ? संपत्तियों को केंद्रीय पोर्टल पर अपलोड करने को लेकर डेडलाइन जारी कर दी है। प्रदेश के माइनॉरिटी डिपार्टमेंट की ओर से आठ बिंदुओं में प्रोग्राम भी जारी किया है। अधिकारियों के मुताबिक ममता सरकार ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि राज्य की करीब 82,000 वक्फ संपत्तियों का विवरण 5 दिसंबर से पहले केंद्र के पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाए।

बता दें यह कानून इस साल अप्रैल में संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ था। बंगाल के अल्पसंख्यक विकास विभाग के सचिव पीबी सलीम ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को पत्र भेजकर कहा कि हर जिले की वक्फ़ संपत्तियों की जानकारी तय समय में अपलोड की जाए। डेटा एंट्री दो हिस्सों में की जाएगी। पहला, व्यक्तिगत मुतवल्लियों द्वारा ओटीपी-आधारित प्रारंभिक रजिस्ट्रेशन और दूसरा, वक्फ संपत्ति से जुड़े विवरणों का पंजीकरण।

विवादित वक्फ संपत्तियों को इस चरण में रजिस्टवर्ड करने की जरुरत नहीं है।

यह भी निर्देश दिए हैं कि कार्य के लिए अधिकारियों को विशेष रूप से नियुक्त करें और दैनिक प्रगति की निगरानी करें। राज्य स्तर के दफ्तरों से वरिष्ठ अधिकारियों को अपने-अपने जिलों के दौरे पर भेजा जाए। आठ जिलों में हेल्प डेस्क बनाए जा चुके हैं और बाकी जिले भी ऐसे ही हेल्प डेस्क बना सकते हैं। राज्य वक्फ बोर्ड की ओर से हर दिन दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक वर्चुअल मोड में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें राज्यभर के सभी दफ्तरों से लोग जुड़ सकते हैं।

ममता सरकार का यह फैसला राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। कानून के मुताबिक देश की सभी रजिस्टरर्ड वक्फ संपत्तियों की जानकारी छह महीने के भीतर केंद्र के पोर्टल पर डालना अनिवार्य है। राज्य सरकार के पत्र में कहा गया है कि बंगाल में 8,000 से ज्यादा वक्फ एस्टेट हैं और उनसे संबंधित सभी विवरण संबंधित मुतवल्लियों द्वारा अपलोड किए जाने चाहिए।

8.2 प्रतिशत जीडीपी में जयराम रमेश ने कहा- आंकड़े 'सी ग्रेड' वाले, टिकाऊ नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी किए। वैश्विक मंदी और ट्रंप प्रशासन के नए टैरिफ दबाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार वापसी की है और 8.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। पिछले साल की इसी तिमाही में यह दर मात्र 5.6 प्रतिशत थी। इन आंकड़ों का प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया और इसे 'विकसित भारत' की दिशा में बड़ा कदम बताया। लेकिन कांग्रेस ने तुरंत हमला बोल दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह बड़ी विडंबना है कि जिस दिन तिमाही जीडीपी के आंकड़े जारी हुए, उसी दिन आईएमएफ की रिपोर्ट में भारत के राष्ट्रीय लेखा-जोखा सांख्यिकी को दूसरा सबसे निचला 'सी' ग्रेड दिया गया है उन्होंने आगे आरोप लगाया, संख्याएँ लगातार निराशाजनक हैं। सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) में कोई उछाल नहीं आया। निजी निवेश में कोई नई गति नहीं दिख रही। बिना निजी निवेश के इतनी ऊंची जीडीपी वृद्धि दर टिकाऊ नहीं हो सकती। सरकार मुद्रास्फीति को जानबूझकर कम करके दिखा रही है ताकि नाममात्र की जीडीपी वृद्धि ज्यादा लगे। जयराम रमेश ने आईएमएफ की ताजा डेटा क्वालिटी असेसमेंट रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत के आधिकारिक सांख्यिकी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि 8.2प्रतिशत वृद्धि में निर्माण, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का मजबूत योगदान है। अब जीडीपी आंकड़ों पर यह नया राजनीतिक विवाद छिड़ गया है।

विवाह पवित्र बंधन है पर, दहेज ने इसे व्यापार बना दिया: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज की सामाजिक बुराई पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि विवाह एक पवित्र और महान संस्था है जो आपसी विश्वास और सम्मान पर टिकी होती है। लेकिन दहेज के लालच ने इसे महज एक 'व्यावसायिक लेन-देन' बना दिया है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने इसे 'समाज के खिलाफ अपराध' करार दिया। पीठ ने कहा, यह अदालत इस कड़वे सच से मुंह नहीं मोड़ सकती कि आज विवाह का पवित्र बंधन एक कारोबारी सौदा बन गया है। दहेज को अक्सर 'उपहार' या 'स्वैच्छिक भेंट' का नाम देकर छिपाया जाता है, लेकिन हकीकत में यह सिर्फ सामाजिक दिखावा और भौतिक लालच पूरा करने का जरिया बन चुका है। कोर्ट ने यह टिप्पणियां एक ऐसे मामले में कीं जिसमें शादी के सिर्फ चार महीने बाद पति पर दहेज के लिए पत्नी को जहर देकर मारने का आरोप है। हाई कोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस आदेश को ''प्रतिकूल और अव्यावहारिक' बताते हुए तुरंत रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने अपराध की गंभीरता, मरने से पहले महिला के पुख्ता बयान और दहेज हत्या की कानूनी धारणा (प्रिजम्प्शन) को पूरी तरह नजरअंदाज किया। पीठ ने कड़ा संदेश देते हुए कहा, ''दहेज हत्या इस कुप्रथा की सबसे घिनौनी शक्ल है। एक युवती का जीवन सिर्फ इसलिए छीन लिया जाता है क्योंकि कुछ लोग अपना लालच पूरा नहीं कर पाते। यह न केवल विवाह की पवित्रता को तहस-नहस करता है, बल्कि महिलाओं के व्यवस्थित उत्पीड़न और गुलामी को बढ़ावा देता है।' अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे जघन्य अपराध मानव गरिमा पर सीधा हमला हैं और संविधान के अनुच्छेद-14 (समानता) तथा अनुच्छेद-21 (सम्मानजनक जीवन) का खुला उल्लंघन हैं। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को दहेज के खिलाफ चल रहे सामाजिक और कानूनी अभियान के लिए बड़ा समर्थन माना जा रहा है।

कांग्रेसी उम्मीदवारों ने आरजेडी को बताया हार का जिम्मेदार, क्या टूटेगा गठबंधन?

-पटना में तेजस्वी के घर महागठबंधन की बैठक, विधानसभा सत्र की बनेगी रणनीति

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद महागठबंधन में टूट की अटकलें लगने लगी हैं। हाल ही में समीक्षा के दौरान कांग्रेस के ज्यादातर उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से गठबंधन को चुनावी हार का जिम्मेदार बताया। इनमें से कई ने तो कांग्रेस आलाकमान को आरजेडी से गठबंधन तोड़ने की वकालत भी की। इसके बाद से सियासी पारा गर्मा गया है। हालांकि पार्टी के किसी भी बड़े नेता का गठबंधन के भविष्य को लेकर कोई बयान नहीं आया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दिनों संपन्न हुए बिहार चुनाव के नतीजों में कांग्रेस, आरजेडी और अन्य विपक्षी दलों के गठबंधन को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस 71 सीटें पर चुनाव लड़कर महज 6 सीटें जीतीं। आरजेडी ने भी 143 सीटें लड़ी और 25 पर ही जीत हासिल की। अन्य घटक दलों की स्थिति भी खराब रही। महागठबंधन कुल 243 में से महज 35 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल कर सका। बता दें बीते गुरुवार को नई दिल्ली में कांग्रेस ने बिहार चुनाव की हार की समीक्षा बैठक बुलाई थी। इसमें सभी 61 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के

अलावा प्रदेश स्तर के नेता भी मौजूद थे। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सभी उम्मीदवारों से 10-10 के समूह में बात की थी।

सूत्रों के मुताबिक अधिकतर उम्मीदवारों ने आलाकमान को बताया कि तेजस्वी यादव की पार्टी राजद से गठबंधन की वजह से कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा। अगर कांग्रेस इस चुनाव में अकेले चुनाव लड़ती तो परिणाम बेहतर हो सकते थे। प्रत्याशियों ने कहा कि कांग्रेस को आरजेडी से गठबंधन खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने महागठबंधन में सीट बंटवारे में देरी होने और करीब एक दर्जन सीटों पर फ्रेंडली फाइट को भी हार की वजह माना।

हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। दिल्ली में समीक्षा बैठक के बाद बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह से जब आरजेडी से गठबंधन तोड़ने के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इसका फैसला आलाकमान करेगा। फिलहाल महागठबंधन में शामिल घटक दल अपने-अपने स्तर पर हार की समीक्षा कर रहे हैं। आरजेडी में प्रमंडलवार प्रत्याशियों से फीडबैक लिया जा रहा है। चुनाव में विरोधियों के हित में काम करने वाले भितरघातियों की पहचान भी की जा रही है। इस बीच बिहार विधानसभा का सत्र 1 दिसंबर से होगा। इसमें नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। नीतीश सरकार अपना अनुपूरक बजट भी सदन में पेश करेगी। पटना में तेजस्वी यादव के घर पर महागठबंधन की बैठक बुलाई है। इसमें राजद, कांग्रेस और वाम दलों के विधायक शामिल होंगे। इसमें विधानसभा सत्र की रणनीति को लेकर चर्चा की जाएगी।

राहुल गांधी मानहानि केस: मुख्य सबूत वाली सीडी कोर्ट में निकली खाली, सुनवाई स्थगित

पुणे (एजेंसी)। पुणे की सांसद-विधायक विशेष अदालत में कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विनायक दामोदर सावरकर को कथित तौर पर अपमानित करने के मानहानि मामले की सुनवाई गुरुवार को उस समय नाटकीय मोड़ ले लिया जब अभियोजन का सबसे अहम सबूत मानी जा रही सीडी पूरी तरह खाली निकली।

मामला 2023 में राहुल गांधी के लंदन भाषण से जुड़ा है। सावरकर के परपौत्र सत्यकी सावरकर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि राहुल गांधी ने ब्रिटेन में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी सावरकर के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इसी शिकायत पर अदालत ने संज्ञान लिया और राहुल गांधी को समन जारी किया था। संज्ञान लेते समय अदालत ने एक सीलबंद सीडी में मौजूद कथित वीडियो देखने का उल्लेख किया था। गुरुवार को जब वही सीलबंद सीडी अदालत कक्ष में खोलकर चलाई गई तो उसमें एक भी फाइल नहीं थी। सीडी पूरी तरह ब्लैंक थी। यह देख शिकायतकर्ता के वकील एडवोकेट संग्राम कोल्हटकर भी स्तब्ध

रह गए। उन्होंने तुरंत अदालत को याद दिलाया कि यही सीडी पहले चलाई गई थी और उसी के आधार पर समन जारी हुआ था। कोल्हटकर ने पूछा कि आखिर पहले देखी गई सामग्री अब गायब कैसे हो गई?

खाली सीडी के खुलासे के बाद कोल्हटकर ने वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर यूट्यूब पर उपलब्ध उसी भाषण का लिंक सीधे अदालत में चलाने की अनुमति मांगी। राहुल गांधी की ओर से पेश वकील मिलिंद दत्तात्रय पवार ने इसका पुरजोर विरोध किया। मजिस्ट्रेट अमोल शिंदे ने पवार की दलील मानते हुए कहा कि यूट्यूब यूआरएल भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65-बी के तहत जरूरी प्रमाणीकरण प्रमाणपत्र के बिना सबूत के रूप में स्वीकार्य नहीं है। कोल्हटकर की यह अर्जी भी खारिज हो गई। इसके बाद सत्यकी सावरकर ने एक अतिरिक्त याचिका दायर कर दो अन्य सीडी चलाने का अनुमति मांगी, जिनमें वही भाषण होने का दावा किया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड में ऐसी कोई सीडी जमा नहीं है, इसलिए याचिका नामंजूर की जाती है।

न्यायिक जांच और स्थगन की मांग

कोल्हटकर ने खाली सीडी के रहस्य की न्यायिक जांच कराने और मामले में गड़बड़ी की संभावना जाहिर करते हुए सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया। राहुल गांधी के वकील ने इसका विरोध किया, लेकिन अंततः अदालत ने सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी। यह घटना अब कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है कि जिस सीडी के आधार पर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का पूरा मामला खड़ा किया गया, वह अचानक खाली कैसे हो गई? क्या यह तकनीकी खामी थी या कुछ और? मामले में अब अगली सुनवाई में इन सवालों के जवाब तलाशे जाएंगे।

जब-जब कहा आतंकवाद को दफना दिया, तब-तब आतंकियों ने जलवा दिखाया

-कांग्रेस नेता ने दिल्ली ब्लास्ट को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी कहा जाता है कि आतंकवाद को दफन कर दिया, तब-तब आतंकवादी अपना कुछ जलवा दिखा देते हैं। उन्होंने दिल्ली धमाके का जिक्र करते हुए यह बात कही। 10 नवंबर की शाम लाल किले के पास कार में हुए जोरधार धमाके में हमलावर समेत 15 लोगों की जान चली गई, जबकि 20 गंभीर रुप से घायल हो गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा को लेकर सीएम उमर अब्दुल्ला की ओर से दिए बयान से जुड़े सवाल के जवाब में उदित राज ने कहा कि उमर क्या गलत कह रहे हैं, स्टेटहुड का प्रॉमिश था। कई बार बेईमानी हो रही है, लूट रहे हैं वहां। लूटने के लिए ही रखा गया है। संभल तो रहा नहीं है। अभी कश्मीर में भी बम ब्लास्ट हुआ

था, जब भी यह कहते हैं कि हमने आतंकवाद को दफन कर दिया पाकिस्तान में घुसकर मारा तब आतंकवादी कुछ ना कुछ अपना जलवा दिखा देते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जलवा शब्द कहने के बाद संभलते हुए उदित राज ने अपना वाक्य बदला और कहा कुछ ना कुछ आतंकवादी गतिविधि करके दिखा देते हैं कि तुम्हारी बात में दम नहीं है। उन्होंने कहा मोदी सरकार ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि देखो जम्मू कश्मीर के बाहर देश में कहीं आतंकवादी हमला नहीं हुआ। आतंकियों ने धड़ाक से लाल किला में बम ब्लास्ट करके दिखा दिया। पहले भी यही कहते थे कि कश्मीर में आतंकवाद का सफाया हो गया, पहलगाम करके दिखा दिया।

आर्थिक महाकेंद्र बनी अयोध्या ने पकड़ी रफ्तार, सालाना 50 करोड़ पर्यटक पहुंचने की उम्मीद

अयोध्या (एजेंसी)। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या अब सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि तेजी से उभरता आर्थिक महाकेंद्र बन चुकी है। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों प्राण-प्रतिष्ठा और धर्म ध्वज फहराए जाने के बाद से रामलला के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं-पर्यटकों की बाढ़ सी आ गई है। दो साल पहले जहां सालाना 5.5-6 करोड़ लोग आते थे, वहीं इस साल के अंत तक 50 करोड़ का आंकड़ा छूने की संभावना है। अकेले जनवरी से जून 2025 तक करीब 23 करोड़ लोग अयोध्या पहुँच चुके हैं।

पर्यटकों की इस अभूतपूर्व आमद ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को रॉकेट की रफ्तार दे दी है। होटल-रिसॉर्ट, रेस्तरां, फुटकर दुकानें, टैक्सी-ऑटो से लेकर हस्तशिल्प कारोबार तक हर क्षेत्र में उछाल आया है। पिछले दो वर्षों में एक दर्जन से ज्यादा तीन व पांच सितारा होटल परियोजनाएँ शुरू हो चुकी हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए अयोध्या अब युवाओं की पहली पसंद बन रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया भर से श्रद्धालु यहाँ पहुँच रहे हैं। आधारभूत संरचना के मामले में अयोध्या ने विश्व के बड़े धार्मिक पर्यटन स्थलों को पछाड़ दिया है। चमचमाता राम पथ, धर्म पथ, भव्य घाट, पुनर्जनित कुंड, संस्कृति से सजे चौराहे और स्वच्छ-सुघड़ सड़कें शहर की नई पहचान हैं। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अब 30 से अधिक उड़ानें संचालित हो रही हैं, जिनकी सालाना यात्री क्षमता 60 लाख है। नया रेलवे स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस है, जबकि बस अड्डों का भी कायाकल्प हो चुका है।

आर्थिक आँकड़े और भी चौंकाने वाले हैं। वर्तमान में अयोध्या उत्तर प्रदेश के कुल जीएसडीपी में करीब 1.5 प्रतिशत का योगदान दे रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले 4-5 वर्षों में यहाँ सालाना कारोबार 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है। पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी, परिवहन और रियल एस्टेट सेक्टर में हजारों नए रोजगार सृजित हो रहे हैं। राम मंदिर ने न सिर्फ आस्था को नया आयाम दिया, बल्कि अयोध्या को विश्व के नक्शे पर एक चमकता आर्थिक सितारा बना दिया है। दीपावली, राम नवमी और अन्य पर्वों पर यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या देखते हुए लगता है कि 2026 तक अयोध्या विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल बनने की राह पर है।